जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 10 सितम्बर, 2026

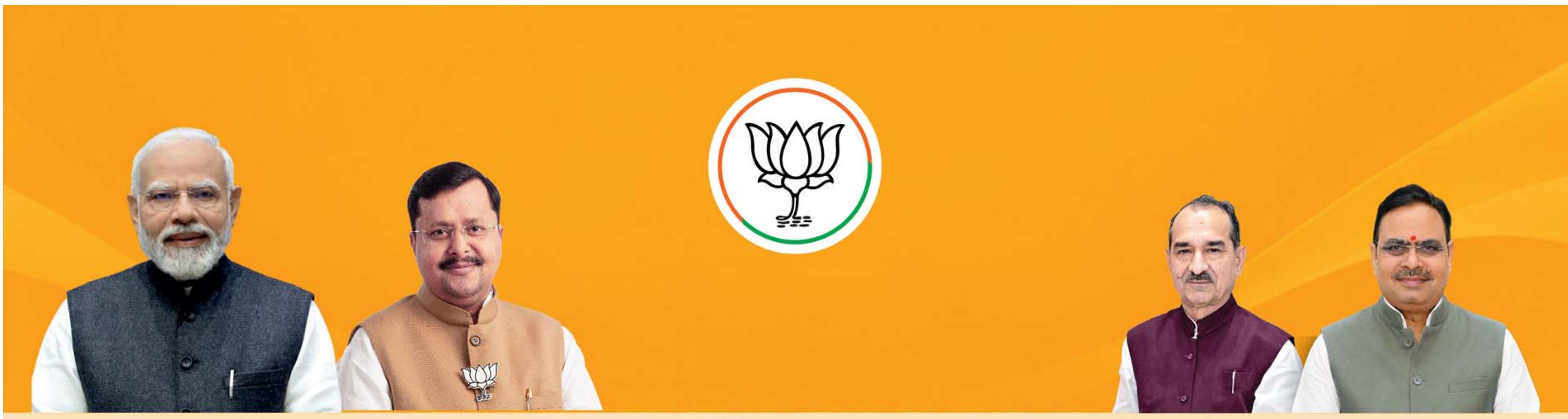

भाजपा सरकार की नीति और नीयत से बदली
राजस्थान की किस्मत

नगर निकाय चुनाव में
कमल खिलाना है
विकास को आगे बढ़ाना है

शहरी विकास

- 29 शहरों में **2,700 किमी सीवर लाइन**
- मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत 540 करोड़ रुपए से अधिक व्यय कर **7 लाख 46 हजार व्यक्तियों को रोजगार** उपलब्ध
- राजस्थान के लिए कुल **1,150 पीएम-ई बस स्वीकृत,** प्रथम चरण में 8 प्रमुख शहरों (जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा, भीलवाड़ा, अलवर और अजमेर) के लिए 675 इलेक्ट्रिक बसें स्वीकृत
- रोडवेज बेड़े में **798 नई सुपर एक्सप्रेस बसें** और 12 वोल्वो बसें शामिल

युवा शक्ति को अवसर

- **1.88 लाख** सरकारी पदों पर नियुक्तियां
- **1.22 लाख** पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन
- **70,031** पदों पर भर्ती की तैयारी
- **410** भर्ती परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित

मजबूत आधारभूत संरचना

- **₹91,000 करोड़** की लागत से राम जल सेतु लिंक परियोजना
- **₹34,102 करोड़** की यमुना जल परियोजना से शेखावाटी क्षेत्र में भरपूर पेयजल और सिंचाई जल
- **₹79,459 करोड़** के निवेश से राजस्थान रिफाइनरी
- **₹13,037 करोड़** की लागत से 41 कि.मी. लंबा जयपुर मेट्रो फेज-2

समर्थ महिला - समृद्ध राजस्थान

- लाडो प्रोत्साहन योजनान्तर्गत **1.50 लाख** तक की सहायता, **8.84 लाख** बालिकाएं लाभान्वित
- **18.21 लाख** महिलाएं बनीं लखपति दीदी
- **₹450** में रसोई गैस सिलेंडर, **68 लाख** परिवारों को **5.87 करोड़** रिफिल पर **₹1,128 करोड़** की सब्सिडी
- **राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना** के तहत 4.17 लाख महिलाओं को लगभग **662 करोड़ रुपये** की पेंशन

अन्त्योदय के पथ पर अग्रसर राजस्थान

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत **1 करोड़ नए पात्र लाभार्थी** जोड़े गए
- मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य बीमा योजना 45.80 लाख मरीजों को **₹9,699 करोड़ का कैशलेस उपचार**
- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) **1.01 लाख आवास पूर्ण**
- सामाजिक सुरक्षा **पेंशन ₹1,000 से बढ़ाकर ₹1,450 प्रतिमाह**

निकाय चुनाव हेतु भाजपा का **संकल्प पत्र पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें**

भाजपा के काम पर मोहर लगाएं, दिनांक 11 सितंबर को वोट देने जरूर जाएं | कमल का बटन दबाएं, भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

ATUL

विचार बिन्दु

जो मनुष्य एक पाठशाला खोलता है वह एक जेलखाना बंद करता है। –अज्ञात

स्कूलों की दशा और दिशा बदलने का रोडमैप

राजस्थान सरकार ने स्कूलों को लेकर बड़ा फैसला करते हुए 12500 करोड़ रु. का रोडमैप तैयार किया है। हांलाकि इसे सीजीपी की रामपुरा गांव की घटना से जोड़ कर देखा जा रहा है पर सौ टके का सवाल यह है कि स्कूल भवनों की यह अवस्था क्या वर्तमान सरकार की देन है? क्या दो साल में ही स्कूल भवन जर्जर और सुविधाविहीन हो गए? क्या स्कूलों की इन हालातों के लिए केवल वर्तमान सरकार को जिम्मेदार मानना उचित होगा? सवाल तो यह भी उठता है कि आज रोटियां सैंकने वालों ने समय रहते अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं समझी? सवाल यह भी उठता है कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने का सबको अधिकार है पर कानून हाथ में लेना या माहौल को उत्तेजित करना कहां तक उचित कहा जा सकता है? यदि सीमाओं में रहकर विरोध किया जाता है तो उसका असर भी अधिक पड़ता है और जनमानस की ऐसे विरोध के प्रति सहानुभूति भी होती है। जयपुर के रामपुर की घटना के पक्ष विपक्ष में ना जाकर यह कहना ही पर्याप्त होगा कि हालातों के लिए सरकार पर आक्रामक होना या लोगों को उत्तेजित करना समस्या का समाधान नहीं हो सकता। किसी का त्यागपत्र मांगना भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यदि हम लोकतंत्र में रह रहे हैं तो हमें लोकतांत्रिक तरीके से ही समस्याओं का समाधान मांगना या खोजना चाहिए। यह बात देश के प्रत्येक सभ्य नागरिक को समझनी होगी।

राज्य में एक मोटे अनुमान के अनुसार 64 हजार से अधिक स्कूल है और इनमें से करीब 63800 से अधिक विद्यालय अपने स्वयं के भवन में संचालित हो रहे हैं। 600 स्कूल के आसपास ऐसे स्कूल है जिनके अपने भवन नहीं हैं। शिक्षा सरकार की जिम्मेदारी है और विद्यालय भवनों की हालात अच्छी भी होनी चाहिए, इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती। पिछले साल एक स्कूल के कमरे के गिर जाने से बच्चों की मौत के बाद से जर्जर स्कूलों की दशा सुधारने की मांग तेजी से बढ़ती जा रही है। सरकार की हालात के प्रति गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 12500 करोड़ रुपए व्यय कर स्कूलों की दशा सुधारने का रोडमैप सामने आ गया है। हमें यह कोई एक दिन का काम नहीं है। सरकार स्कूल परिसरों के हालात को लेकर गंभीर रही है उसी का परिणाम है कि पूरा रोडमैप तैयार होकर सामने आया है। ऐसे में इसे सीजीपी या किसी आंदोलन के परिणाम के रुप में देखा जाना गलत होगा क्योंकि दो दिन में कोई रोडमैप तैयार नहीं होता। यह भी समझना होगा कि 41 जिलों के 63 हजार से अधिक विद्यालयों की हालात की जानकारी जुटाना और उनमें क्या कार्य होना है इसका आकलन करना कोई एक दिन का काम नहीं है। इकसे अलावा इस पर होने वाले व्यय का आकलन और होने वाले व्यय की राशि जुटाने की संभावनाओं को तलाशना कोई बच्चों का खेल नहीं हो सकता। यह भी साफ हो जना चाहिए कि सरकार अपने स्तर पर प्रशासन से समन्वय बनाते हुए पूरा रोडमैप बनाने में जुटी होने का ही परिणाम है कि एक ठोस कार्ययोजना सामने आ सकी। आलोचना के स्थान पर सरकार का साधुवाद किया जाना चाहिए।

> **कार्य गुणवत्तापूर्ण हो और बेहतर सुविधाजनक हो ताकि स्कूलों की दशा सुधर सके, बेहतर शिक्षण माहौल बन सके, बच्चे सुरक्षित रहे और आवश्यक सुविधाएं यथा शौचालय, पेयजल, विद्युत, इंटरनेट आदि की सुविधाएं हो। यदि स्थानीय नागरिक, प्रशासन और स्कूल प्रशासन को अपने दायित्व के प्रति गंभीर होना पड़ेगा। सरकार ने विधायक कोष से 20 प्रतिशत राशि उपलब्ध कराने का निर्णय भी विद्यालयों की दशा और दिशा सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।**

निश्चित रुप से जर्जर भवनों में स्कूल संचालन गंभीर और शिक्षा महकमें के लिए सोचनीय होना चाहिए। क्योंकि यहां सीधे सीधे बच्चों की सुरक्षा का सवाल उठता है और कोई भी सरकार यह नहीं चाहेगी कि उनके कार्यकाल में दुर्घटना जैसी घटना हो। यदि स्थानीय और जिला स्तर पर समय पर आकलन होता रहता तो एक संभावना यह भी बन सकती है कि एकसाथ हालात इतने खराब नहीं हो पाते। ऐसी समस्याओं को स्थानीय स्तर पर कार्ययोजना तैयार कर समाधान खोजा जाता है। यहां सवाल यह भी उठता है कि विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, सरपंच, स्थानीय जनप्रतिनिधि व स्थानीय स्तर पर हम कितने सजग व सक्रिय है। यदि स्थानीय स्तर पर सजगता हो तो अति जर्जर स्कूल भवनों की दशा को भामाशाहों या किसी भी सरकारी योजना में ठीक करवाया जा सकता है। जिला स्तर पर बहुत से फण्ड होते हैं, विधायक कोष, डीएमएफटी, सीएसआर और इसी तरह के बहुत से कोष में उपलब्ध राशि का उपयोग कर समस्या का तात्कालिक हल तो कराया ही जा सकता है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन के साथ ही स्कूल प्रिंसिपल सहित अध्यापकों और क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों की भी जिम्मेदारी हो सकती है। जर्जर भवन को दुबारा बनाने या मरम्मत के प्रस्ताव समय पर तैयार होते हैं तो कोई भी सरकार हो वह बजट स्वीकृत करने में आनाकानी नहीं करती। राजस्थान तो वैसे भी भामाशाहों का प्रदेश है ऐसे में भामाशाह आगे आकर सहयोग को तैयार रहते हैं। आवश्यकता सही पहल की हो जाती है। खैर यहां किसी को भी आरोपित करने या क्लिनचीट देने का मकसद नहीं हैं। सवाल देर से निर्णय को लेकर भी नहीं है। सीधा सा सवाल यह है कि यह बच्चों के भविष्य और सुरक्षा से जुड़ा सवाल है तो ऐसे में अब सरकार ने दो साल में विद्यालयों की दशा और दिशा सुधारने का जो रोडमैप तैयार किया है उसके क्रियान्वयन को लेकर उठता है। अब जब सरकार ने रोडमैप बना कर क्रियान्वयन के कदम बढ़ा दिए हैं तो सवाल गुणवत्ता और समय पर क्रियान्वयन का उठता है। स्कूल प्रशासन और स्थानीय प्रबुद्धजनों और नागरिकों का दायित्व अधिक हो जाता है। वे जब भी उनके क्षेत्र में कार्य आरंभ हो तो उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें। कार्य गुणवत्तापूर्ण हो और बेहतर सुविधाजनक हो ताकि स्कूलों की दशा सुधर सके, बेहतर शिक्षण माहौल बन सके, बच्चे सुरक्षित रहे और आवश्यक सुविधाएं यथा शौचालय, पेयजल, विद्युत, इंटरनेट आदि की सुविधाएं हो। यदि स्थानीय नागरिक, प्रशासन और स्कूल प्रशासन को अपने दायित्व के प्रति गंभीर होना पड़ेगा। सरकार ने विधायक कोष से 20 प्रतिशत राशि उपलब्ध कराने का निर्णय भी विद्यालयों की दशा और दिशा सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसलिए अब जहां भी काम हो अच्छा और पूरा काम हो ताकि स्कूल परिसर का वातावरण बेहतर शिक्षा का माहौल वाला बन सके। सरकार को भी साधुवाद देते हुए अब क्रियान्वयन पर खास ध्यान देना होगा ताकि तय समय में स्वीकृत कार्य हो सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 10 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, मघा नक्षत्र दिन 2:05 तक, सिद्ध योग 9:18 तक, शकुनि करण दिन 10:34 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज पितृकार्य अमावस्या, पिठोरी अमावस्या, जैन वृषभोत्सव, मन्वादि, कुशाग्रहणी अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:46 तक, चर 10:51 से 12:24 तक, लाभ–अमृत 12:24 से 3:29 तक, शुभ 5:02 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 1:30 से 3:00 तक, सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:34

मेष
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ अभी बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति यथावत बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
मानसिक तनाव मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज धन हानि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
परिवार में शुभ–धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

कर्क
घर–परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मीन
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस–यादों के झरोखों से

राजेन्द्र भाणावत

आज साक्षरता दिवस है। मुझे इस अवसर पर 1996 से 2000 का वह समय अनायास ही याद आ गया जब मैं राजस्थान के साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग का निदेशक और प्रभारी निदेशक शिक्षाकर्मी परियोजना की तरह कार्यरत था। लगभग सवा चार वर्ष तक मुझे राजस्थान के साक्षरता अभियान को संचालित करने का अवसर मिला। मेरे पूरे सेवाकाल का यह सबसे लंबा कार्यकाल था।

आज, साक्षरता की कहीं कोई चर्चा नहीं है। साक्षरता दिवस, प्रतिवर्ष 8 सितंबर को जिस धूमधाम से समारोह पूर्वक पूरे राज्य में मनाया जाता था, उसकी तो आज की पीढ़ी कल्पना भी नहीं कर सकती। यह लेख मैं इसी उद्देश्य से लिख रहा हूं कि आज की पीढ़ी को यह पता चले कि सरकार और समाज मिलकर किस प्रकार से किसी पवित्र उद्देश्य के लिए एक जुट होकर कार्य कर सकते हैं।

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना 1988 में हुई जिसमें राजस्थान के आई ए एस और शिक्षा विद अनिल बोर्दिया का महत्वपूर्ण योगदान था। मिशन की अवधारणा के अनुसार 15 से 35 वर्ष के सभी असाक्षर महिलाओं और पुरुषों को साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया। साक्षर उसे कहा गया जो 5 से 7 शब्द प्रति मिनट लिख सके, 15–20 शब्द प्रति मिनट बोल सके तथा अपनी बदहाली के कारणों को जानकर उन्हें दूर करने में सक्षम हो।

साक्षरता अभियान में राज्य के लगभग 10 लाख व्यक्ति स्वैच्छिक शिक्षक (VT) के रूप में जुड़े। इनमें सभी सरकारी कर्मचारियों, विद्यालय, महाविद्यालयों के शिक्षकों, विद्यार्थियों, सेवानिवृत कर्मचारियों, गृहणियों, धर्मगुरुओं, शैक्षिक संगठनों आदि ने अपनी सहभागिता निभाई। सबने मिलकर साक्षरता अभियान के माध्यम से राजस्थान के लगभग एक करोड़ व्यक्तियों को साक्षर बनाने का बीड़ा उठाया था। इनके लिए पाठ्य सामग्री के रूप में विभिन्न क्षेत्रों की बोली पर आधारित प्रवेशिकाएं बनवाई गईं ताकि वयस्क पढ़ने–लिखने में रुचि ले सकें। तीसरी प्रवेशिका हिंदी में बनवाई गई। साक्षरता अभियान के पश्चात उत्तर साक्षरता अभियान चलाया गया एवं इसके बाद सतत शिक्षा कार्यक्रम चलना था।

राज्य का ऊपर से लेकर नीचे तक प्रत्येक व्यक्ति साक्षरता के काम में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में जुड़ा। तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत अपने हर सार्वजनिक उद्बोधन में महिलाओं को शिक्षित करने की बात करते थे। जिला कलेक्टर, जिला साक्षरता समितियों के अध्यक्ष होते थे और सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के वार्षिक मूल्यांकन प्रतिवेदन में इस बात का उल्लेख होता था कि उन्होंने साक्षरता अभियान में कितना योगदान दिया है?

प्रत्येक माह जयपुर में निदेशक की अध्यक्षता में साक्षरता अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक का आयोजन होता था, जिसमें समीक्षा के साथ भविष्य की रूपरेखा बनाई जाती थी। मेरे कार्यकाल में 52 समीक्षा बैठकें हुईं। इस दौरान मैने राज्य के सभी जिलों के सैकड़ों गाँवों का व्यक्तिगत रूप से दौरा किया और साक्षरता कर्मियों और नवसाक्षरों को प्रेरित करने का कार्य किया।

8 सितंबर, 1997 को राज्य के विभिन्न जिलों की लगभग 3000 नवसाक्षर महिलाओं का एक बड़ा सम्मेलन जयपुर के चौगान स्टेडियम में आयोजित किया गया। महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उनसे चर्चा करने के लिए प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता शबाना आजमी को बुलाया गया जो दिन भर उनके साथ रहीं।

यह जानकर पाठकों को आश्चर्य हो कि उस समय किसी साक्षरता स्वयंसेवक को कोई मानदेय नहीं दिया जाता था। जब कभी इसकी मांग होती तो उसका एक ही उत्तर दिया जाता था कि हमारे पास मानदेय देने का तो कोई प्रावधान नहीं है, लेकिन ऐसे व्यक्तियों को 'मान' देने में कोई कमी नहीं रखनी चाहिए। इनके लिए विशेष पहचान पत्र बनाए गए, जिनके आधार पर गांव के हर महत्वपूर्ण कार्य में इन्हें सम्मिलित किया जाता था। किसी अधिकारी से मिलने जाने पर उन्हें इस पहचान पत्र के आधार पर विशेष प्राथमिकता मिलती थी।

सीखने–सिखाने का काम भी किसी निश्चित समय पर नहीं होता था अपितु यह सीखने और सिखाने वालों की परस्पर सुविधा के अनुसार निर्धारित किया जाता था, विशेषकर उनकी सुविधा देखी जाती थी जिन्हें साक्षर किया जाना था न कि सरकारी कर्मचारियों की। साथ ही, इस बात पर बल दिया गया कि शिक्षण का कार्य परस्पर सम्मान के आधार पर हो। इसके पीछे भावना यह थी कि यदि किसी के पास अंक और अक्षर का ज्ञान न हो तब भी उसके पास अनुभव और विवेक तो था ही।

साक्षरता की प्रक्रिया V T (volunteer teacher) और असाक्षरों के बीच आदान–प्रदान की होती थी। ताकि असाक्षर व्यक्तियों में हेय भावना उत्पन्न नहीं हुई और वे पूरे अभियान में बराबर के भागीदार बने रहे।

संपूर्ण साक्षरता अभियान के बाद उत्तर साक्षरता के अंतर्गत, नवसाक्षरों की रुचि और क्षमता के अनुसार विशेष प्रकार के साहित्य का सृजन किया गया, जिनमें चित्र के साथ ही अक्षर भी बड़े फ़ॉन्ट में थे। प्रत्येक दो–तीन हजार व्यक्तियों पर एक चर्चा मंडल की स्थापना का प्रावधान था, जहां बैठकर लोग अपने गांव की समस्याओं पर बात कर सकते थे। नवसाक्षरों के लिए कुछ पुस्तकें इन स्थानों पर रखी जाती थीं और कुछ खेल सामठाी का भी प्रावधान किया गया। यहां नव साक्षर व्यक्तियों को अपनी नव अर्जित साक्षरता को मजबूत करने का अवसर मिलता था।

साक्षरता अभियान का तीसरा चरण सतत शिक्षा कार्यक्रम था। इसके अंतर्गत इन्हीं जन चेतना केंद्रों को अधिक सक्रिय और वृहद बनाना था। यहां पर गांव के लोग बैठकर चर्चा करके गांव के विकास की योजना बना सकते थे।

यह उल्लेखनीय है कि सभी के सामूहिक और सक्रिय प्रयासों के फल स्वरुप 1996 से 2000 तक प्रत्येक अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर दिल्ली के विज्ञान भवन में भारत सरकार द्वारा राजस्थान के किसी न किसी जिले को 'सत्येन मैत्रे' पुरस्कार प्रदान किया गया। 8 सितंबर 2000 को राजस्थान को महिला साक्षरता के क्षेत्र में देश में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज करने के लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन– यूनेस्को (NLM-UNESCO) पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसे ग्रहण करने का सौभाग्य मुझे मिला। राजस्थान का साक्षरता प्रतिशत जो 1991 में 38.5 था, वह 2001 में बढ़कर 61प्रतिशत हो गया। यह वृद्धि देश में सर्वाधिक थी।

दुर्भाग्य से इसके बाद सतत शिक्षा, प्राथमिकता में नहीं रही और यह कार्यक्रम भी मात्र औपचारिकता बन कर रह गया। गत कुछ सालों से तो इसका कोई नाम ही नहीं लेता है। विभाग भी लगभग बंद कर दिया गया है ।

प्रत्येक जिले के साक्षरता अभियान का मूल्यांकन किसी प्रतिष्ठित शोध संस्थान या विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता था। राजस्थान के एक जिले का मूल्यांकन तो आईआईएम, अहमदाबाद द्वारा किया गया। मूल्यांकन के पहले मूल्यांकन कर्ताओं को मेरे द्वारा स्वयं निदेशालय में स्पष्ट कर दिया गया था कि उन्हें केवल वास्तविक स्थिति का आंकलन करना है न कि आंकडों को बढ़ा चढ़ा कर बताना। इसका बहुत अच्छा असर क्षेत्र में हुआ और लोगों ने मूल्यांकन कर्ताओं को वास्तविक स्थिति जानने में सहायता की। ऐसा सामान्यतया नहीं होता है कि सरकारी विभाग के द्वारा बाह्य मूल्यांकन कर्ता को यह छूट दी जाए कि वह अपने स्तर पर निष्पक्ष मूल्यांकन करें और इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें । इसके पीछे भाव यह था यदि कहीं कोई कमी रह गई है तो उसे दूर करके कार्यक्रम को ठीक किया जाए ।

प्रत्येक स्तर पर अच्छे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए अक्षर– मित्र पुरस्कार प्रारंभ किए गए। प्रत्येक वर्ष 8 सितंबर को बिरला ऑडिटोरियम में जयपुर में राज्य के श्रेष्ठ साक्षरता कर्मियों को पुरस्कृत किया जाता था, जिनमें अनिवार्यत: 50 प्रतिशत महिलाएं होती थीं। ये पुरस्कार राज्यपाल या मुख्यमंत्री के द्वारा दिए जाते थे। इसी प्रकार के सम्मान समारोह प्रत्येक जिले में भी 8 सितंबर को आयोजित किए जाते थे।

अब, जब साक्षरता अभियान का कोई नाम लेवा नहीं बचा और प्राथमिक शिक्षा की स्थिति बदतर होती जा रही है तो यह देखकर बहुत पीड़ा होती है। जिस राज्य में विभिन्न वर्गों के लोगों ने सक्रिय रूप से, मन से लोगों को साक्षर बनाने का काम किया हो, वहां इस प्रकार की दुर्गति देखकर क्षोभ और दुख होना स्वाभाविक है।

अपेक्षा थी कि सतत् शिक्षा कार्यक्रम के चरण में नवसाक्षरों को डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता कानूनी साक्षरता, चुनावी साक्षरता प्रदान की जाएगी। यदि वास्तव में ऐसा हो जाता तो देश के लिए शिक्षा विभाजनकारी नहीं बनती और देश के सभी लोग डिजिटल क्रांति का लाभ ले पाते। अतीत में जीना कोई बहुत अच्छी बात नहीं है, किंतु आज यह लेख लिखने के लिए मैं इसलिए बाध्य हुआ हूं कि राजस्थान के गौरवशाली साक्षरता अभियान के कुछ पहलुओं से पाठकों को परिचित कराया जा सके। यह खेद का विषय है कि शिक्षा के क्षेत्र में लोक जुंबिश, शिक्षाकर्मी जैसे अनेक नवाचारी प्रयोग करने वाला प्रदेश शिक्षा को प्राथमिकता नहीं दे रहा है।

जिस प्रकार से साक्षरता अभियान और प्रारंभिक शिक्षा को कई वर्षों से राज्य और भारत सरकार ने हाशिये पर डाल दिया है, मुझे तो आशंका है है कि अगली जनगणना में राज्य का साक्षरता प्रतिशत कहीं कम न हो जाए। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर मैं राज्य सरकार से अपील करता हूं कि वह यहां के नागरिकों के लिए कार्यात्मक साक्षरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।साथ ही, प्रारंभिक शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समाज की भागीदारी से बेहतर बनाए ।

–राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

समरसता या षडयंत्र? शिवाजी के तिलक से श्मशान तक की सच्चाई

मदन सिंह काला

आज हर गली–चौराहे पर समरसता का नारा सुनाया जा रहा है। सुनने में यह शब्द कितना मीठा लगता है। लेकिन सोचिए, जो लोग 3000 साल तक आपको पानी तक नहीं पीने देते थे, वे अचानक आपके साथ समरस क्यों होना चाहते हैं? क्या उनकी नीयत बदली है या मजबूरी है?

सच्चाई यह है कि सुसंस्कृत और हिन्दू संस्कृति के पोषक लोग समरसता की मीठी बातें करते हैं, लेकिन समानता की बात आते ही बिदक जाते हैं। क्यों?

–क्योंकि समरसता का उनका अर्थ है – स्टेटस–को बनाए रखना, जिसमें समानता की कोई गुंजाइश ही नहीं है।– सामाजिक स्तरीकरण में जो अनुपात है, वही बना रहे। तुम नीचे रहो, हम ऊपर रहें, बस झगड़ा मत करो। तुम जूते सिलते रहो, हम जूते पहनते रहें, तुम मैला ढोते रहो, हम मंदिर में पुजारी बने रहें, बस मिल–जुलकर रहो। सतयुग, त्रेता, द्वापर, वैदिक काल सभी में जाति पदानुक्रम था। महिलाओं और शूद्रों को दबाने के लिए नियमों को और कठोर बनाया गया, जो मनुस्मृति के क्रूर कानून के अनुसार अपने उच्चतम दमनकारी स्तर पर पहुंच गया और समरसता को सख्ती से बनाए रखा गया।

–जबकि संविधान की समानता कहती है –– तुम भी पढ़ोगे, तुम भी कलेक्टर बनोगे, तुम भी मंदिर के पुजारी बनोगे, तुम भी देश के प्रधानमंत्री बनोगे।

यही फर्क है। समरसता में आपकी जगह वही पुरानी है, समानता में आपकी जगह बदलती है। और इसीलिए इन लोगों को बाबा साहब डॉ. आंबेडकर का संविधान सबसे ज्यादा खटकता है।

–पहला प्रभाव – इतिहास गवाह है, हम शासक थे, गुलाम नहीं–

आपको पढ़ाया गया कि शूद्र–अतिशूद्र हमेशा पैर में रहे। यह सबसे बड़ा झूठ है।

और सबसे बड़ा उदाहरण हमारे आराध्य छत्रपति शिवाजी महाराज का है। जिन्हें हिंदवी स्वराज का निर्माता कहा जाता है, उसी शिवाजी महाराज को भी इस व्यवस्था ने शूद्र ही माना। जब शिवाजी महाराज ने 1674 में रायगढ़ में अपना राज्याभिषेक करना चाहा, तो स्थानीय ब्राह्मणों ने राजतिलक करने से मना कर दिया। कहा– तुम शूद्र हो, तुम्हें राजतिलक का अधिकार नहीं है। तब महाराज को काशी से गागा भट्ट पंडित को बुलाना पड़ा। जिस आदमी ने मुगलों से लड़कर हिंदवी स्वराज खड़ा किया, उसे भी इस जाति व्यवस्था ने अपमानित ही किया।

मतलब साफ है – जब–जब बहुजन को मौका मिला, उसने राज किया। जब–जब उसे जाति बताकर रोका गया, देश गुलाम हुआ।

–दूसरा प्रभाव – ग्रंथों ने कैसे बांटा और देश कैसे गुलाम हुआ?–

वैदिक काल में कहा गया – "चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागश:" – वर्ण गुण और कर्म से है।

फिर मनुस्मृति आई और उसने कहा – शूद्र का धर्म केवल तीन वर्णों की सेवा है। उसकी संपत्ति नहीं हो सकती, वह शिक्षा नहीं ले सकता।

फिर वही मानसिकता तुलसीदास जी के समय तक इतनी गहरी हो गई कि लिख दिया गया –

–पूजिय विप्र सील गुन हीना। सूद्र न गुन गन ग्यान प्रवीना।।–

–ढोल गँवार सूद्र पसु नारी। सकल ताड़ना के अधिकारी।।–

सोचिए, एक इंसान को ढोल और जानवर के साथ रखकर पीटने योग्य बताया गया। क्या यही धर्म है? यही तो वह जहर है जिसने भारत को 6000 जातियों में बांट दिया।

इस जहर ने तो इंसान को जीते जी ही नहीं, मरने के बाद भी नहीं छोड़ा। गांव का कुआं तक जाति के नाम पर बांट दिया गया और श्मशान घाट तक जातिवार बना दिए गए, जो आज 2026 में भी बरकरार हैं। जिंदा इंसान की जात तो बनाई ही, मुर्दे की भी जात बना रखी है। इससे ज्यादा अमानवीय व्यवस्था दुनिया में और क्या होगी? क्या ऐसे लोग समरसता सिखाएंगे? – जाति ने देश को कितना गुलाम बनाया?– जब एक गांव के लोग एक साथ पानी नहीं पी सकते, श्मशान तक एक साथ नहीं जला सकते, तो वे विदेशी सेना से एक साथ कैसे लड़ेंगे? यही कारण है कि विदेशी आक्रांताओं के लिए भारत को जीतना आसान हो गया। दिल्ली सल्तनत 1206 से 1526 तक 320 साल, मुगल साम्राज्य 1526 से 1857 तक 331 साल और ब्रिटिश शासन 1757 से 1947 तक 190 साल – जोड़ने पर 741 साल का लंबा विदेशी शासन बनता है, जिसे लोग 1000 साल की गुलामी कहते हैं। लेकिन सच्चाई यह भी है कि कोई भी विदेशी पूरे भारत पर एक साथ राज नहीं कर सका। जब दिल्ली में सुल्तान था, तब दक्षिण में विजयनगर था, जब मुगल थे तब शिवाजी महाराज के मराठा 70 प्रतिशत भारत पर थे, और अंग्रेजों का अखिल भारतीय नियंत्रण तो केवल 1820 के बाद यानी 127 साल ही रहा। फिर भी, जो 323 साल का प्रभावी विदेशी राज रहा, उसका मूल कारण हमारी भीतरी फूट और जन्म–आधारित जाति व्यवस्था ही थी।

–तीसरा प्रभाव – मुगल क्यों टिके और अंग्रेजों से क्यों तकलीफ हुई?–

मुगल समझदार थे। उन्होंने कहा – हमें लगान दो, तुम अपनी जाति व्यवस्था चलाते रहो। इसलिए 300 साल तक वे टिके रहे और उच्च वर्ण के लोग उनके दरबार में टोडरमल, बीरबल, मानसिंह बनकर मंत्री बने रहे।

लेकिन अंग्रेज अपने सार्थ ल्त दं ै और थ्रीब, ल्रैत्ब, ड्रीहरूब का विचार लाए। उन्होंने कानून बनाया – सब समान हैं।

– 1829 में सती प्रथा बंद

– 1843 में गुलामी प्रथा बंद – जिसमें शूद्रों को पशुओं की तरह बेचा जाता था

– 1856 में विधवा पुनर्विवाह

– 1813 और 1854 के शिक्षा कानूनों से पहली बार शूद्र–अतिशूद्र के बच्चे भी स्कूल में बैठने लगे।

इसी से महात्मा फुले, सावित्रीबाई फुले, डॉ. आंबेडकर पैदा हुए। 1927 में आंबेडकर ने महाड में तालाब का पानी पीकर मनुवाद को सीधी चुनौती दी। तभी से मनुवादी व्यवस्था तिलमिला उठी।

–चौथा प्रभाव – आजादी कैसे मिली और आज क्या हो रहा है?–

द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटेन कंगाल हो गया। उधर गांधी का 1942 आंदोलन, आजाद हिंद फौज और 1946 का नौसेना विद्रोह जन–आंदोलन बन गया। एटली सरकार को सत्ता भारतीय नेतृत्व को सौंपनी पड़ी।

1947 में पंडित नेहरू को जो देश मिला, वह भूखा–नंगा था। 34 करोड़ लोग, सुई तक नहीं बनती थी। नेहरू ने घ्छ्ऊ, घ्ष्ंध भाखड़ा नांगल, ॅष्ं, ऍष्ंथ बनाकर देश को अपने पैरों पर खड़ा किया।

आज फिर वही टूटी–फूटी हालत बनाई जा रही है। खुद से पूछिए –

–रुपये का अवमूल्यन क्यों?– 1947 में 1 डॉलर 3.30 रुपये का था, 2014 में 58 रुपये का था, और आज 2026 में यह 97 रुपये के ऐतिहासिक आंकड़े को छूकर अब भी 94.41 रुपये पर है। आपकी जेब क्यों कट गई?

– आपके मोबाइल से लेकर दीपावली की झालर तक 75 प्रतिशत माल चीन से क्यों आ रहा है? 10 प्रतिशत अन्य देशों से? भारत में सिर्फ 15 प्रतिशते क्यों बन रहा है?

–ॅष्ं, ऍष्ंथे रेल, थ्ध्ग जिसे आपके बाप–दादा ने बनाया, वह क्यों बेचा जा रहा है?

– एर्ष्ठ कह रहा है – 45 प्रतिशत युवा बेरोजगार है। क्यों?

क्योंकि विकास के नाम पर सिर्फ जुमले हैं – 2 करोड़ नौकरी, 15 लाख, बुलेट ट्रेन। जमीन पर कुछ नहीं।

और याद कीजिए, जिस ऍंउ विनोद राय की 1.76 लाख करोड़ की कल्पनात्मक रिपोर्ट पर डॉ. मनमोहन सिंह जैसे ईमानदार प्रधानमंत्री को चोर कहा गया, उस रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट ने 2उ और कोयला मामलों में पूरी तरह फर्जी बताकर फेंक दिया। सभी आरोपी बरी – खोदा पहाड़, निकली चुहिया।

–अंतिम सत्य – धर्म ग्रंथों से नहीं, संविधान से देश चलेगा–

यह समझना जरूरी है कि वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस हों, या मनुस्मृति, या कुरान, बाइबिल, गुरुग्रंथ साहिब – ये सभी अपने–अपने समय के महाकाव्य, स्मृति–ग्रंथ और धर्म–ग्रंथ हैं। वे हमारे साहित्य, भक्ति और संस्कृति के महान ग्रंथ हैं। इन्हें मन बहलाने और मानवीय पहलुओं – करुणा, प्रेम, त्याग – को समझने के साधन के रूप में पढ़िए, जरूर पढ़िए।

लेकिन 21वीं सदी का भारत इनमें से किसी भी प्राचीन धर्म ग्रंथ से नहीं चलेगा।

भारत चलेगा तो सिर्फ पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी और बाबा साहब के संविधान से। संविधान की प्रस्तावना में लिखा ॉ ूप झदज्त हम भारत के लोग – यही हमारा नया मंत्र है। संविधान ही हमारा जीवंत ग्रंथ है, वही हमें बराबरी दिला सकता है। बाकी सभी ठांथ अध्ययन के साधन हैं, शासन के साधन नहीं।

इसलिए अब समय की मांग संविधान प्रदत्त समानता की स्थापना के लिए काम करना है। हमें समरसता की बातों से समानता नहीं मिलने वाली है।

–मदन सिंह काला, पूर्व
आई.ए.एस अधिकारी

दादी की वार्षिक पूजा से पहले झुंझुनूं में आस्था का महाभंडारा

> - **10 सितंबर को तुलस्यान बंसल सेवा सदन में लगेगा विशाल भंडारा**
> - **डॉ. डीएन तुलस्यान के प्रयासों से झुंझुनूं , पुणे एवं मुंबई प्रवासी परिवारजनों के सहयोग से इस विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।**

झुंझुनूं । श्री राणी सती दादी जी की वार्षिक पूजा के अवसर पर झुंझुनूं में श्रद्धा, सेवा और समर्पण का भव्य संगम देखने को मिलेगा। 11 सितंबर को होने वाली श्री राणी सती दादी जी की वार्षिक पूजा से एक दिन पूर्व 10 सितंबर को श्री राणी सती रोड स्थित तुलस्यान बंसल सेवा सदन में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सेठ श्री धर्मदास तुलस्यान चैरिटी ट्रस्ट द्वारा संचालित सेवा सदन में होने वाला यह भंडारा स्वर्गीय धन्नुराम हलवाई तथा उनके सुपुत्रों स्व. हनुमान बक्स तुलस्यान, स्व. झाबरमल तुलस्यान एवं स्व. महावीर प्रसाद तुलस्यान की पुण्य स्मृति में उनके परिजनों के सौजन्य से आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार, श्री राणी सती दादी जी की वार्षिक पूजा के मुख्य दिन 11 सितंबर को मंदिर क्षेत्र में बड़ी संख्या में भंडारे आयोजित होते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 10 सितंबर को ही विशाल भंडारा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। देश के विभिन्न हिस्सों से दादी जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का झुंझुनूं पहुंचना 10 सितंबर से ही शुरू हो जाता है। ऐसे में पूर्व दिवस पर भंडारे के आयोजन से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और उन्हें प्रसाद ग्रहण करने के लिए बेहतर व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। आयोजकों का मानना है कि इस पहल से 11 सितंबर को मुख्य पूजा के दौरान मंदिर क्षेत्र में बढ़ने वाली भीड़ के बीच व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। साथ ही दूर–दराज से आने वाले भक्तों को पहले ही दिन सेवा एवं प्रसाद का लाभ मिल सकेगा। यह भंडारा केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि पूर्वजों की पुण्य स्मृति को सेवा के माध्यम से जीवंत रखने का संकल्प भी है। स्वर्गीय धन्नुराम हलवाई एवं उनके तीनों सुपुत्रों की पुण्य स्मृति में आयोजित इस सेवा कार्य में तुलस्यान परिवार श्रद्धा एवं समर्पण के साथ जुटा हुआ है। ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान के प्रयासों से झुंझुनूं , पुणे एवं मुंबई प्रवासी परिवारजनों के सहयोग से इस विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। भंडारे को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान, भवन इंचार्ज एवं ट्रस्टी आशीष तुलस्यान, ट्रस्टी इन्द्र चन्द्र तुलस्यान, सीए कृष्ण मुरारी तुलस्यान, रमाकांत तुलस्यान, प्रमोद तुलस्यान, सौरभ तुलस्यान, सुभाष तुलस्यान, उत्तम तुलस्यान एवं अशोक जे. तुलस्यान सहित समस्त तुलस्यान परिवार एवं दादी भक्त तैयारियों में जुटे हैं। वार्षिक पूजा से पूर्व होने वाले इस आयोजन में देशभर से झुंझुनू पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं सेवा की विशेष व्यवस्था रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

India's Milk Story Is Not Yet Complete — Rajasthan has emerged as India's leading milk producer, contributing a significant share to national output

A Turning Point in Rhino Conservation

The Sacred Symbolism of the Golden Roof of Nataraja Temple

निकाय चुनावों के रिजल्ट का खास फर्क नहीं पड़ेगा प्रदेश की राजनीति में?

जिन कारणों से भजनलाल मु.मंत्री बने थे, उनमें कोई खास परिवर्तन होता नज़र नहीं आ रहा, अतः मु.मंत्री बने रहने पर कोई संकट आने की संभावना नहीं नज़र आ रही

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- भाजपा की रैलियों में आने वाली बसों की संख्या को गिनने से लेकर, अमित शाह के जयपुर आते ही उनके साथ पूर्णतया अटैच रहने की जिम्मेवारी को बखूबी निभा ले गए हैं भजनलाल, किसी को इस जिम्मेवारी में चूक होने की शिकायत सुनने में नहीं आई।
- इन जिम्मेवारियों के वहन में, इस बात से भी काफी मदद मिली कि मु.मंत्री भजनलाल का रिहायशी मकान भी हवाई अड्डे के पास है।
- ऐसा भी नहीं है कि राजनीतिक चुनौतियाँ नहीं आईं। ओ.बी.सी. कमिशन के सर्वे व रिपोर्ट के बाद, ओ.बी.सी. का जनसंख्या में शेयर 52 प्रतिशत से घटकर 43-45 प्रतिशत रह जाएगा। इससे राजनीतिक तापमान बढ़ेगा। क्योंकि, ओ.बी.सी. का आरक्षण 21 प्रतिशत से घटकर 19 प्रतिशत होने की संभावना है। पर, अभी ओ.बी.सी. कमिशन की पूर्ण अधिकृत रिपोर्ट आने का इंतज़ार है।
- फिलहाल शांति है तथा निकायों के चुनाव के नतीज़े भी शायद इस शांति में खलल नहीं डाल पाएंगे।

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। राजनीति संभावनाओं का खेल है। राजस्थान में भाजपा की मौजूदा सरकार इसका एक उदाहरण है।

मुख्यमंत्री बिल्कुल अचानक ही राज्य के शीर्ष पद पर पहुंच गए।

आरएसएस से गहराई से जुड़े और कम चर्चा में रहने वाले इस नेता ने दशकों तक पार्टी के लिए चुपचाप काम किया। वे भाजपा के युवा मोर्चे के तीन बार जिला अध्यक्ष, भरतपुर जिला अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष और अंत में महासचिव रहे। उन्होंने 27 साल की उम्र में अपने गाँव अटारी के सरपंच के रूप में पहली बार सत्ता का स्वाद चखा।

उनकी दो प्रमुख जिम्मेदारियाँ थीं और दोनों को उन्होंने बखूबी पूरा किया, चाहे वो उन बसों की संख्या नोट करना हो, जो किसी भी भाजपा रैली में आईं या अमित शाह से अटैच रहना, जब भी वे जयपुर आते थे।

संयोग से भजन लाल का निवास हवाई अड्डे के पास था, इसलिए उनके लिए वहां मौजूद रहना और उनके साथ रहना आसान हो गया।

यह उनके लिए सौभाग्य साबित हुआ और देखते ही देखते वे शीर्ष पर पहुँच गए और उन्हें बहुत जबरदस्त तरक्की मिली।

2023 में उन्होंने पहली बार सांगानेर से राजस्थान विधानसभा में प्रवेश किया और कुछ ही दिनों के भीतर मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। माना जाता है कि उन्हें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वकील को 15 तक सुरक्षा दें या पुलिस कमिश्नर पेश होकर स्पष्टीकरण दें'

- हाई कोर्ट ने अधिवक्ता राघव की अवमानना याचिका पर आदेश दिए।

जयपुर, 9 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश पर एक वकील को दी गई सुरक्षा को वापस लेने से जुड़े मामले में कहा है कि पूर्व में दिए आदेश के तहत वकील को 15 सितंबर तक सुरक्षा मुहैया कराई जाए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने पुलिस कमिश्नर को व्यक्तिगत रूप से हाईकोर्ट में पेश होकर इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता आरएस राघव की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा ने अदालत को बताया कि 20 अगस्त, 2015 के आदेश की अक्षरशः पालना की जाएगी और याचिकाकर्ता को दो निजी सुरक्षा अधिकारी मुहैया कराए जाएंगे। एएजी की ओर से कहा गया कि निगम चुनाव को देखते हुए सरकार को तीन दिन का समय दिया जाए और मामले की सुनवाई 15 सितंबर को तय की जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 15 सितंबर को तय करते हुए आदेश की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब में भाजपा का 2022 में वोट शेयर 6.6 था, जो 2024 में 18-19 प्रतिशत हुआ था

अतः भाजपा की रणनीति परम्परागत हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर अपने गैर जाट, दलित व अर्बन समर्थन को मजबूत करने की है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- भाजपा पंजाब में अपने आप को ''आप'' व कांग्रेस से मुकाबले के लिए एक फोर्स के रूप में प्रस्तुत करे।
- इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पार्टी बारह दिन की एक साथ चार बड़ी-बड़ी रैलियाँ 18 सितम्बर से आयोजित कर रही है। जिनका भव्य समापन जालंधर में होगा तथा अमित शाह इस समापन समारोह को संबोधित करेंगे।
- बाकी तो सब ठीक है, पर, भाजपा को सिख बाहुल्य ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ क्षेत्रीय व ग्रामीण आइडैन्टिटी (पहचान) ज्यादा मायने रखती है, वहाँ भाजपा को संगठन के ढांचे की कमी खल रही है।

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। गैर-जाट, दलित और शहरी मतदाताओं को एकजुट करके खुद को एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित करने की कोशिश में भाजपा ने 18 सितंबर से 12 दिनों की चारतरफा यात्राएं शुरू करने का फैसला किया है।

चारों यात्राएं एक साथ ऐसे स्थानों से शुरू होंगी, जिन्हें सिख धर्म में महत्व, सैन्य इतिहास और भाजपा की विचारधारा को ध्यान में रखते हुए सोच समझकर चुना गया है। इनमें तलवंडी साबो (तख्त दमदमा साहिब), फतेहगढ़ साहिब (जो गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों से जुड़ा है), फाजिल्का में वीर भूमि स्मारक (1971 के युद्ध से जुड़ा) और पठानकोट/लखनपुर के पास श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मारक शामिल हैं।

ये यात्राएं, जो नशा मुक्ति और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर केन्द्रित होंगी, राज्य के विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने वाले मार्गों से गुजरेंगी और अंत में एक बड़े कार्यक्रम (संभवतः जालंधर में एक बड़ी रैली) के लिए एक जगह जुटेंगी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन इन यात्राओं के मुख्य आकर्षण होंगे। नबीन द्वारा कुछ प्रमुख हिस्सों, जिनमें पठानकोट से शुरू होने वाली यात्रा भी शामिल है, को हरी झंडी दिखाने और शाह द्वारा समापन कार्यक्रम को संबोधित किये जाने की उम्मीद है। भाजपा के एक दर्जन से अधिक वरिष्ठ राज्य और केन्द्रीय स्तर के नेताओं के इन मार्गों पर रोड शो, जनसभाओं और बाइक रैलियों में शामिल होने की उम्मीद है।

भाजपा की रणनीति के अन्य पहलुओं में दलित/रविदासिया समुदाय से जुड़ाव भी शामिल है। इसमें गुरु रविदास के जन्म-स्थान की पवित्र मिट्टी वाले कलश लेकर यात्राएं निकालना, सिख सांस्कृतिक प्रतीकों का इस्तेमाल, किसानों के मुद्दे, हरियाणा की तर्ज पर एमएसपी की गारंटी, उद्योगों को दोबारा मजबूत करना, सीमावर्ती क्षेत्रों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''प्रोफेसर'' में डबल एफ लगाना भारी पड़ा भारत रत्न को

पुरानी मतसूची (इलैक्ट्रोल रोल) में प्रोफेसर सी.एन.आर. राव की उपाधि में प्रोफेसर में एक एफ का उपयोग तथा नई सूची में प्रोफेसर में दो एफ लिखा गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इसे ''एस.आई.आर.'' ने सही नहीं, बल्कि विवादित माना और नोटिस देने की तैयारी की।

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। प्रो. सीएनआर राव, जिन्होंने रसायन विज्ञान के कुछ सबसे जटिल क्षेत्रों में काम करके, नई समझ के रास्ते खोले हैं, को कर्नाटक में मतदाता सूची को ठीक करने की प्रक्रिया, स्पैशल इंटैसिव रिविज़न (एसआईआर) के तहत नाम में असमानता को लेकर नोटिस दिया गया है।

पुरानी मतदाता सूचियों में उनका नाम प्रौफ. सी.एन.आर. राव है, जबकि नई लिस्ट में यह प्रौफ. सी.एन.आर. राव के रूप में दर्ज है, जिसमें प्रौफ. शब्द में एक अतिरिक्त 'एफ' जुड़ा हुआ है।

हालांकि, राव के कार्यालय के एक प्रतिनिधि ने कहा कि उन्हें अभी तक कोई नोटिस नहीं मिला है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) का जिक्र करते हुए प्रतिनिधि ने कहा, ''ऐसा लगता है कि इसे ईसीआई की वेबसाइट पर ऑनलाइन डाला गया है। मुझे इस बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है, मैंने इसे नहीं देखा है।''

प्रतिनिधि ने कहा कि प्रौफ. शब्द में एक अतिरिक्त अक्षर (एफ) के अलावा कोई और समस्या नहीं है। कार्यालय के रिकॉर्ड और ईमेल के अनुसार, अभी तक कोई नोटिस नहीं है। कोई भौतिक पत्र भी हमारे पास नहीं पहुंचा है।''

समाचार एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, इस मामले को सुलझाने के लिए उन्हें बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के पास, एक सुनवाई के लिए उपस्थित होने को कहा गया है।

राव को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ''भारत रत्न'' से सम्मानित किया जा चुका है।

जल जीवन मिशन में पूर्व अधिशाषी अभियंता को जमानत नहीं मिली

- एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने प्रकरण को गंभीर प्रकृति का मानते हुए आरोपी को जमानत का लाभ नहीं दिया।

जयपुर 9 सितंबर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 ने जल जीवन मिशन से जुड़े एसीबी केस में पीएचईडी के शाहपुरा खंड के तत्कालीन अधिशाषी अभियंता विशाल सक्सेना को जमानत देने से इनकार कर दिया है। पीठासीन अधिकारी राजेश कुमार दडिया ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में अन्य लोगों के खिलाफ अनुसंधान लंबित चल रहा है। प्रकरण सरकारी टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता से जुडा हुआ गंभीर प्रकृति का है। ऐसे में मामले में इस स्तर पर आरोपी को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि वह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब सभी ''पेइंग गेस्ट'' रखने वालों के लिए लाइसैंस लेना अनिवार्य हुआ

सत्य निकेतन बिल्डिंग के स्वतः ही ध्वस्त हो जाने के बाद, दिल्ली सरकार यह नई व्यवस्था लागू करेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- जो लोग अभी ऐसे पेइंग गेस्ट आवास की सुविधा चला रहे हैं, उन्हें तीन माह का समय दिया जा रहा है, लाइसैंस प्राप्त करने के लिए।

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के बाद छात्रों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं, जिनके चलते दिल्ली सरकार पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासों के लिए कड़े नियम बनाने का प्रस्ताव कर रही है।

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत, सभी पीजी के लिए लाइसेंस अनिवार्य होगा, इसे हासिल करने के लिए तीन महीने की समय-सीमा होगी, सिक्यूरिटी डिपॉज़िट के तौर पर तीन महीने के किराए से अधिक रकम नहीं ली जा सकेगी, अलग-अलग इलाकों के हिसाब से किराए की सीमा तय होगी और 12 से अधिक छात्रों को रखने वाले पीजी में रात के समय सुरक्षा गार्ड रखना अनिवार्य होगा।

मुख्य सवाल यह है कि क्या ये नियम दिल्ली के छात्रों के लिए वास्तविक जवाबदेही और सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएंगे।

दिल्ली के सत्य निकेतन में जिस इमारत के गिरने की घटना हुई थी, उसके बगल की इमारत को गिराने का काम शुरू हो गया है। एमसीडी और नगर निकाय के अधिकारी चरणबद्ध तरीके से इस तोड़फोड़ की निगरानी कर रहे हैं और टीमें इमारत को एक-एक मंजिल करके गिरा रही हैं।

नई दिल्ली में सत्य निकेतन में हुए जानलेवा हादसे वाली जगह से लगी इमारत को गिराने का काम 9 सितम्बर को फिर शुरू किया गया। छः सितंबर को सत्य निकेतन हॉस्टल की इमारत गिरने के बाद बगल वाली इमारत को ''खतरनाक'' घोषित किया गया था। इस जानलेवा घटना के बाद एहतियाती कदम के तौर पर अधिकारियों ने इमारत को गिराने का काम अब फिर शुरू कर दिया है।

सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना ने राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न आवासीय सुविधाओं में रहने वाले छात्रों की रहने की स्थिति तथा भवन-सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के कुछ दिनों बाद, बुधवार को दिल्ली नगर निगम ने पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर और पांडव नगर में अवैध इमारतों के खिलाफ तोड़फोड़ अभियान शुरू किया। यह कार्रवाई मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता के उस निर्देश के बाद की गई, जिसमें अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोज़र का इस्तेमाल करने को कहा गया था।

हालांकि, इस कार्रवाई पर स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि कार्रवाई चयनात्मक तरीके से की जा रही है। उनका कहना है कि इलाके में इसी तरह की कई मंजिला इमारतें अब भी संचालित हैं, लेकिन उनके खिलाफ ऐसी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के अंतिम परिणाम पर रोक लगाई

- हाई कोर्ट ने प्रमुख शिक्षा सचिव और आरपीएस सचिव से जवाब तलब किया।

जयपुर 9 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कॉलेज शिक्षा के असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2025 में विवादित प्रश्नों से जुड़े मामले में अंतिम परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में प्रमुख उच्च शिक्षा सचिव और आरपीएससी सचिव से जवाब तलब किया है। अदालत ने कहा है कि आयोग भर्ती प्रक्रिया जारी रख सकता है, लेकिन अंतिम परिणाम जारी नहीं किया जाए। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने ये आदेश संजय आशिया की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूरे वंदे मातरम् के गायन का आदर किया फारुख अब्दुल्ला व उनके पुत्र ने

कांग्रेस ने इस पर आपत्ति जताई, तो उनकी पार्टी ने कड़क उत्तर दिया, आप हम पर लाद नहीं सकते, हम क्या गाएं और कितना गाएं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- दूसरी ओर कपिल सिब्बल ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी की कि फारुख व उमर अब्दुल्ला इंडिया गठबंधन के हिस्सा हैं। अतः उन दोनों को कांग्रेस के निर्णय का सम्मान करना चाहिए और नागपुर (संघ परिवार) के निर्णय के आगे नहीं झुकना चाहिए।
- भाजपा की राज्यसभा सदस्य आर.एस. पठानिया ने टिप्पणी की, कश्मीर घाटी के अलगाववादी भी जिस पर आपत्ति नहीं कर रहे, उस पर कांग्रेस के ''स्टैण्ड'' (सोच) ने दर्शा दिया कि ''कांग्रेस मुस्लिम लीग'' कांग्रेस हो गई है तथा उसने रूढ़ीवादी ताकतों के आगे आत्म समर्पण कर दिया है।

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। श्रीनगर में एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की मौजूदगी में पूरे ''वंदे मातरम्'' को गाए जाने पर कांग्रेस की आपत्ति ने एक बड़े राजनीतिक विवाद का रुप ले लिया है।

जहाँ सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस से कहा है कि वह गठबंधन के सहयोगियों पर अपनी शर्तें नहीं थोप सकती, वहीं, भाजपा ने कांग्रेस पर ''मुस्लिम लीग'' जैसा हो जाने का आरोप लगाया है।

यह राजनीतिक विवाद सोमवार को जम्मू-कश्मीर के अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में राष्ट्रगीत का पूरा संस्करण बजाए जाने पर कांग्रेस की आपत्ति के बाद शुरू हुआ।

कार्यक्रम में गाए गए गीत के पूरे संस्करण का वीडियो साझा करते हुए कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस से कहा कि वह गीत के संक्षिप्त संस्करण पर कायम रहने में कांग्रेस का साथ दे।

उन्होंने एक्स पर लिखा, ''पूरा ''वंदे मातरम्'' उस मिली जुली और विविधतापूर्ण सोच के साथ मेल नहीं खाता, जिसकी हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत के लिए कल्पना की थी और जिसे उन्होंने संवारा था।'' उन्होंने आगे कहा, ''हमारे लिए महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस, राजेन्द्र प्रसाद, आचार्य नरेन्द्र देव, मौलाना आजाद, सरोजिनी नायडू और जेबी कृपलानी की सोच, जिसे काफी हद तक गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की सलाह ने आकार दिया था, सबसे महत्वपूर्ण है।''

कांग्रेस नेता ने अपने सहयोगियों से आग्रह किया कि वे स्वतंत्रता सेनानियों की समझ और फैसले का सम्मान करें, और इस ''सुंदर और ऐतिहासिक गीत'' के केवल उसी संस्करण को गाने में पार्टी का साथ दें, जिसे उसने अपनाया था।

इस बात पर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि कांग्रेस अपने सहयोगियों पर शर्तें नहीं थोप सकती।

एनसी नेता बशीर अहमद ने कहा, ''गठबंधन सहयोगी होने के नाते आप यह तय नहीं कर सकते कि गीत गाया जाए या कितना गाया जाए। वेणुगोपाल को ट्वीट करने का अधिकार है, लेकिन वे इसे थोप नहीं सकते। यह जनता की पसंद है। हम लोगों पर कुछ भी थोपने के खिलाफ हैं।''

कांग्रेस ने गठबंधन सहयोगी पर अपना हमला और तेज करते हुए कहा कि उसे नागपुर (यानी आरएसएस) के निर्देश के आगे नहीं झुकना चाहिए। कांग्रेस नेता कपिल सिंह ने कहा, ''उमर अब्दुल्ला और फारूक अब्दुल्ला इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। गठबंधन सहयोगी होने के नाते उन्हें कांग्रेस के फैसले का सम्मान करना चाहिए, न कि नागपुर (आरएसएस) के फैसले का।''

इस बीच, भाजपा ने पूरे वंदे मातरम्

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्री महावीर जी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

- बरसों से चल रहे श्वेताम्बर और दिगम्बर संप्रदाय के विवाद पर जस्टिस पारदीवाला ने भावुक टिप्पणी की।

नई दिल्ली, 09 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान के करौली स्थिति श्री महावीर जी मंदिर के प्रबंधन और अधिकारों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखने का आदेश दिया।

कोर्ट ने श्वेतांबर और दिगंबर दोनों पक्षों को अगले आठ दिनों के अंदर अपनी-अपनी लिखित दलीलें जमा करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों से कहा कि आप उस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका चुनाव में मतदाताओं ने दिखाया जबरदस्त उत्साह

लोकतंत्र के महापर्व में उमड़ा उत्साह, हर आयुवर्ग के लागों ने पहुंचकर मतदान किया।

पावटा(निसं)। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में नगरपालिका चुनाव 2026 के लिए बुधवार को मतदान लोकतांत्रिक उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। सुबह मतदान शुरू होते ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें नजर आने लगीं। युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के 45 वार्डों में 243 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। ऐसे में मतदाताओं का प्रत्येक वोट प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला रहा। मतदान के दौरान पूरे नगरपालिका क्षेत्र में चुनावी उत्साह देखने को मिला तथा दिन बढ़ने के साथ मतदान प्रतिशत में भी लगातार इजाफा होता गया। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में सुबह 10 बजे तक 30.45 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 54.78 प्रतिशत तथा शाम 6 बजे तक 82.75 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। बड़ी संख्या में मतदाताओं के मतदान केंद्रों तक पहुंचने से पूरे क्षेत्र में लोकतंत्र के महापर्व का उत्साह नजर आया। इस चुनाव की सबसे प्रेरणादायक तस्वीर उन बुजुर्ग मतदाताओं ने पेश की, जिन्होंने उम्र की परवाह किए बिना मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 90 से लेकर 100 वर्ष तक की उम्र के बुजुर्ग मतदाता भी मतदान केंद्रों पर पहुंचे। बुजुर्गों के इस जज्बे ने न केवल लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था को दर्शाया, बल्कि युवा पीढ़ी को भी मतदान के लिए प्रेरित करने वाला संदेश दिया। बुजुर्ग मतदाताओं ने यह साबित कर दिया कि लोकतंत्र में हर वोट की अपनी अहमियत है और उम्र मतदान के अधिकार के रास्ते में बाधा नहीं बन सकती। मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों के पहुंचने की तस्वीरें लोगों के बीच चर्चा का विषय भी बनी रहीं। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से लगातार मॉनिटरिंग की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पणा गुप्ता ने पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

■ शाम 6 बजे तक 82.75 प्रतिशत मतदान

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा, मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान दलों की कार्यप्रणाली तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं मतदान कार्मिकों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मतदान प्रक्रिया को सुचारू एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर मौजूद व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो तथा सभी पात्र मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। मतदान के दौरान पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। मतदान केंद्रों पर पुलिस जवान तैनात रहे और प्रशासनिक अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे। संवेदनशील क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई।

चौमूं नगर परिषद के 45 वार्डों में 87.98 प्रतिशत मतदान

जिला कलैक्टर संदेश नायक ने निरीक्षण कर पोलिंग बूथ में जाकर के कर्मचारियों से चर्चा की।

चौमूं / कालाडेरा(निसं)। चौमूं नगर परिषद व कालाडेरा नगर पालिका के वार्डों के चुनाव के लिए बुधवार सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हो गई। चौमूं नगर परिषद के 45 वार्डों व कालाडेरा नगर पालिका के 20 वार्डों में पार्षद चुनने के लिए मतदाता सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चौमूं नगर परिषद के चुनाव में

■ कालाडेरा नगर पालिका के 20 वार्डों 89.91 प्रतिशत मतदान हुआ

शाम 6 बजे तक 53182 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया जिसका 87.98 प्रतिशत मतदान रहा। वहीं कालाडेरा नगर पालिका के चुनाव में शाम 6 बजे तक 9597 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया जिसका 89.91 प्रतिशत मतदान रहा। चौमूं रिटर्निंग ऑफिसर अजीत सिंह राठौड़ व तहसीलदार डॉ. विजयपाल बिश्नोई इलाके में लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर चौमूं थानाधिकारी गुरु भूपेन्द्र सिंह से भी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। वहीं कालाडेरा नगर पालिका के रिटर्निंग अधिकारी मुक्ता राव सहायक कलेक्टर चौमूं, गोविन्दगढ नायब तहसीलदार नीतू शर्मा लगातार सभी पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर रहे थे। वहीं कालाडेरा थानाधिकारी पूजा पूनियां व सामोद थानाधिकारी हेमराज सिंह गुर्जर सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर मुस्तैद थे।

वहीं जयपुर जिला कलेक्टर संदेश नायक ने चौमूं नगर परिषद के वार्डों व कालाडेरा नगर पालिका के वार्डों का निरीक्षण किया और पोलिंग बूथ में जाकर पोलिंग पार्टी के कर्मचारियों से चर्चा की साथ ही कालाडेरा नगर पालिका के नये मतदाताओं के लिए एक नया प्रयोग किया गया कालाडेरा के दो मतदान बूथों पर आदर्श मतदान बूथ बनाए गए इन बूथों को गुब्बारे लगाकर सजाया गया साथ ही सेल्फी पोइट बनाया गया। नयें मतदाताओं के उत्साहवर्धन के लिए स्लोगन लिखे हुए कटआउट आकर्षण के केन्द्र रहें।

सार-समाचार

कृषि अधिकारी ने खाद-बीज दुकानों का निरीक्षण किया

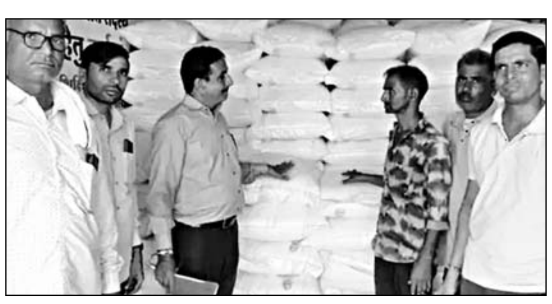

टोंक(निसं)। निवाई में संयुक्त निदेशक कृषि विभाग के निर्देशन में गुणवत्ता नियंत्रण के तहत कृषि अधिकारी कजोड़मल गुर्जर ने खाद-बीज की दुकानों का निरीक्षण किया। इसका उद्देश्य किसानों को अच्छी क्वालिटी का खाद और बीज उपलब्ध कराना है। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक रामलाल जाट के निर्देश पर खाद-बीज की दुकानों पर पॉश मशीन और मौके पर मौजूद खाद का फिजिकल वेरिफिकेशन किया गया। कृषि अधिकारी कजोड़मल गुर्जर ने बताया कि इस दौरान अवैध स्टॉक, तय रेट से ज्यादा दाम लेने या किसी भी तरह की कालाबाजारी करने वाले कृषि सामान बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि कृषि सामान खरीदते समय पक्का बिल जरूर लें। अगर कोई दुकानदार पक्का बिल देने से मना करता है, तो इसकी सूचना संबंधित कृषि पर्यवेक्षक या सहायक कृषि अधिकारी को दें, ऐसे विक्रेताओं के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

पावटा में गणेश चतुर्थी महोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू

पावटा(निसं)। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर पावटा स्थित गणेश मंदिर में मंदिर महंत रामचंद्र शर्मा के सान्निध्य व विनायक कमेटी की ओर से गणेश चतुर्थी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। आयोजन के तहत विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत 13 सितंबर रविवार को सुबह 7:30 बजे से 10 बजे तक मेहंदी रस्म के साथ होगी। इसके बाद सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक पंचामृत अभिषेक एवं विशेष पूजन किया जाएगा। वहीं दोपहर 3 बजे से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। महोत्सव के अंतिम दिन 14 सितंबर सोमवार को शाम 6:30 बजे से भव्य आकर्षक झांकी एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन एवं धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने का आ ान किया है। विनायक कमेटी, गणेश मंदिर पावटा की ओर से आयोजित इस महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाने की तैयारियां भी की जा रही हैं। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित पहुंचकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेने की अपील की है।

छात्रावास में अचानक छात्र की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

टोंक(निसं)। कोतवाली थाना क्षैत्र स्थित एक छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे 14 वर्षीय छात्र की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। थानाधिकारी भंवरलाल वैष्णव ने बताया कि आवां रोड, दूनी निवासी अशफाक (उम्र 14) पुत्र शाहरुख खां यहां स्टेडियम के पास स्थित अल्पसंख्यक छात्रावास में रहकर सातवीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा था। सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे सआदत अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने परिजनों को बुलाया, उनकी सहमति से शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले में जांच कर रही है। थानाधिकारी के अनुसार अशफाक करीब एक साल से छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहा था, मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

पहले मतदान फिर जलपान के संकल्प को साकार किया

मनोहरपुर (निसं)। लाडाकाबास वार्ड नंबर 14 में पहले मतदान फिर जलपान की मिसाल पेश की गई। पूर्व छात्रसंघ महासचिव रिक्की शर्मा के परिवारजनों ने सुबह सबसे पहले मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया और उसके बाद ही जलपान किया। रिक्की शर्मा ने बताया कि मतदान हर नागरिक का सबसे बड़ा अधिकार और कर्तव्य है। एक-एक वोट से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। इसलिए उन्होंने अपने पूरे परिवार के साथ संकल्प लिया था कि पहले वोट डालेंगे फिर ही कुछ खाएंगे पिएंगे। इस अवसर पर महासचिव रिक्की शर्मा ने आम जन से भी अपील की कि वे अपने घरों से निकलें और अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

द्वितीय चरण मतदान के लिए आज होंगें मतदान दल रवाना

टोंक (निसं)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत द्वितीय चरण का मतदान शुक्रवार, 11 सितम्बर को होगा। टोंक नगर परिषद् एवं 4 नगरपालिका मालपुरा, डिग्गी, लांबाहरिसिंह एवं टोडारायसिंह में 11 सितम्बर को प्रात: 7 बजे से सांय 6 बजे तक होने वाले मतदान के लिए मतदान दलों की गुरुवार को अंतिम प्रशिक्षण के बाद निर्धारित स्थलों से रवानगी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) टीना डाबी ने बताया की नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के द्वितीय चरण के मतदान को लेकर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान दलों की रवानगी के दौरान प्रशिक्षण, चुनाव सामग्री वितरण, वाहन व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं, ताकि 11 सितम्बर को होने वाला द्वितीय चरण का मतदान निष्पक्ष, स्वतंत्र, सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हो सके।

खैरथल में शांतिपूर्ण 45 वार्डों में 85.38 फीसदी रिकॉर्ड मतदान

जिला कलेक्टर सहित पुलिस प्रशासन टीम दिनभर सुरक्षा एवं व्यवस्था में चाक चौबंद रही।

खैरथल(निसं)। खैरथल नगर परिषद के 45 वार्डों में बुधवार को लोकतंत्र का महापर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। शहर की जनता ने विकास की सरकार चुनने के लिए रिकॉर्ड तोड़ मतदान किया। शाम 6 बजे तक कुल85.38 प्रतिशतमतदान दर्ज किया गया। सुबह

■ ईवीएम में कैद हुई प्रत्याशियों की किस्मत, निर्दलीय बन सकते हैं किंगमेकर

से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लग गईं। महिलाओं, बुजुर्गों और पहली बार वोट डाल रहे युवाओं में वोट डालने को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिला। मतदान का प्रतिशत हर घंटे तेजी से बढ़ता गया जो मतदाताओं के उत्साह को दर्शाता है।सुबह 10:00 बजे तक - 24.37 , दोपहर 1:00 बजे तक - 53.14 दोपहर 3:00 बजे तक - 70.36 और शाम 6:00 बजे तक - 85.38 मतदान रिकॉर्ड किया गया।

शाम 6 बजे के बाद भी जो मतदाता कतार में लगे थे, उन्हें भी मतदान का मौका दिया गया। मतदान समाप्त होने के बाद सभी 45 वार्डों के प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम मशीन में सुरक्षित बंद कर दिया गया है।मतदान केंद्र के बाहर खड़े लोग प्रत्याशियों की हार जीत का गणित लगाते मशगूल नजर आए। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि खैरथल में सरकार कौन बनाएगा? शुरुआती रुझानों और जमीनी चर्चा के अनुसार किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिलना मुश्किल लग रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही जीत के दावे कर रही हैं, लेकिन 45 वार्डों में बड़ी संख्या में मजबूत निर्दलीय प्रत्याशियों ने दोनों दलों का गणित बिगाड़ दिया है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि सभापति की कुर्सी तय करने में निर्दलीय ही किंगमेकर की भूमिका निभाएंगे।

चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह चाक-चौबंद रहा। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश, एडीएम शिवपाल जाट, एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव, सहित पुलिस अधिकारियों की टीम दिनभर सभी मतदान केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर बनाए रखी। प्रशासन की मुस्तैदी से कहीं भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली

द्वितीय चरण का मतदान 11 सितम्बर को

अलवर(निसं)। नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के अंतर्गत जिले में द्वितीय चरण के तहत 11 सितम्बर शुक्रवार को प्रात: 7 बजे से सांय 6 बजे तक नगर पालिका कठूमर, खेरली, थानागाजी, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़, गोविन्दगढ़-रामबास एवं बडौदामेव के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान होगा। इस हेतु संबंधित नगरीय निकाय मुख्यालय से 10 सितम्बर को प्रात: 9 बजे से मतदान हेतु मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण के पश्चात रवाना किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरीय निकाय) डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि नगरीय निकाय चुनाव के द्वितीय चरण के तहत जिले की 7 नगर पालिका क्षेत्रों के 183 वार्डों के लिए 11 सितम्बर 2026 को प्रात: 7 बजे से सांय 6 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने बताया कि जिले की 7 नगर पालिका निर्वाचन क्षेत्र के लिए 1 लाख 14 हजार 792 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिसमें नगर पालिका कठूमर के 10312, खेरली के 15803 मतदाता, थानागाजी के 17123, राजगढ़ के 31702 मतदाता, लक्ष्मणगढ के 14236 मतदाता, गोविन्दगढ-रामबास के 14227 मतदाता एवं बडौदामेव के 11389 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

अलवर में मुख्यमंत्री ने बांधा मन्नत का नारियल

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अलवर स्तिथ श्री जग्गनाथ के मंदिर में मन्नत का नारियल बांधा। यह जानकारी देते हुए मंदिर महंत पुष्पेंद्र ने बताया कि पूर्व में भी मुख्यमंत्री ने राज्य की खुशहाली के लिए पूजा अर्चना की जिसके पूर्ण होने पर पुन: दर्शन कर कामना की।

मालपुरा में अन्नपूर्णा रसोइयों का निरीक्षण कर नमूने लिये

टोंक(निसं)। खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में चलाए जा रहे कमोडिटी वाइज विशेष अभियान के तहत जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं मिलावट की रोकथाम के लिए लगातार निरीक्षण एवं नमूना संग्रह की कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा टीम ने मालपुरा कस्बे में संचालित विभिन्न अन्नपूर्णा रसोइयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बेरवा धर्मशाला, मालपुरा स्थित अन्नपूर्णा रसोई से गेहूं के आटे का नमूना लिया गया। इसी प्रकार जिला स्तरीय अस्पताल परिसर स्थित अन्नपूर्णा रसोई से आयोडाइज्ड नमक (फॉर्चून प्लस) का नमूना लिया गया। दोनों नमूनों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों की जांच के लिए प्रयोगशाला में भिजवाया जाएगा। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। अन्नपूर्णा रसोइयों सहित जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की निगरानी लगातार जारी रहेगी।

श्री भोमियां बाबा का वार्षिक भंडारा आज

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम भैंसलाना स्थित श्री श्री 1008 श्री भोमिया बाबा मंदिर में गुरूवार 10 सितंबर को भाद्रपद कृष्ण चतुर्दशी के अवसर पर 17 वें वार्षिक भंडारे का आयोजन किया जायेगा। इस धार्मिक उत्सव को लेकर ग्रामीणों और आयोजन समिति में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

आयोजन समिति के सदस्यों न जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार 10 सितंबर को दोपहर 12.15 बजे से विशाल भंडारा प्रसादी का शुभारंभ होगा, जो प्रभु इच्छा तक निरंतर जारी रहेगा। महाप्रसादी के साथ-साथ मंदिर परिसर में बाबा की महिमा का गुणगान करने के लिए भव्य जागरण का भी आयोजन किया गया है,जिसमें स्थानीय और बाहरी भजन गायकों द्वारा बाबा के भजनों की प्रस्तुतियां दी जायेगी।

चुनावी मैदान में आमने-सामने महिला उम्मीदवारों की अनोखी झलक

राजनीतिक विचारधाराओं से अलग सामाजिक मेलजोल का संदेश देती नजर आई महिला उम्मीदवार।

सांभरझील, (निसं)। यहां नगरपालिका के सभी 25 वार्डों में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न होने पर पार्टी उम्मीदवारों सहित सभी ने राहत की सांस ली। सुबह 7 बजे से ही शुरू हुआ मतदान धीरे-धीरे दोपहर बाद परवान चढ़ता चला गया। उम्मीदवारों ने निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार मतदान स्थल से निश्चित दूरी पर अपनी टेबलें लगाई। अपने-अपने समर्थकों के साथ मतदान करने जाने वालों को उनके नाम की पर्चियां उपलब्ध करवाई। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपना चाय नाश्ता भी टेबल पर ही किया। लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया। सभी मतदान केदो पर सुरक्षाकर्मियों ने अपनी ड्यूटी निभाई। सांभर से बाहर रहने काफी तादाद में लोग अपना मतदान करने के लिए जयपुर, अजमेर से भी यहां पहुंचे तथा संबंधित वार्ड के मतदान केंद्र जाकर अपना मतदान कर वापस अपने घरों की और लोटे। मतदान के लिए प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों से मान मनुहार करते नजर आए। राजनीति में एक दूसरे के ध्रुव विरोधी समझे जाने वाले उम्मीदवारों का एक अनोखा नजारा भी यहां देखने को मिला।

फुलेरा नगर पालिका चुनाव में 81.39 फीसदी मतदान

नगरपालिका चुनाव में मतदान के बाद पूर्व विधायक निर्मल कुमावत।

फुलेरा(निसं)। फुलेरा नगर पालिका के पार्षद पद के लिए बुधवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी अभिषेक सिंह के अनुसार नगर पालिका क्षेत्र में कुल 19,093 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 15,540 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

इस तरह कुल 81.39 प्रतिशत मतदान हुआ। वार्डवार मतदान में सर्वाधिक 1,051 मत वार्ड संख्या 23 में डाले गए, जबकि सबसे कम मतदान वार्ड संख्या 12 में हुआ। प्रतिशत के लिहाज से वार्ड संख्या 3 में सर्वाधिक 90.07 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम मतदान वार्ड संख्या 21 में होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, प्रतिशत संबंधी आंकड़ों की प्रशासनिक स्तर पर पुन: पुष्टि की जा सकती है।

मतदान सम्पन्न होने के साथ ही नगर पालिका के 25 वार्डों से पार्षद पद के लिए चुनाव मैदान में उतरे 77 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया है। अब किस प्रत्याशी के सिर

■ शांतिपूर्ण मतदान के बाद 25 वार्डों के 77 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद

जीत का ताज सजेगा और नगर पालिका की कमान किसके हाथों में जाएगी, इसका फैसला 14 सितम्बर को होने वाली मतगणना के बाद होगा। शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सम्पन्न होने पर उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल, चुनाव अधिकारी अभिषेक सिंह एवं फुलेरा थानाधिकारी हीरा लाल सैनी ने राहत की सांस ली। अधिकारियों ने मतदान प्रक्रिया में सहयोग के लिए सभी मतदाताओं एवं चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों का आभार व्यक्त किया। ईवीएम 1 घंटे बाद हुई शुरू: फुलेरा नगरपालिका चुनाव के दौरान वार्ड नं 25 की ईवीएम खराबी के चलते लगभग एक घंटे देरी से मतदान शुरू हो सका। जिसको लेकर वार्ड प्रत्याशी व मतदाताओं को परेशान होना पड़ा हालांकि बाद में मतदान सुचारू रूप से चला।

कोटपुतली में हर वर्ग ने दिखाया लोकतंत्र के प्रति जज्बा, कलैक्टर व टीम रही मुस्तैद

जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पणा गुप्ता ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कोटपूतली(निसं)। नगरीय निकाय चुनाव 2026 के प्रथम चरण के तहत बुधवार को नगर परिषद कोटपूतली, नगर पालिका विराटनगर, नगर पालिका नारायणपुर, नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा एवं नगर पालिका बानसूर में मतदान हुआ। लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं और दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था और जिम्मेदारी का परिचय दिया।

उम्र की सीमा और शारीरिक कठिनाइयों को पीछे छोड़ते हुए बुजुर्ग मतदाता मतदान केंद्रों तक पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उनका उत्साह अन्य मतदाताओं के लिए भी प्रेरणादायी रहा। बुजुर्ग मतदाताओं ने अपने मतदान के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय सहभागिता का संदेश दिया।

मतदान केंद्रों पर महिलाओं और युवाओं की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। बड़ी संख्या में महिला एवं युवा मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। युवाओं ने लोकतंत्र में अपनी भूमिका को समझते हुए मतदान के माध्यम से जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दिया, वहीं महिलाओं ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की।

दिव्यांग मतदाताओं ने भी शारीरिक चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए पूरे उत्साह के साथ मतदान किया। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग मतदाताओं के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गईं, ताकि उन्हें मतदान में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। व्हीलचेयर, रैंप एवं अन्य आवश्यक सहायता के माध्यम से उन्हें सुगम मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई गई। दिव्यांग मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर न केवल अपनी जिम्मेदारी निभाई, बल्कि अपने हौसले से अन्य नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया।

■ बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं और दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था और जिम्मेदारी का परिचय दिया

उनका उत्साह यह संदेश देता नजर आया कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत महत्वपूर्ण है और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाती है। नगरीय निकाय चुनाव के दौरान बुजुर्ग, महिलाएं, युवा और दिव्यांग सहित सभी वर्गों की सहभागिता ने लोकतंत्र के प्रति नागरिकों के विश्वास और जागरूकता को प्रदर्शित किया। मतदान केंद्रों पर दिखाई दिया यह उत्साह लोकतंत्र के पर्व में जनभागीदारी की मजबूत तस्वीर पेश करता नजर आया।

जयपुर की 18 निकायों में 87.06 प्रतिशत मतदान

निकाय चुनाव में युवाओं से लेकर वृद्धजनों ने दिखाई वोट की ताकत, कलेक्टर ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के तहत बुधवार को जयपुर जिले के 18 नगर निकायों में मतदान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुआ। मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह नजर आया। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के साथ वरिष्ठ नागरिक भी बड़ी संख्या में मतदान केन्द्रों पर पहुंचे और लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी निभाई।

जयपुर जिले में अंतिम रूप से 87.06 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की कतारें देखने को मिलीं। मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ता रहा। सुबह 10 बजे तक 29.47 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 58.29 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 72.66 प्रतिशत तथा मतदान समाप्ति तक 87.06 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने स्वयं विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने शाहपुरा, चौमूं और खेजरोली नगर निकाय क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, मतदाताओं की सुविधाओं और निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा निर्वाचन कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए पेयजल, बैठने सहित आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी पर्याप्त पुलिस एवं सुरक्षा बल तैनात रहे। जिले के विभिन्न निकाय क्षेत्रों में बड़ी संख्या में युवा पहली बार मतदान के लिए पहुंचे, उनका जोश देखते ही बन रहा था।

नगर निकाय चुनावों के प्रथम चरण में जयपुर जिले की 18 निकायों में बुधवार को मतदान में युवाओं से लेकर वृद्धजनों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने भी जिले के कई मतदान केन्द्रों पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। फोटो-राष्ट्रदूत

13 से 25 सितंबर तक जयपुर में विजयी जुलूस नहीं निकलेंगे

नगरीय निकाय चुनावों के दौरान जयपुर शहर में धारा-163 लागू की गई

जयपुर (कासं)। नगरीय निकाय चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने तथा कानून-व्यवस्था और लोक शांति बनाए रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में विजय जुलूस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट राजीव पचार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की है।

इस आदेश के अनुसार 13 सितंबर से 25 सितंबर तक जयपुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में निकाय चुनाव में विजयी होने वाले प्रत्याशी, निर्वाचित सदस्य, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या उनके समर्थक सार्वजनिक स्थानों पर विजय जुलूस नहीं निकाल सकेंगे। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट राजीव पचार ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार प्रथम चरण का मतदान 9 सितंबर और द्वितीय चरण का मतदान 11 सितंबर को होगा। मतगणना 14 सितंबर को होगी। अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन 21 सितंबर तथा उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन 22 सितंबर को कराया जाएगा। चुनाव परिणामों के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह प्रतिबंध लागू किया गया है। वहीं इस आदेश की अवहेलना करने वाले व्यक्ति या समूह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आदेश को परिस्थितियों की संवेदनशीलता को देखते हुए एकपक्षीय रूप से जारी किया है। निषेधाज्ञा की जानकारी आमजन और प्रत्याशियों तक पहुंचाने के लिए पुलिस कमिश्नर कार्यालय, सभी थानों, जिला कलेक्टर एवं निर्वाचन कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर आदेश चस्पा किए जा रहे हैं। साथ ही समाचार पत्रों और अन्य मीडिया माध्यमों से भी इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

निकाय चुनाव : दूसरे चरण का प्रचार थमा, मतदान कल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण का चुनावी प्रचार बुधवार शाम 6 बजे थम गया। इसके साथ ही प्रत्याशी और राजनीतिक दल अब सार्वजनिक रूप से प्रचार नहीं कर सकेंगे। जनसभा, जुलूस, लाउडस्पीकर, रोड शो और खुले तौर पर मतदाताओं से वोट मांगने पर रोक रहेगी। अब चुनावी गतिविधियां मतदान प्रबंधन, बूथ संपर्क और मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने तक सीमित रहेंगी।

दूसरे चरण में 6 नगर निगम, 20 नगर परिषद और 121 नगर पालिकाओं में मतदान होगा। इन निकायों में 11 सितम्बर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि प्रचार समाप्त होने के बाद सार्वजनिक सभा, जुलूस, रोड शो और लाउडस्पीकर जैसी गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। चुनाव कार्यक्रम जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू है। जिला निर्वाचन अधिकारियों को इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

घर-घर जाकर संपर्क की अनुमति

प्रत्याशी मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से घर-घर संपर्क कर सकेंगे, लेकिन इसे सार्वजनिक प्रचार या सभा का रूप नहीं दिया जा सकेगा। सोशल मीडिया पर भी चुनाव प्रचार से संबंधित गतिविधियों में निर्वाचन नियमों और आदर्श आचार संहिता का पालन करना होगा।

■ **अब प्रत्याशी और राजनीतिक दल सार्वजनिक रूप से प्रचार नहीं करेंगे**

मतदान क्षेत्रों में सूखा दिवस

दूसरे चरण के मतदान को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था कड़ी कर दी है। मतदान वाले निकाय क्षेत्रों में सूखा दिवस रहेगा और शराब की बिक्री पर रोक होगी। प्रचार समाप्त होने के बाद बाहरी नेताओं और ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गतिविधियों पर भी नजर रखी जाएगी, जो संबंधित क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं और प्रचार में सक्रिय रहे हैं। इसका उद्देश्य मतदान से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर रोक लगाना है।

54 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे

राज्य निर्वाचन आयुक्त के अनुसार दूसरे चरण में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। करीब 54,533 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती प्रस्तावित है। इनमें आरएसी की 57 कंपनियां तथा त्वरित कार्रवाई दल (क्यूआरटी) जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी के साथ सुरक्षा बल तैनात रहेगा।

रैपिडो-पोर्टर से हो रही थी नशे की ''होम डिलीवरी''

जयपुर द्द्कासं)। राजधानी जयपुर में नशे के सौदागरों ने अब ग्राहकों तक माल पहुंचाने के लिए नया और शातिर तरीका ढूंढ निकाला था। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने मानसरोवर इलाके में एक ऐसे ही हाई-प्रोफाइल नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जो रैपिडो और पोर्टर जैसी ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं के जरिए घरों और पार्टियों तक ड्रग्स पहुंचा रहा था। दूसरी कार्रवाई में ब्यावर में पुलिस ने नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे तस्करों की कार से 248 किलो से अधिक डोडा पोस्त और अफीम का दूध बरामद कियौ।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ को मानसरोवर स्थित सिटी पार्क के पास एक किराए के कमरे में ड्रग्स सप्लाई की पुख्ता सूचना मिली थी। टीम ने दबिश देकर बाड़मेर के धोरीमन्ना निवासी मनीष ढाका (20) और गोपीकृष्ण उर्फ प्रिंस (20) को दबोच लिया। तलाशी के दौरान पुलिस को आरोपियों के कमरे से 439 ग्राम एमडी, 466 ग्राम अफीम, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, जिप लॉक पाउच, ई-कॉमर्स कंपनियों के लेबल वाली पार्सल थैलियां और खाली गत्ते के बॉक्स बरामद हुए। एएनटीएफ पूछताछ में सामने आया है कि मुख्य सप्लायर बाड़मेर से व्हाट्सएप पर डिलीवरी की लोकेशन और मात्रा भेजता था। आरोपी ऑनलाइन कूरियर ऐप के जरिए पार्सल भेजते थे, जिसके बदले उन्हें प्रति राइड 200 रुपए मिलते थे। रात में सेवाएं बंद होने पर वे ड्रग्स को किसी गुप्त स्थान पर छिपाकर उसकी फोटो ग्राहक को भेज देते थे। मुख्य आरोपी मनीष 2023 में बी-फार्मेसी की पढ़ाई के लिए जयपुर आया था, जहां वह लालच में आकर इस धंधे में उतर गया।

ब्यावर सदर थाना क्षेत्र में एएनटीएफ ने एक अन्य बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। चित्तौड़गढ़ से जोधपुर की ओर आ रही एक संदिग्ध कार को मकरेड़ा के पास रोकने का प्रयास किया गया। तस्करों ने भागने की कोशिश की, जिससे उनकी कार रेलवे पुलिया की दीवार से टकराकर रुक गई। जिसके बाद एएनटीएफ ने कार सवार जोधपुर ग्रामीण निवासी लेखाराम उर्फ पीपी विश्नोई (28) और सूर्यप्रकाश उर्फ सुरेश विश्नोई (26) को गिरफ्तार किया गया। कार की पिछली सीट और डिग्गी से 14 कट्टों में भरा 248.140 किलो डोडा पोस्त तथा गियर बॉक्स के पास से 940 ग्राम अफीम का दूध मिला। पुलिस को चकमा देने के लिए कार से दो अतिरिक्त नंबर प्लेट भी जब्त की गईं। फिलहाल एएनटीएफ दोनों मामलों में मुख्य सप्लायर्स और उनके बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंक्स को खंगालने में जुटी है।

3207 गौशालाओं के अनुदान की वित्तीय स्वीकृति

जयपुर। पशुपालन, गौपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार गौवंश संरक्षण एवं संवर्द्धन तथा गौशालाओं के कल्याण के लिए लगातार आवश्यक कदम उठा रही है। गोशालाओं के सुचारू संचालन के लिए विभाग की ओर से निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के तहत अनुदान का भुगतान किया जा रहा है।

कुमावत ने बताया कि सरकार ने दो चरणों में अनुदान राशि में क्रमशः 10 और 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इससे दो वर्षों में गोशालाओं के अनुदान में कुल 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दूसरे चरण में अनुदान के लिए प्रदेश की 3477 गोशालाओं ने आवेदन किया था। इनमें से 1892 गोशालाओं को 555.86 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

मंत्री ने बताया कि 3477 गोशालाओं में से 3418 की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जा चुकी है, जबकि 3207 गोशालाओं की वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। आईएफएमएस पर 3165 गोशालाओं के 938.62 करोड़ रुपए के बिल भुगतान के लिए अग्रेषित किए गए थे। इनमें से 1892 गोशालाओं को राशि का भुगतान हो चुका है और शेष के बिलों का भुगतान प्रक्रियाधीन है।

भयमुक्त मतदान का संदेश लेकर जयपुर की सड़कों पर उतरी पुलिस

जयपुर। आगामी 11 सितंबर को होने वाले निकाय चुनाव को लेकर जयपुर दक्षिण पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करते हुए मानसरोवर सर्किल क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस ने आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करने और असामाजिक तत्वों में भय पैदा करने के उद्देश्य से क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान पुलिस ने लोगों से बिना किसी डर के मतदान करने की अपील की।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने 'आमजन में विश्वास, अपराधियों में डर' के ध्येय वाक्य के अनुरूप शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त चुनाव का संदेश दिया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज के मार्गदर्शन में हुए मार्च में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस जवान शामिल रहे। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू हेमेन्द्र शर्मा तथा मानसरोवर थानाधिकारी सतीश कुमार सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

फ्लैग मार्च के बाद जयपुर दक्षिण जिले के विभिन्न पोलिंग बूथों, संवेदनशील एवं क्रिटिकल बूथों तथा स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने चुनाव ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों, मोबाइल पार्टियों और सुपरविजन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए ब्रीफिंग की।

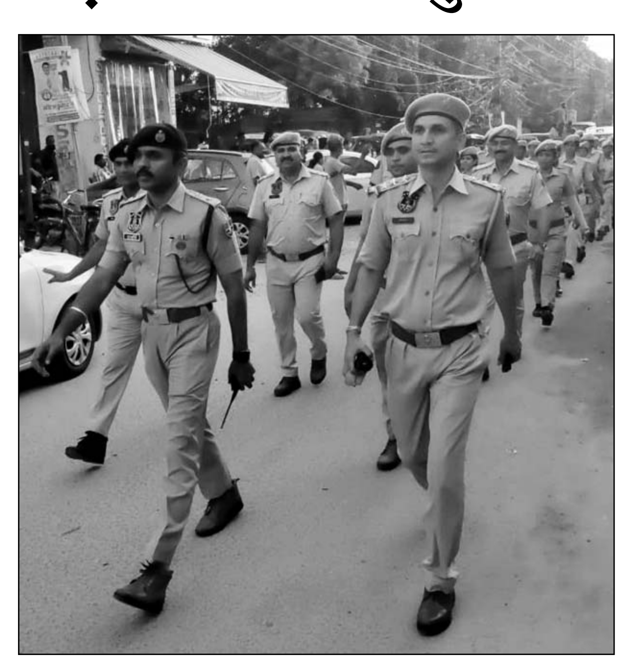

जयपुर दक्षिण पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करते हुए मानसरोवर सर्किल क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला।

डीसीपी जयपुर दक्षिण ने अधिकारियों और जवानों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस ने आमजन से निर्भीक होकर मतदान करने और शांतिपूर्ण चुनाव में सहयोग करने की अपील की।

सार-समाचार

200 बच्चों के नाम रहा कार्यक्रम

जयपुर। उत्कर्ष संस्थान एवं व्यास सेवा संस्थान की ओर से स्व. इंदु व्यास की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद बैनाड़ रोड स्थित वेलकम बालाजी गार्डन में 'एक दिन बच्चों के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें माइलस्टोन विशेष विद्यालय के करीब 125 तथा संस्कृत विद्यालय बायथावाला के करीब 75 बच्चों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में बच्चों के लिए 50 मीटर दौड़, मेंढक दौड़, मानसिक बाधा दौड़, एकाग्रता के लिए सॉफ्टबॉल और म्यूजिकल चेयर सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं कराई गई। विजेता एवं उपविजेता बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर सहित स्टेशनरी एवं अन्य पाठन सहायक सामग्री निःशुल्क वितरित की गई। गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ के प्रमुख व्यवस्थापक प्रहलाद शर्मा ने लघु कथाओं के माध्यम से बच्चों को नैतिक शिक्षा एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने तथा नशामुक्ति का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद स्व. इंदु व्यास के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलन किया गया। व्यास सेवा संस्थान के संस्थापक सचिव नरेंद्र कुमार व्यास, सुभाष चंद झा एवं कमल किशोर ने अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। उत्कर्ष संस्थान के गौरव जैन, नीतिश अग्रवाल, विकास अग्रवाल और रवि जैनसहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महेश भारद्वाज ने किया। सौरभ व्यास ने संस्थान की गौसेवा, निःशुल्क स्टेशनरी वितरण और हरे चारे की व्यवस्था सहित विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी दी। व्यास सेवा संस्थान के अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा 'राष्ट्रदूत' ने अतिथियों, बच्चों एवं उनके शिक्षकों का आभार जताया।

हुक्का बार पर छापा, दो संचालक पकड़े

जयपुर। जयपुर शहर में अवैध हुक्का बार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बजाज नगर थाना पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए 'कैफे डियोना' रेस्ट्रो कैफे में संचालित अवैध हुक्का बार में छापेमारी कर मौके से दो संचालकों को गिरफ्तार किया है और साथ ही 4 हुक्के, 4 चिलम, 4 पाइप और विभिन्न प्रकार के फ्लेवर जब्त किए। हुक्का पी रहे 13 लोगों के कोटपा एक्ट के तहत चालान किए गए, जबकि शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका पर 21 लोगों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई। डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि शहर में अवैध गतिविधियों और हुक्का बार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में बजाज नगर थानाधिकारी रामधन डोभाल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने कैफे डियोना में दबिश दी तो वहां अवैध रूप से हुक्का पिलाया जा रहा था। पुलिस ने संचालक मनोज कुमार (28) निवासी श्रीगंगानगर और धर्मसिंह (22) निवासी मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया। अधिनियम 2019 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं पुलिस ने मौके पर हुक्का पीते मिले 13 लोगों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की गई। वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 21 गैरसायलान के खिलाफ बीएनएसएस की धारा के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई। डीसीपी रंजीता शर्मा ने आमजन से अपील की कि क्षेत्र में कहीं भी अवैध हुक्का बार अथवा अन्य गैरकानूनी गतिविधियां संचालित होने की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। सूचना मिलने पर पुलिस की ओर से त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

'एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर्स की मैपिंग करें'

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में कृषि उपज को प्रसंस्करण, बाजार और निर्यात से बेहतर ढंग से जोड़कर किसानों को उनकी उपज का अधिक मूल्य दिलाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रस्तावित एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर्स की फसल एवं क्षेत्रवार विस्तृत मैपिंग कर उनकी आर्थिक, निवेश और निर्यात संभावनाएं चिन्हित करने तथा ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। शासन सचिवालय में आयोजित हितधारकों की बैठक में श्रीनिवास ने कहा कि क्लस्टर्स को केवल उत्पादन और प्रसंस्करण तक सीमित न रखते हुए खेत से बाजार तक पूरी मूल्य श्रृंखला विकसित की जाए। इसके तहत छंटाई, श्रेणीकरण, पैकेजिंग, शीत भंडारण, प्रसंस्करण, परिवहन, ब्रांड निर्माण और बाजार से जुड़ाव की सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान में कमी आए और किसानों को बेहतर बाजार व मूल्य मिल सके। मुख्य सचिव ने नाबार्ड को क्लस्टर्स की आर्थिक संभावनाओं के साथ किसान उत्पादक संगठनों की मैपिंग करने तथा संबंधित विभागों को क्लस्टरवार क्रियान्वयन योग्य कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने नव उद्यमों, सूक्ष्म प्रसंस्करण इकाइयों और निजी क्षेत्र को जोड़ने तथा केंद्र व राज्य की योजनाओं के समन्वय से उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम लाभ लेने पर भी जोर दिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग शिखर अग्रवाल ने बड़े कृषि प्रसंस्करण उद्यमों को आकर्षित करने की आवश्यकता बताई।

वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक गुप्ता ग्लोबल एलर्जी प्लेटफॉर्म के डायरेक्टर बने

स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हुआ मनोनयन

जयपुर/ स्पेन। गीतांजली इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर के डीन एवं प्रिंसिपल तथा वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक गुप्ता को ग्लोबल एलर्जी प्लेटफॉर्म का डायरेक्टर मनोनीत किया गया है। उनका कार्यकाल दो वर्ष यानी 2028 तक रहेगा। स्पेन के बार्सिलोना में 3 से 5 सितंबर तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 70 देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह महत्वपूर्ण मनोनयन हुआ।

डॉ. गुप्ता ने अपने संबोधन में श्वसन रोगों की प्रारंभिक पहचान और बेहतर फेफड़ों के स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि दुनिया में हर पांच में से एक बच्चा किसी न किसी एलर्जी या अस्थमा से पीड़ित है, जबकि 60 प्रतिशत से अधिक मामलों में बीमारी का निदान देर से होता है। उन्होंने कहा कि शुरुआती खांसी, घरघराहट और नाक की एलर्जी की स्कूल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर पहचान कर स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण किया जा सकता है।

डॉ. गुप्ता ने अपना विजन ''बीमारी को पकड़ो, इससे पहले कि वो फेफड़ों को जकड़ ले'' बताया। उन्होंने इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की स्वस्थ फेफड़ों और गैर-संचारी रोगों की रोकथाम संबंधी वैश्विक प्राथमिकताओं के अनुरूप बताया।

सम्मेलन के दौरान डॉ. गुप्ता ने डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक के विशेष दूत जोस लुइस कास्त्रो से भी मुलाकात की। दोनों ने वायु प्रदूषण, इनडोर धुएं और बदलती जीवनशैली से विकासशील देशों में बढ़ रहे श्वसन रोगों पर वैश्विक रणनीति को लेकर चर्चा की। इस दौरान डॉ. गुप्ता ने गीतांजली इंस्टीट्ययूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर में चल रहे अस्थमा एवं एलर्जी जागरूकता मॉडल को प्रस्तुत किया, जिसकी कास्त्रो ने सराहना की।

डॉ. अशोक गुप्ता ने डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक के विशेष दूत जोस लुइस कास्त्रो से मुलाकात की।

गहलोत के पास जनता को बताने के लिए अपने कार्यों का हिसाब नहीं : राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नगरीय निकाय चुनाव को लेकर दिए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जिसके पास जनता को बताने के लिए अपने कार्यों का हिसाब नहीं होता, वह रोड शो और जनसंपर्क पर सवाल उठाता है। भाजपा सरकार जनता के बीच अपने काम और उपलब्धियों को लेकर जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं और दशकों से कांग्रेस सरकारों द्वारा अटकाए गए कार्यों को गति दी जा रही है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान राजस्थान की सबसे बड़ी समस्याओं में शामिल पानी और बिजली के स्थायी समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किए गए। भाजपा सरकार ने इन दोनों क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य करते हुए राजस्थान की स्थिति को फर्श से अर्श की ओर ले जाने का काम किया है।

मदन राठौड़ ने कहा कि देश में ''वन स्टेट-वन इलेक्शन'' लागू करने वाला राजस्थान पहला स्टेट है। ऐसे में भाजपा सरकार के साथ संगठन की पूर्ण जिम्मेदारी बनती है कि इसे सफलता पूर्वक लागू किया जाए और प्रदेश में पहली बार महज 40 दिनों के भीतर निकाय और पंचायत चुनाव हो जाएंगे। इससे बार बार आचार संहिता लगने से आमजन को होने वाली परेशानी से निजात मिलेगा, वहीं दूसरी ओर बार बार चुनाव कराने पर जनता के धन की बर्बादी होती थी, एक चुनाव कराने से इसमें कमी आएगी।

अरावली में अवैध भट्टियों पर एन.जी.टी. की सख्ती

राजस्थान में ध्वस्त की गई आठ भट्टियां

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान-हरियाणा सीमा से सटे अरावली क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित क्रूसिबल और भट्टियों के खिलाफ राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी की प्रधान पीठ, नई दिल्ली ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (आरएसपीसीबी) को चिन्हित अवैध भट्टियों के संचालकों पर पर्यावरणीय क्षित प्रतिकर (ईडीसी) लगाने के निर्देश दिए हैं। अधिकरण ने यह प्रक्रिया 3 महीने में पूरी करने को कहा है। साथ ही हरियाणा और राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को कार्रवाई की निगरानी जारी रखने और निर्धारित अवधि के बाद अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

यह आदेश एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने मूल आवेदन संख्या 21/2025 में दिया। मामला द ट्रिब्यून में 28 दिसंबर 2024 को प्रकाशित एक समाचार के आधार पर स्वतः संज्ञान से शुरू हुआ था। समाचार में राजस्थान-हरियाणा सीमा के निकट अरावली क्षेत्र में अवैध स्क्रैप-प्रसंस्करण भट्टियों से निकलने वाले जहरीले धुएं के कारण पर्यावरण, स्थानीय आबादी और वन्यजीवों पर पड़ रहे असर को उजागर किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया कि कुछ स्थानों पर वाहन स्क्रैप, रबर टायर और प्लास्टिक जैसी सामग्री को खुले क्रूसिबल में जलाकर या पिघलाकर चपटी शीट तैयार की जा रही थी। तैयार सामग्री का इस्तेमाल ईंट भट्टों में ईंधन के रूप में किए जाने की बात सामने आई। इस प्रक्रिया से जहरीले धुएं का उत्सर्जन होने के साथ मिट्टी और जल प्रदूषण का खतरा भी पैदा हो रहा था। एनजीटी के निर्देश के बाद हरियाणा और राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों ने संबंधित क्षेत्रों में निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाई की। आरएसपीसीबी के अनुसार राजस्थान के अलवर जिले में राजस्थान-हरियाणा सीमा के निकट ग्राम उधनवास क्षेत्र में कई अवैध क्रूसिबल और भट्टियां संचालित मिलीं। निरीक्षण में बड़ी मात्रा में अपशिष्ट रबर और ऑटोमोबाइल से निकलने वाली प्लास्टिक कटिंग मिली। रिपोर्ट के अनुसार इन सामग्रियों को खुले क्रूसिबल में जलाने अथवा पिघलाने का काम किया जा रहा था। संबंधित इकाइयों के पास आवश्यक अनुमति और पर्याप्त वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था भी नहीं थी। आरएसपीसीबी ने 2 मई 2025 को संयुक्त प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए राजस्थान क्षेत्र में चिन्हित आठ अवैध क्रूसिबल भट्टियों को ध्वस्त कर गैर-संचालित कर दिया। हालांकि, एनजीटी ने पाया कि इन इकाइयों को बंद करने के बावजूद उनके पूर्व पर्यावरणीय उल्लंघनों के लिए पर्यावरणीय क्षति प्रतिकर लगाने की कार्रवाई नहीं थी।

'काव्य वही श्रेष्ठ है जो राष्ट्र उन्नति में सहायक'

जयपुर (कासं)। वैचारिक विमर्श के लिए नवगठित शब्द रसायन संस्थान का पहला आयोजन बुधवार को जयपुर के कानोडिया पीजी महिला महाविद्यालय के भाषा सभागार में हुआ। दीप प्रज्वलन और मां शारदे की वंदना के बाद कॉलेज प्राचार्या डॉ. सीमा अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संस्थान के निदेशक डॉ. रेवंत दान ने शब्द रसायन की संकल्पना प्रस्तुत करते हुए कहा कि भविष्य में इस संस्थान के माध्यम से साहित्य, शिक्षा, राजनीति, सिनेमा, पत्रकारिता, उद्योग, विज्ञान, खेल और व्यापार जगत से जुड़े सामयिक विषयों पर वैचारिक विमर्श के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्थान के सचिव मुरारी गुप्ता ने बताया कि स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता में छात्राओं ने सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण, स्वदेशी और संयुक्त परिवार आदि विषयों पर अपनी स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में जाह्नवी मंडल ने प्रथम, तेजस्वी सहारिया ने द्वितीय और सीपिका लवानिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. नंदकिशोर पांडेय का विशेष व्याख्यान हुआ। उन्होंने कहा कि जो संवेदनशील है उनके भीतर कविता का प्रस्फुटन होता है। उन्होंने कवि वाल्मीकि, पंत और कालिदास का उद्धरण देते हुए कहा कि जो नैसर्गिक कवि है वह अपनी गहरी संवेदना से प्रेरित होकर काव्य रचना करते हैं। उन्होंने कहा कि काव्य और कला वही श्रेष्ठ है जो समाज और राष्ट्र की उन्नति में सहायक हो।

World Suicide Prevention Day - Spreading Hope and Awareness

Every year on September 10, World Suicide Prevention Day is observed globally to shine a light on one of the most pressing public health issues, suicide. The day is dedicated to raising awareness, reducing stigma, and promoting conversations around mental health and well-being. It reminds us that reaching out, listening without judgment, and offering support can save lives. Communities, health organizations, and individuals come together to spread hope, organize awareness campaigns, and encourage people to seek help when needed. World Suicide Prevention Day serves as a powerful reminder that suicide is preventable, and compassion can make all the difference.

#KAZIRANGA

A Turning Point in Rhino Conservation

While colonial policies had complex consequences, the protected status in 1905 played a crucial role in preventing the extinction of the rhinoceros

The story of Lord Curzon, his wife Mary Curzon, and the early protection of what is now Kaziranga National Park is one of the most important turning points in wildlife conservation history in India. It is a narrative shaped by colonial travel, early conservation awareness, and the near-extinction crisis of the Indian one-horned rhinoceros.

The Landscape of Kaziranga in the Early 1900s

At the beginning of the 20th century, the floodplains of Assam were still largely wild. The region of Kaziranga was known for its dense grasslands, seasonal flooding, and rich biodiversity. However, it was also a dangerous time for wildlife. Rhinos, in particular, were under severe threat. Hunting by colonial elites, along with local poaching, had reduced their numbers dramatically. Reports from the period suggest that rhinos were becoming increasingly rare, and sightings were not guaranteed even for visitors specifically searching for them. During this period, travelers and naturalists, including trekkers and forest observers such as local guides like "Balram Harzika," reported the growing absence of rhinos in parts of the region due to uncontrolled hunting and habitat pressure.

The Role of Mary Curzon's Visit

A crucial moment in conservation history came when Mary Curzon, wife of Lord Curzon, visited India. During her travels, she expressed a desire to see the Indian rhinoceros in its natural habitat. However, she reportedly did not succeed in seeing one, as the population had become alarmingly sparse in some regions. This personal disappointment is often described in historical narratives as a symbolic moment. It reflected the broader ecological crisis: even high-ranking colonial visitors could not easily encounter species that had once been abundant.

Lord Curzon and the Early Protection Effort

As Viceroy of India from 1899 to 1905, Lord Curzon was one of the most powerful administrators of British India. Influenced by persuasion of his wife, steps were taken to protect the Kaziranga region. In 1905, efforts were initiated to declare Kaziranga a reserved forest, marking one of the earliest formal protections for the habitat. This was a critical intervention because it restricted hunting and began the process of safeguarding the rhinoceros population.

From Reserved Forest to National Park

The protection of Kaziranga evolved gradually over the decades:

- In 1905, it was notified as a reserved forest area.
- By 1950, after India's independence, it was strengthened into a protected wildlife sanctuary.
- In Wildlife (Protection) Act, 1972, new legal frameworks supported stronger conservation.
- In 1974, Kaziranga was officially declared a national park.

The Poaching Crisis and Conservation Urgency

Despite early protection, the rhino population remained dangerously low for decades. Historical estimates suggest that at one point, Kaziranga may have had only around 10-12 rhinoceroses remaining in certain vulnerable stretches.

Recovery and Modern Status

Thanks to sustained conservation efforts, anti-poaching enforcement, and habitat protection, Kaziranga experienced one of the most remarkable wildlife recoveries in the world. Today, the population of the Indian one-horned rhinoceros in Kaziranga is estimated at over 2,600 individuals, making it the largest stronghold of the species globally.

Conclusion

The transformation of Kaziranga from a fragile hunting ground to a protected national park is deeply tied to early 20th-century interventions during the time of Lord Curzon. While colonial policies had many complex consequences, the establishment of protected status in 1905 played a crucial role in preventing the extinction of the Indian rhinoceros. If conservation measures had not begun at that time, it is widely believed that the species could have been lost entirely.

India's Milk Story Is Not Yet Complete

For a country where milk is both a daily necessity and a cultural symbol, the stakes are unusually high. The question is no longer whether India can produce enough. It is whether it can ensure that what reaches the consumer retains the purity that tradition has always associated with it. That, perhaps, will define the next chapter in India's milk story.

● Advocate Mansi and Dr. Kunal

India's milk story has long been told as a success narrative, one that began with scarcity and evolved into global leadership. It is a story of transformation powered by small farmers, cooperative movements, and sustained policy effort. But today, as the country stands as the world's largest milk producer, a more complex reality is emerging. The focus is no longer just on production. It is shifting inevitably and urgently to quality, trust, and the integrity of what reaches the consumer.

Milk in India has never been just another commodity. It is a daily staple, a cultural symbol, and a nutritional cornerstone across income groups. From temple rituals to morning tea, it occupies a uniquely intimate place in everyday life. Ghee, too, carries weight far beyond its culinary role associated with purity, prosperity, and tradition. Yet, both are undergoing a subtle but significant transformation, shaped by changing consumption patterns, rapid commercialisation, and growing concerns over adulteration.

To understand the present, it is important to revisit the past.

In the decades following Independence, India faced a severe shortage of milk. Production was low, supply chains were fragmented, and availability was unreliable. By the early 1970s, per capita milk availability had dropped to nearly 110 grams per day, far below nutritional needs. The dependence on imports underscored a structural weakness in the agricultural economy.

The White Revolution, launched in 1970 under Operation Flood, changed this trajectory. By organising farmers into cooperatives, strengthening procurement systems, and building a national supply network, India transformed its dairy sector. Milk production surged, rural incomes improved, and the country achieved self-sufficiency. Today, that transformation is visible in numbers.

Rajasthan alone accounts for a major portion of India's dairy production

Share in india Milk Production

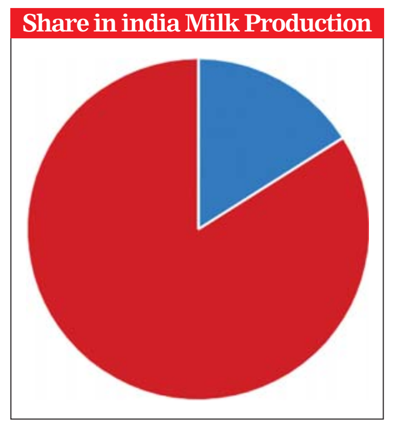

The rise of dairy in the state has had far-reaching economic implications. For many farmers, milk provides a steady daily income, less dependent on erratic rainfall than crop agriculture. It has strengthened rural livelihoods and contributed to income diversification.

But the transformation is not merely economic, it is also social. As urbanisation accelerates and lifestyles evolve, traditional practices of producing dairy at home are declining. Consumers, particularly in urban areas, are increasingly dependent on packaged milk and branded ghee. Convenience has replaced familiarity, and trust has shifted from personal knowledge to institutional assurance.

This growing dependence on markets has been accompanied by a steady rise in demand. Higher incomes, greater awareness of nutrition, and expanding urban populations have all contributed to increased consumption. Milk is widely regarded as an affordable source of protein, while ghee has regained popularity in certain dietary trends that emphasise traditional foods.

However, this growth has also exposed fault lines within the system.

One of the most persistent and worrying concerns is adulteration.

Milk and ghee are among the most commonly adulterated food products in India. High demand, combined with price pressure and fragmented supply chains, creates incentives for malpractice. Milk is often diluted, while substances such as starch, urea, or synthetic chemicals are sometimes added to mimic natural properties. Ghee may be blended with cheaper oils, compromising both quality and authenticity. Testing by regulatory authorities has repeatedly revealed instances of non-compliance. While not all deviations indicate harmful adulteration, the scale of the issue is difficult to ignore. For consumers, the distinction between minor quality lapses and serious contamination is often unclear. The result is a gradual erosion of trust.

The problem is particularly acute in the unorganised sector. Loose milk, sold without branding or traceability, is far more difficult to monitor. In contrast, packaged products generally adhere to stricter quality controls, though they are not entirely immune to concerns.

For states like Rajasthan, where dairy production has expanded rapidly, ensuring quality across a vast and decentralised network is a major challenge. Authorities have intensified inspections, especially during festive seasons when demand spikes, but enforcement remains uneven. This raises a fundamental question: can India sustain its dairy success without compromising consumer confidence? The answer lies largely in how the next phase of growth is managed.

The first phase, i.e., the expansion of production, has been a clear success. India not only achieved self-sufficiency but also became a global leader. The second phase must focus on strengthening the systems that support this growth. That means improving traceability, investing in testing infrastructure, and tightening regulatory oversight. Equally important is the need to strengthen the organised sector without neglecting the realities of small-scale producers. Millions of farmers continue to operate within informal frameworks, and any solution must account for their role in the supply chain. Consumer awareness will also play a critical role. As individuals become more informed about quality standards and testing methods, demand for safer products is likely to increase. This, in turn, can create pressure for better compliance.

At its core, the issue is about trust.

Milk is not an occasional indulgence, it is consumed every day, often multiple times a day, across age groups and income levels. It is fed to children, the elderly, and the vulnerable. Any compromise in quality, therefore, carries implications that go beyond economics.

India's dairy story stands at an inflexion point. The achievements of the past are undeniable, but the challenges of the present cannot be overlooked. The transition from scarcity to abundance has been completed. The transition from abundance to assurance remains unfinished.

In the years ahead, the success of the sector will not be measured solely by how much milk is produced, but by how reliably it meets the expectations of safety and quality. Growth, in itself, is no longer enough. It must be accompanied by credibility.

For a country where milk is both a daily necessity and a cultural symbol, the stakes are unusually high. The question is no longer whether India can produce enough. It is whether it can ensure that what reaches the consumer retains the purity that tradition has always associated with it.

That, perhaps, will define the next chapter in India's milk story

rajeshsharma1049@gmail.com.

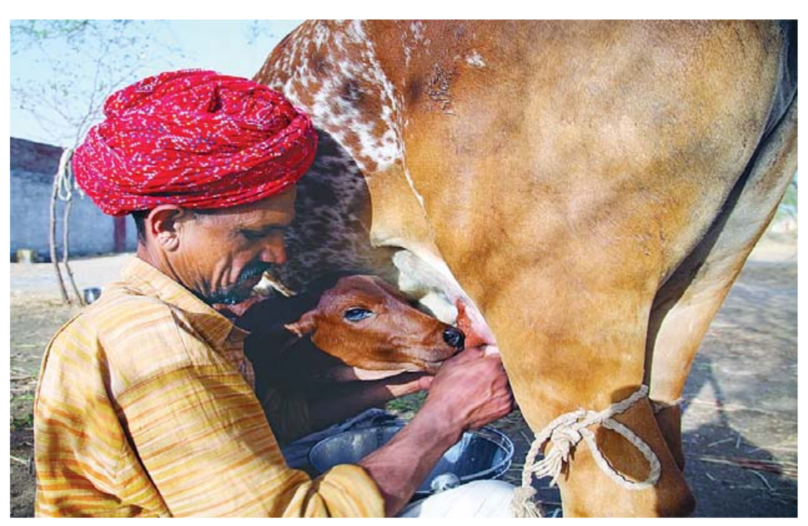

#QUALITY AND TRUST

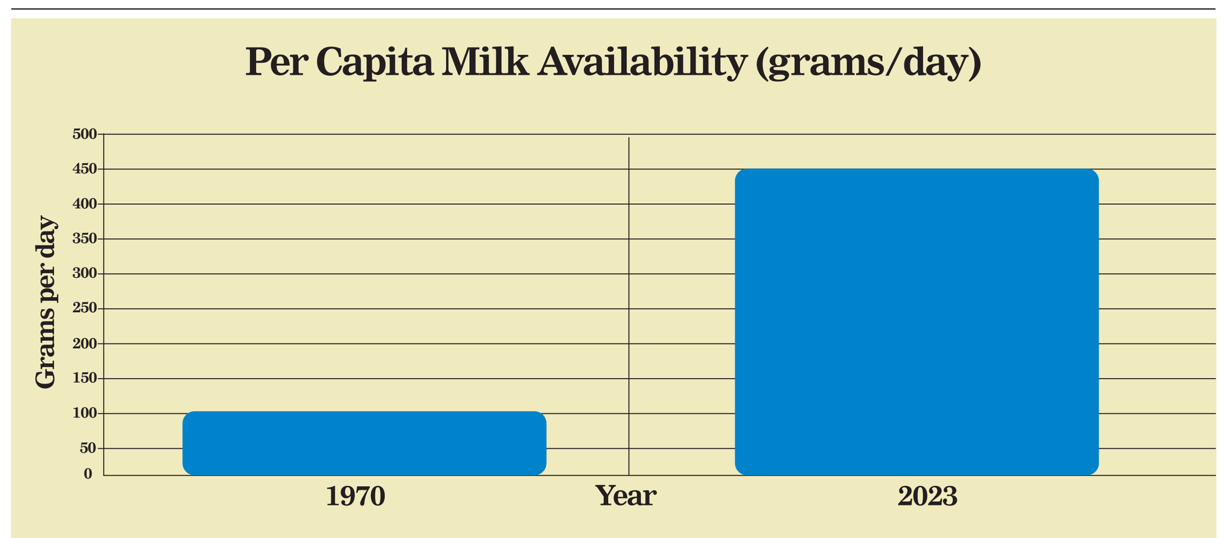

Milk availability has grown more than fourfold over five decades

From scarcity, India has moved decisively into abundance. Per capita availability now exceeds 450 grams per day, and total production has crossed 230 million tonnes annually. Milk is no longer a constrained resource, it is embedded in daily consumption across regions.

Alongside milk, ghee has also undergone a shift. Once considered a luxury or reserved for special occasions, it has increasingly entered everyday diets. This change reflects rising incomes and greater access to market-produced goods. However, it also marks a broader transition from home-based production to commercial supply chains. This shift is particularly visible in states like Rajasthan. Traditionally associated with arid landscapes and water scarcity, Rajasthan has emerged as India's leading milk producer, contributing a significant share to national output.

#NAMAH-SHIVAYA

The Sacred Symbolism of the Golden Roof of Nataraja Temple

The number 21,600 is deeply symbolic. According to yogic tradition, an average human being takes approximately 21,600 breaths in a day...

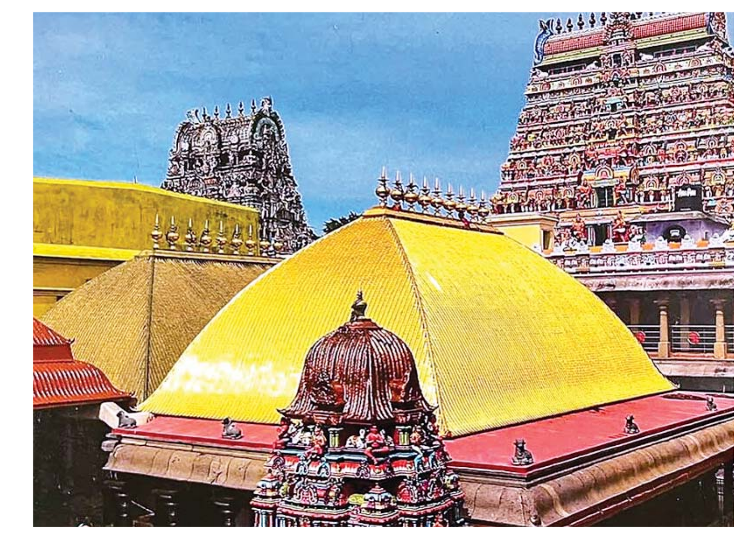

The ancient Nataraja Temple at Chidambaram is not merely a place of worship, it is a profound spiritual diagram built in stone, wood, gold, rhythm, and sacred geometry. Spread across nearly forty acres, this magnificent temple is one of the most philosophically sophisticated temples in India, where architecture becomes theology and every measurement carries symbolic meaning.

At the heart of the temple lies the famous golden-roofed sanctum known as the Chit Sabha, one of the most sacred spaces in Shaivism. The roof of the Chit Sabha possesses a uniquely curved structure, neither flat nor fully pyramidal, giving it a distinctive identity among Indian temples. But the true wonder of the shrine lies not only in its beauty, it lies in its symbolism.

The Five Sacred Sabhas

The Chidambaram Temple is traditionally organized around five sacred halls or Sabhas, each associated with a different spiritual dimension of Shiva as Nataraja, the Cosmic Dancer. These include:

- **Chit Sabha**- the Hall of Consciousness, containing the sanctum of Nataraja and the mysterious Chidambara Rahasya.
- **Kanaka Sabha**- the Golden Hall where rituals are performed.
- **Nritya Sabha**- the Hall of Dance, celebrating Shiva's cosmic dance.
- **Deva Sabha**- the Hall of the Gods.
- **Raja Sabha**- the grand Thousand-Pillared Hall associated with royal ceremonies and cosmic grandeur.

Among them, the Chit Sabha is considered the spiritual core of the temple complex.

The Golden Roof and the Rhythm of Breath

The golden roof of the Chit Sabha was traditionally attributed to the patronage of the great Chola dynasty kings, who transformed Chidambaram into one of the crown jewels of sacred architecture.

The roof is covered with 21,600 golden tiles or golden bilva leaves, each inscribed with the sacred mantra:

Na Ma Shi Va Ya, the five-syllabled Panchakshara mantra of Shiva.

The number 21,600 is deeply symbolic. According to yogic tradition, an average human being takes approximately 21,600 breaths in a day. Thus, the roof represents the rhythm of human life itself, every breath becoming an unconscious repetition of Shiva's name.

The message is profound: life itself is worship.

The 72,000 Nails and the Human Body

The golden plates are fixed using 72,000 golden nails or rivets, corresponding to the 72,000 nadis described in yogic physiology. In yogic understanding, nadis are subtle channels through which prana, vital life energy, flows within the human body. By embedding this number into the structure, the temple symbolically transforms the shrine into a cosmic human body.

The Nine Kalashas

Atop the roof stand nine sacred kalashas (finials), symbolizing the Navashaktis, the nine divine energies or forms of feminine cosmic power.

These kalashas represent completeness, spiritual awakening, and the union of Shiva and Shakti. Their placement above the sanctum signifies that cosmic consciousness is crowned by divine energy.

The 96 Windows and the Tattvas

The main shrine contains 96 symbolic windows or panels, representing the 96 tattvas described in Shaiva and Siddha philosophy.

These tattvas encompass the complete structure of human existence, including the senses, mind, ego, elements, emotions, energies, and states of consciousness.

The 28 Pillars and the Shiva Agamas

The Chit Sabha is supported by 28 wooden pillars, corresponding to the 28 Shaiva Agamas, the foundational scriptures governing Shaiva temple worship, rituals, yoga, meditation, and philosophy.

The 64 Beams and the Arts of Civilization

The roof structure also includes 64 beams, representing the 64 Kalas, the classical arts and sciences of Indian tradition. These range from music, dance, poetry, and painting to architecture, strategy, philosophy, and craftsmanship. In the presence of Nataraja, the Lord of Cosmic Dance, all human creativity is viewed as an expression of divine consciousness.

The Five Steps and the Panchakshara

Leading towards the sanctum are five sacred steps, symbolizing the five syllables of Shiva's mantra:

Na - Ma - Shi - Va - Ya

These five syllables are believed to represent the five elements, earth, water, fire, air, and space, as well as the journey from material existence towards spiritual liberation. Every step towards the sanctum becomes a symbolic movement towards inner awakening.

The Chidambara Rahasya

Within the Chit Sabha also resides the mysterious Chidambara Rahasya, the "Secret of Chidambaram."

Unlike ordinary sanctums centered solely around an idol, Chidambaram uniquely emphasizes empty space as divine presence. Behind the curtain of ritual lies the philosophical idea that the ultimate reality is formless consciousness, invisible, infinite, and beyond material description.

This is why Chidambaram occupies such a unique place in Indian spiritual thought. It unites devotion, philosophy, yoga, cosmology, architecture, dance, and metaphysics into one sacred experience.

THE WALL

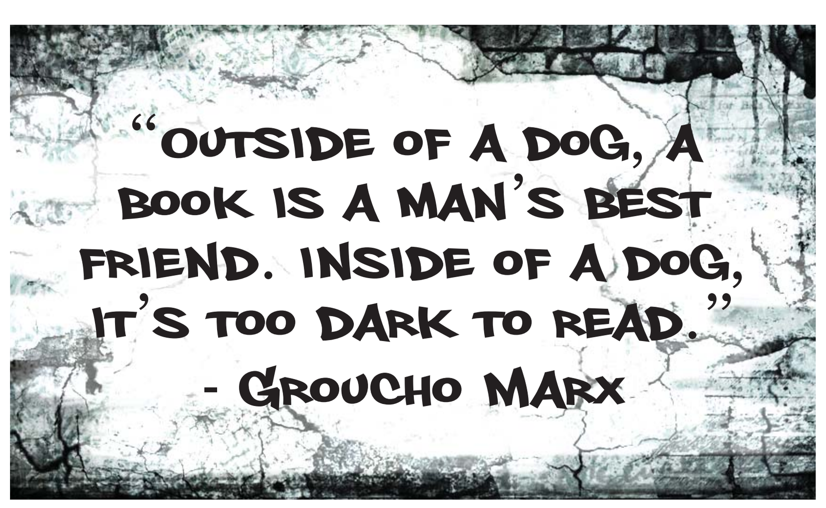

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

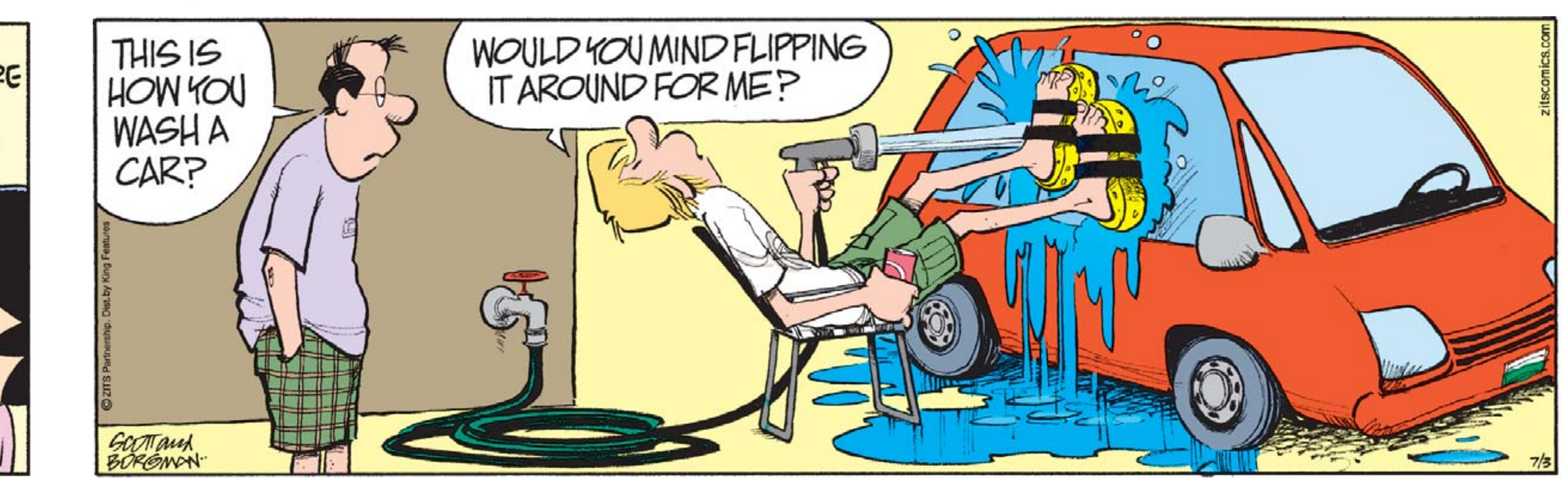

प्रथम चरण में 162 निकायों हुआ 76.04 प्रतिशत मतदान

कई मतदान बूथों पर दिखी सियासी गर्मी, मतदाताओं ने उत्साह से डाले वोट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण में 162 निकायों में बुधवार को मतदान के दौरान कई जगह राजनीतिक तनातनी और विवाद सामने आए। फर्जी मतदान के आरोप, बूथ पर प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच झड़प और जनप्रतिनिधियों की अधिकारियों से बहस ने चुनावी माहौल को गरमा दिया। हालांकि इन घटनाओं के बीच मतदाताओं ने उत्साह दिखाते हुए मतदान किया और शाम 6 बजे तक कुल 76.04 प्रतिशत मतदान हुआ। पहले चरण में 57.52 लाख में से 43.73 लाख मतदाताओं ने 20 हजार से ज्यादा प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद कर दिया है। अब 11 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा और 14 सितंबर को मतगणना के साथ चुनावी दावों और समीकरणों का असली हिसाब सामने आएगा।

- पहले चरण में 57.52 लाख में से 43.73 लाख मतदाताओं ने 20 हजार से ज्यादा प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद किया
- अब 11 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा और 14 सितंबर को मतगणना के साथ चुनावी दावों और समीकरणों का असली हिसाब सामने आएगा

बीकानेर में विधायक-बूथ अधिकारी में बहस : बीकानेर नगर निगम के वार्ड 45 में रबर फैक्ट्री के पास बूथ संख्या 95 पर भाजपा विधायक जेठानंद व्यास और बूथ अधिकारी शिशुपाल सिंह के बीच बहस हो गई। विधायक मतदान केंद्र पर पहुंचे तो बूथ अधिकारी ने उन्हें तत्काल बाहर जाने और बूथ से 200 मीटर की दूरी बनाए रखने को कहा। इसके बाद बूथ के बाहर मौजूद लोग भी आक्रोशित हो गए और नारेबाजी शुरू कर दी। विधायक ने पूरे मामले की शिकायत जिला कलेक्टर से की। उनका कहना था कि वे बूथ का निरीक्षण करने पहुंचे थे और इसी दौरान अधिकारी ने उनसे कथित तौर पर आपत्तिजनक लहजे में बात की।

कोटपूतली-बहरोड में फर्जी वोटिंग को लेकर विवाद : कोटपूतली-बहरोड़ जिले के शाहपुरा नगर परिषद के वार्ड 23 के मतदान केंद्र पर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता फर्जी मतदान के आरोप को लेकर आमने-सामने हो गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में भिड़ंत हो गई। घटना में तीन लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई। सीकर जिले के फतेहपुर में वार्ड 14 में कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी के बीच चुनावी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच पत्थरबाजी हुई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. तेजपाल सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली।

झुंझुनूं में पुलिसकर्मी पर फर्जी मतदान का आरोप : झुंझुनूं नगर परिषद के वार्ड 35 में माकपा प्रत्याशी महिपाल पूनियां ने मतदान केंद्र के गेट पर तैनात पुलिसकर्मी पर फर्जी मतदान कराने में सहयोग का आरोप लगाया। इसके बाद उनके समर्थकों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने पूनियां को समझाने और गाड़ी में बैठाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने विरोध किया। मामला बढ़ता देख वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश के बाद स्थिति शांत कराई।

डीडवाना में विधायक से धक्का-मुक्की : डीडवाना के वार्ड 11 के मतदान केंद्र पर परिवार के साथ वोट डालने पहुंचे निर्दलीय विधायक यूनुस खान के साथ धक्का-मुक्की की घटना सामने आई। उनके रिश्तेदारों ने कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थकों पर मतदाता पहचान पत्र छीनने का आरोप लगाया।

नागौर में पथराव व मारपीट : नागौर के खत्रीपुरा क्षेत्र में वार्ड 51 और 48 में फर्जी मतदान के आरोपों के बाद दो पक्षों में मारपीट और पथराव हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोगों को हिरासत में लिया। जालोर के वार्ड 34 स्थित मतदान केंद्र पर एक व्यक्ति के फर्जी वोट डालने पहुंचने की जानकारी सामने आई। उसे मतदान केंद्र से बाहर निकाला गया। बाहर निकलने के दौरान वह भागने लगा तो प्रत्याशियों और समर्थकों ने उसे पकड़ लिया।

यहां हुआ सर्वाधिक और न्यूनतम मतदान : इन तमाम विवादों के बावजूद कई छोटे निकायों में मतदाताओं का उत्साह देखने को मिला। प्रतापगढ़ के अरनोद में सर्वाधिक 91.98 प्रतिशत मतदान हुआ। भीलवाड़ा के बिगोद में 91.49 प्रतिशत, धौलपुर के सैंपऊ में 90.77 प्रतिशत और डीग के पहाड़ी में 90.32 प्रतिशत मतदान हुआ। दूसरी ओर चित्तौड़गढ़ नगर परिषद में सबसे कम 61.49 प्रतिशत, भीलवाड़ा नगर निगम में 62.71 प्रतिशत और अलवर नगर निगम में 64.60 प्रतिशत मतदान रहा।

प्रशिक्षण से अनुपस्थित दो जने निलंबित

जालोर, (कासं)। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के अन्तिम प्रशिक्षण में बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर जिला निर्वाचन अधिकारी जालोर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने दो कार्मिकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, ग्राम जाविया के शिक्षाकर्मी गुलाबसिंह देवल तथा राउप्रावि, ग्राम फैदाणी के अध्यापक जसवंतदान को 8 सितम्बर को नगर निकाय आम चुनाव 2026 के तहत आयोजित अन्तिम प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने के कारण निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में दोनों का मुख्यालय सीबीईओ कार्यालय जसवंतपुरा रहेगा।

निकाय चुनाव में उमड़ा लोकतंत्र का उत्साह

हनुमानगढ़, (निसं)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण में जिले की पांच नगर पालिकाओं में मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। मतदान के निर्धारित समय सायं 6 बजे तक जिले में कुल 83.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें देखने को मिलीं और दिनभर लोकतांत्रिक उत्सव का माहौल बना रहा। जिले की पांच नगर पालिकाओं में संगरिया ने मतदान प्रतिशत के मामले में बाजी मारी। यहां सायं 6 बजे तक 87.00 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं टिब्बी में 86.87 प्रतिशत, भादरा में 85.88 प्रतिशत और रावतसर में 85.50 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। वहीं नोहर नगर पालिका में 77.35 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले की अन्य चार नगर पालिकाओं की तुलना में नोहर में मतदान प्रतिशत कम रहा, हालांकि यहां भी मतदाताओं ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह रहा मतदान का आंकडा नगर पालिका। शांतिपूर्ण रहा मतदान मतदान के दौरान जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के बीच शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हुआ।

प्रशासन एवं निर्वाचन विभाग की ओर से मतदान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। मतदाताओं में मतदान को लेकर पूरे दिन उत्साह बना रहा। जिला निर्वाचन अधिकारी, हनुमानगढ़ ने लोकतंत्र के इस महापर्व में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाने वाले मतदाताओं का आभार व्यक्त किया।

भीलवाड़ा में 62.71 प्रतिशत व बीगोद में 91.49 प्रतिशत मतदान

भीलवाड़ा एवं नगर पालिका बीगोद में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हुई।

भीलवाड़ा । जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने बताया कि नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत बुधवार को नगर निगम भीलवाड़ा एवं नगर पालिका बीगोद में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हुई। मतदान का समय शाम 6 बजे तक निर्धारित था। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नगर निगम भीलवाड़ा के 70 वार्डों में कुल 2 लाख 96 हजार 684 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से शाम 6 बजे तक 1 लाख 86 हजार 38 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। नगर निगम भीलवाड़ा में कुल 62.71 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसी प्रकार नगर पालिका बीगोद के 25 वार्डों में कुल 13 हजार 675 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से शाम 6 बजे तक 12 हजार 511 मतदाताओं ने मतदान किया। बीगोद नगर पालिका में कुल 91.49 प्रतिशत मतदान हुआ। संधू ने बताया कि दोनों नगरीय निकायों में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे सभी निर्वाचन प्रकोष्ठों, मतदान दलों, अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा किए गए समन्वित प्रयासों की सराहना की तथा सफलतापूर्वक मतदान सम्पन्न कराने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जिले की शेष 9 नगर पालिकाओं में मतदान 11 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से आगामी मतदान में भी लोकतंत्र के इस महापर्व में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

- शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन दलों की सराहना की

भरतपुर में पोलिंग बूथ के पास पैसे बांटने का वायरल वीडियो

- पूर्व मंत्री सुभाष गर्ग बोले-मामले की जांच हो
- दोषियों पर एफआईआर दर्ज की जाए

भरतपुर । नगर निगम चुनाव के मतदान के बीच भरतपुर में पोलिंग बूथ के आसपास स्कूटी सवार व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर पैसे बांटने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मंत्री एवं भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने वायरल वीडियो को लेकर जिला प्रशासन और निर्वाचन अधिकारी से मामले की जांच कराने की मांग की है। डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि उनके पास एक वीडियो भेजा गया है, जो कौआ का नगला स्थित मतदान केंद्र के आसपास का बताया जा रहा है। वीडियो में एक व्यक्ति स्कूटी पर बैठा दिखाई दे रहा है और कुछ लोगों को पैसे गिनते हुए नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह मामला जांच का विषय है और इसकी वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। गर्ग ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में सेवर थाना प्रभारी को भी फोन किया और मामले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि मतदान केंद्र के आसपास किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे बांटे जा रहे हैं तो यह गंभीर मामला है। पूर्व मंत्री ने जिला प्रशासन और निर्वाचन अधिकारी से अपील करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं की तत्काल जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो। उन्होंने कहा कि यह घटना यदि सही पाई जाती है तो चुनाव आयोग के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करते हुए संबंधित व्यक्ति के खिलाफ थ्प्त् दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। गर्ग ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रही घटना सुबह के समय की बताई जा रही है, इसलिए मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह से मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर विषय है।

सुलताना नगरपालिका में 81.09 फीसदी मतदान

चिड़ावा । सुलताना नगरपालिका में पहली बार नगर निकाय बनने के बाद मतदान शांतिपूर्ण रहा। इसको लेकर नगरपालिका क्षेत्र में बनाए गए 19 बूथ पर मतदान के लिए सुबह से ही मतदाता बूथों पर पहुंचते नजर आए। निर्वाचन अधिकारी और तहसीलदार सीताराम कुमावत ने बताया कि सभी जगह शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न हो गया। यहां 25 वार्डों में 128 उम्मीदवारों के भाग्य का फ़ैसला आज में कैद हो गया।

- 25 वार्डों में 128 उम्मीदवारों के भाग्य का फ़ैसला आज में कैद हो गया। श

शाम छह बजे तक 81.09 फीसदी मतदान हुआ। अब सभी मशीन चिड़ावा में मास्टर हजारीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में मतगणना स्थल पर कड़ी सुरक्षा के बीच लॉक रहेगी। 14 सितम्बर को सुबह आठ बजे से यहीं मतगणना होगी और दोपहर तक परिणाम आएगा। दिनभर प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदाताओं को लाने के लिए मान मनुहार में जुटे रहे। पांच संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता तैनात रहा। पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी से कोई अर्पित घटना मतदान के दौरान नहीं हुई। स्काउट गाइड और एनसीसी के बच्चे भी दिनभर सेवा देते नजर आए। 85 वर्षीय बुजुर्ग अजमत, 75 वर्षीय हाफिज व्हील चेयर पर मतदान देने पहुंचे।

मतदान दलों की रवानगी के दौरान अनुपस्थित रहने पर 13 कार्मिकों को नोटिस

- 9 सितम्बर को व्यक्तिशः स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश

सीकर, 8सितम्बर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीकर अनिल कुमार ने बताया कि नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत 8 सितम्बर 2026 को मतदान दलों की रवानगी के दौरान अनुपस्थित रहने वाले 13 कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 9 सितम्बर 2026 को अपना स्पष्टीकरण व्यक्तिशः प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग, राजस्थान, जयपुर द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुसार नगर निकाय आम चुनाव-2026 के लिए 8 सितम्बर को मतदान दलों की रवानगी निर्धारित की गई थी। रवानगी के दौरान अनुपस्थित रहकर निर्वाचन संबंधी निर्देशों की अवहेलना करने एवं चुनाव कार्य के प्रति उदासीनता बरतने के संबंध में संबंधित कार्मिकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्हें निर्देशित किया गया है कि वे 9 सितम्बर को उप जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष व्यक्तिशः उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें तथा यह स्पष्ट करें कि उनके विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों में महिपाल सिंह व्याख्याता शहीद मंगूसिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पनलावा, महेन्द्र कुमार शिक्षक-2 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाटड़ानाऊ, धर्मेन्द्र कुमार गुर्जर शिक्षक-1 राजकीय प्राथमिक विद्यालय 443136 रिले तथा सुरेन्द्र कुमार चेजारा व्याख्याता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय होल्या का बास शामिल हैं।

फतेहपुर व लक्ष्मणगढ़ के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

सीकर । जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने 9 सितम्बर 2026 बुधवार को फतेहपुर व लक्ष्मणगढ़ नगर पालिका के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने मतदान केन्द्रों पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए पोलिंग एजेन्टों को अपना पहचान-पत्र निर्धारित रूप से धारण कर मतदान केन्द्र में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर अनावश्यक भीड़-भाड़ नहीं होने देने तथा मतदान प्रक्रिया के दौरान आवश्यक समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने फतेहपुर में वार्ड नम्बर 28 में अम्बेडकर भवन, विवेकानंद सी.सै. स्कूल में स्थापित बूथ नम्बर 101, बौचीवाल भवन के बूथ नम्बर 128,मालियों की धर्मशाला के बूथ नम्बर 54, विनायक कॉलेज के बूथ नम्बर 26 का निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया के संबंध में पीठासीन अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मदरसा तालीमूल इस्लाम संस्थान के बूथ पर 96 वर्षिय अनारदीन अपने पोते वसीम के साथ मतदान करने के लिए व्हील चैयर पर बैठक कर आए निरीक्षण के दौरान लक्ष्मणगढ़ में सेठ श्रीरामनिवास बह्मदत झुंझुनूंवाला धर्मशाला में स्थापित वार्ड नम्बर 5 (2) मतदान केन्द्र पर मतदाताओं के साथ उचित व्यवहार नहीं करने एवं मतदान कार्य में लापरवाही बरतने पर जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने पीआरओ प्रधानाचार्य कमलेश कुमार को तत्काल बदलने के निर्देश रिटर्निंग अधिकारी भावेश धनवंत को दिये।

मतदान दलों की रवानगी आज

सीकर । जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने बताया कि नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के द्वितीय चरण के मतदान को लेकर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतदान के लिए मतदान दल 10 सितम्बर को संबंधित निकायों के निर्धारित रवानगी स्थलों से अंतिम प्रशिक्षण प्राप्त कर ईवीएम एवं निर्वाचन सामग्री प्राप्त कर अपने-अपने मतदान केन्द्रों के लिए रवाना होंगे।

उन्होंने बताया कि रामगढ़ शेखावाटी के मतदान दल सेठ आर.एन. रुईया पी.जी. कॉलेज रामगढ़ शेखावाटी से, सीकर से श्री कल्याण राजकीय कन्या महाविद्यालय सीकर, धोद से महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय लोसल रोड धोद, लोसल से श्री डेडराज खेतान रा.उ.मा.वि. लोसल से मतदान दल मतदान केन्द्रों के लिए रवाना होंगे।

कमियां पाए जाने पर तीन अन्नपूर्णा रसोई संचालक को इम्प्रूवमेंट नोटिस

सीकर । खाद्य वस्तुओं में मिलावट करने वालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। विभाग की टीमें ने बुधवार को शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत बुधवार को खाद्य वस्तुओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सामग्री के सैम्पल लिए गए। सभी सैम्पलों को जांच के लिए जयपुर खाद्य प्रयोगशाला में भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया, महमूद अली, नंदराम मीणा, सुरेश कुमार शर्मा ने पिपराली रोड स्थित तंदूरी नाइट के यहां से गेहूं का आटा का सैम्पल लिए। वहीं कमियां पाए जाने पर इम्प्रवमेंट नोटिस दिया गया।

रेलवे स्टेशन सीकर के पास अभिनव सेवा संस्थान द्वारा संचालित अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण किया। इस दौरान चावल, नमक का सैम्पल लिया गया।

कमियां पाए जाने पर रसोई संचालक को इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया। टीम ने पुरानी नगर परिषद सीकर के पास खुशबू महिला विकास समिति द्वारा संचालित अन्नपूर्णा रसोई से गेहूं का आटा, दाल का सैम्पल लिया और कमियो को दूर करने के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया। बस डिपो के पास संचालित अन्नपूर्णा रसोई के यहां से धनिया पाउडर व गेहूं के आटाा का सैम्पल लिए। यहां भी कमियां पाए जाने पर मनोरमा संस्थान संचालित को नोटिस दिया गया।

गुड़ामालानी में 87.16 प्रतिशत मतदान

गुड़ामालानी, (निसं) । नगरपालिका गुडामालानी में प्रथम चरण चुनाव में सुबह से शाम तक सभी 20 वार्डो में शान्ति पुर्ण मतदान हुआ। उपखंड अधिकारी एवं निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल विश्नोई सहित अधिकारी समय समय पर बुथो पर जाकर निरीक्षण करते रहे। पुलिस जाब्ता तैनात रहने के साथ पुरी तरीके से व्यवस्थाओं पर कडी नजर रही । बुथो पर सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक मतदाताओं कि कतारें लगनी रहने के साथ उत्साह से मतदान करते दिखे। वहीं पहली बार मतदान करने वाले युवक एवं युवतियां में भी मतदान करने का उत्साह के साथ चेहरों पर रौनक दिखाई दी। वहीं मतदान के दौरान 20 नम्बर वार्ड के मतदाता गुडामालानी विधायक एवं मंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई मतदाताओं के साथ कतार में खडे रहकर नम्बर आने पर अपना मतदान किया।

14 नगरीय निकायों में अध्यक्ष पदों के निर्वाचन के लिए कार्यक्रम जारी

सीकर । जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर सीकर आशीष मोदी द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान के निर्देशानुसार जिले के 14 नगरीय निकायों में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के निर्वाचन के लिए कार्यक्रम जारी किया गया है। आदेशानुसार अध्यक्ष पद के लिए लोक सूचना 15 सितम्बर 2026 को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16 सितम्बर, नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 सितम्बर तथा अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 18 सितम्बर 2026 को अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित की गई है। चुनाव चिह्नों का आवंटन 18 सितम्बर 2026 को अभ्यर्थिता वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के तुरंत पश्चात किया जाएगा।

- नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16 सितम्बर, नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 सितम्बर

अध्यक्ष पद के लिए मतदान 21 सितम्बर 2026 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा तथा मतगणना मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात की जाएगी। उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन 22 सितम्बर 2026 को होगा। उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए बैठक प्रातः 10 बजे, नामांकन पत्रों का प्रस्तुतिकरण प्रातः 11 बजे तक, नामांकन पत्रों की संवीक्षा प्रातः 11.30 बजे से तथा अभ्यर्थिता वापसी दोपहर 2 बजे तक होगी। मतदान आवश्यक होने पर दोपहर 2.30 बजे से सायं 5 बजे तक तथा मतगणना मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात की जाएगी।

पहले चरण में मतदान के साथ झुंझुनूं में दिखा चुनावी घमासान

- फर्जी वोटिंग के आरोप से लेकर मारपीट और ईवीएम विवाद तक गरमाया माहौल, बीएलओ हटाए गए; वार्ड 49 में शिकायत के बाद सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त

झुंझुनूं। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण में बुधवार को झुंझुनूं नगर परिषद सहित जिले की 9 नगरीय निकायों में मतदान हुआ। मतदाताओं ने उत्साह के साथ लोकतंत्र के महापर्व में भाग लिया, लेकिन कई मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान के आरोप, मारपीट, हंगामा, एजेंट को हटाने, बीएलओ पर मतदान प्रभावित करने के आरोप और ईवीएम में तकनीकी खराबी जैसी घटनाओं ने चुनावी माहौल को गर्माए रखा। प्रशासन और पुलिस की मुस्तैदी के बीच विवादित एवं संवेदनशील बूथों पर तत्काल कार्रवाई कर स्थिति को नियंत्रित किया गया।

झुंझुनूं नगर परिषद के वार्ड 35 में मतदान के दौरान फर्जी वोटिंग के आरोप को लेकर हंगामा हो गया। माकपा प्रत्याशी की ओर से फर्जी मतदान कराने तथा मतदान केंद्र के गेट पर तैनात पुलिसकर्मी पर कथित रूप से सहयोग करने के आरोप लगाए गए। इसके बाद प्रत्याशी समर्थक विरोध में उतर आए और मौके पर बहस की स्थिति बन गई। इसी दौरान पुलिस ने माकपा नेता महिपाल पूनियां को वाहन में बैठाने का प्रयास किया। महिपाल पूनियां ने इसका विरोध करते हुए पुलिस के सामने नाराजगी जताई। इसके बाद पुलिस और प्रत्याशी समर्थकों के बीच कुछ देर तक तीखी बहस हुई। सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से समझाइश कर स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में मतदान केंद्र पर मतदान सामान्य रूप से जारी रहा। मतदान के दौरान एक अन्य घटनाक्रम में पार्षद प्रत्याशी के पति के साथ मारपीट और कपड़े फाड़े जाने का आरोप सामने आया। घटना के बाद मतदान केंद्र के आसपास तनाव की स्थिति बनी। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए स्थिति संभाली। मामले में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। नगर परिषद के वार्ड 18 के बूथ नंबर 24 पर बीएलओ पर मतदान प्रभावित करने के आरोप लगे। निर्दलीय प्रत्याशी सहीराम बराला की शिकायत पर निर्वाचन टीम ने बीएलओ का मोबाइल जब्त कर उसे बूथ से हटा दिया। आरओ रामकरण सिंह के निर्देश पर हुई कार्रवाई के दौरान शिकायत में बीएलओ पर प्रत्याशियों के साथ मिलकर मतदान प्रभावित करने तथा एक पार्टी प्रत्याशी का फोन अटेंड करने के आरोप लगाए गए। शिकायत मिलने के बाद निर्वाचन टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। झुंझुनूं नगर परिषद के वार्ड 49 में ईवीएम को लेकर शिकायत ने मतदान व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए।

वार्ड की मतदाता अंजलि ने शिकायत दी कि मतदान केंद्र पर तैनात स्वास्थ्यकर्मी सुशीला ने मदद करने के बहाने उनकी इच्छा के विरुद्ध ईवीएम का बटन दबा दिया। शिकायत सामने आते ही जिला निर्वाचन अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सतीश कुमार शर्मा को सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया। वहीं स्वास्थ्यकर्मी सुशीला को मतदान केंद्र से हटा दिया गया। मामले की सूचना मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई। इस कार्रवाई से स्पष्ट हुआ कि मतदान प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर शिकायत सामने आने पर प्रशासन ने तत्काल हस्तक्षेप किया और व्यवस्था को लेकर जिम्मेदारी तय करने की दिशा में कदम उठाया।

मदन कौर की 91 वीं जयंती पर मूर्ति अनावरण व रक्तदान शिविर 13 को

बालोतरा, (निसं)। मारवाड में शिक्षा की अग्रदूत एवं पूर्व मंत्री मदन कौर की 91वीं जयंती के अवसर पर 13 सितंबर को बालोतरा में उनकी आदमकद मूर्ति का अनावरण किया जाएगा। इसके साथ ही विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन भी होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर वीर तेजाजी जाट समाज छात्रावास में पोस्टर विमोचन कार्यक्रम हुआ। वीर तेजाजी जाट समाज विकास समिति के उपाध्यक्ष पुरखाराम बांगडवा ने कहा कि मदन कौर ने अपना संपूर्ण जीवन गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के उत्थान तथा नारी शिक्षा के लिए समर्पित किया। एडवोकेट रतनलाल चौधरी एवं पूर्व प्रधान लक्ष्मणराम डेलू ने कहा कि मारवाड में महिला नेतृत्व, शिक्षा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में मदन कौर के योगदान को सदैव याद किया जाएगा। कार्यक्रम में आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया गया। समिति सचिव आदूराम भांम्भू, जाट नवयुवक मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सऊ, शिक्षाविद खेराजराम लेगा, डॉ. हरदानराम लॉयल सहित बडी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

दिव्यांग मित्र बनकर लोकतंत्र के प्रहरी बने स्काउट-गाइड

बुजुर्गों से लेकर दिव्यांग मतदाताओं तक की संभाली जिम्मेदारी, मतदान को बनाया सुगम

झुंझुनूं । बुधवार को हुए नगर निकाय आम चुनाव के प्रथम चरण में मतदान प्रक्रिया को सहज और सुगम बनाने में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के स्वयंसेवकों ने सेवा भावना की मिसाल पेश की। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर डा. अरूण गर्ग तथा मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, झुंझुनूं के निर्देशानुसार स्काउट्स-गाइड्स, रोवर्स-रेंजर्स, एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने विभिन्न मतदान केंद्रों पर 'दिव्यांग मित्र' के रूप में अपनी सेवाएं दीं। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि मतदान शुरू होने से लेकर मतदान समाप्ति तक स्वयंसेवक पूरी मुस्तैदी के साथ मतदान केंद्रों पर डटे रहे। स्वयंसेवकों ने वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने और वापस लाने के साथ-साथ उन्हें पानी उपलब्ध कराने, छाया में बैठाने तथा मतदान की कतार में व्यवस्थित रूप से लगवाने में सहयोग किया। दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध करवाकर उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचाने में भी स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सक्रियता से ऐसे मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा गया।

बद्दजनों ने भी उत्साह से मतदान किया।

अलवर में फर्जी वोट डालने पहुंची महिला को पकड़ा, 64.60 प्रतिशत के आसपास वोटिंग

निर्दलीय के समर्थकों का सिर फोड़ा, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र ने अलवर में पहला वोट डाला

अलवर (निसं)। नगर निगम और निकायों के चुनावों की वोटिंग आज शांति पूर्वक हो गई है शाम 6 बजे तक 6 4. 60 प्रतिशत वोटिंग होने की जानकारी सामने आई है । चुनाव मे कही इस बार नोट बाटने के प्रत्याशियों पर आरोप लगे तो कही हाथा पाई की नौबत आई। भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने अपना अपना परिवार सहित बोट डालते हुए अपनी ही पार्टी के बोर्ड बनने की बात दोहराई है। लेकिन अभी सभी प्रत्याशियों का भाग्य पेटी बंद हो गया है जो 14 सितम्बर को खुलेगा तभी पता चल पाएगा कोन जीता कौन हार फिलहाल तो सभी प्रत्याशी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है। भाजपा और कांग्रेस यूजीसी का विरोध भी इस चुनाव में भारी पड सकता है लोगों का अनुमान है कि इस बार बोर्ड बनाने में दोनो ही पार्टियों के पसीने आएगे क्योंकि इस बार किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुत नही मिलने वाला है। रिजल्ट आते ही दोनो ही पार्टिया निर्दलीय प्रत्याशियों की बाडे बंदी में जुट जाएगी। अलवर नगर निगम में सुबह 10 बजे तक 18 प्रतिशत और 1 बजे तक 40, 3 बजे

अलवर में दिग्गज नेताओं ने अपने परिवार सहित मतदान किया।

तक 52.35 प्रतिशत और 6 बजे तक 6 4. 60 से अधिक मतदान हुआ है। दिन में मतदान के दौरान सुबह वार्ड 51 में सुबह 1 घंटे और वार्ड 54 के एक बूथ पर ढाई घंटे ईवीएम बंद रही। वहीं वार्ड 31 में कांग्रेस प्रतयाशी पवन शर्मा के बेटे श्लोक शर्मा को फर्जी वोटिंग के आरोप में पकड़ा। मतदान केंद्र पर भीड़ जुट गई। पुलिस आरोपी को लेकर गई। वार्ड 61 में एक एक युवक और वार्ड 33 में एक महिला को भी फर्जी वोटिंग करने के आरोप में पकड़ा है। वार्ड 61 में तीसरी बार पुलिस को बुलाना पड़ा। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर जिले में नगर निगम अलवर क्षेत्र में पहला वोट डाला है। इससे पहले उनका वोट हरियाणा में था। वहीं, दूसरी तरफ वार्ड नंबर 43 में भाजपा प्रत्याशी और उसके दोनों बेटों पर निर्दलीय प्रत्याशी अजय मीरवाल के समर्थकों के साथ मारपीट करने के आरोप लगे हैं। अलवर नगर निगम के 65 वार्ड में ज्यादातर बूथों पर लंबी लंबी लाइन नजर आई। जेन

■ **दोनों ही पार्टियों ने अपने को बताया विजेता, लेकिन 14 को पता चलेगा किसके सिर बंधेगा जीत का सेहरा**

जी से लेकर बुजुर्ग भी सुबह-सुबह वोट डालने पहुंचे। वार्ड 54 के एक बूथ पर ढाई घंटे तक ईवीएमचालू नहीं होने से सुबह केवल 6 वोट डल पाए। इसके बाद बीप की आवाज नहीं आई। वोटर ने करीब ढाई घंटे तक हंगामा किया। इसके बाद डीएसपी सहित पुलिस जाब्ता पहुंचा। आमजन ने वोटिंग के लिए दो घंटे अतिरिक्त समय देने की मांग की। भूपेंद्र यादव ने कहा कि अलवर में सभी जगहों पर बीजेपी के बोर्ड बनना तय- दो साल से विकास यात्रा जारी। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि पूरे तरीके से हमारे सभी जगह बोर्ड बनने वाले हैं। अलवर को लेकर विकास की यात्रा दो साल से चल रही है। उसे सफलता के मुकाम पर लेकर जाना है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव दिल्ली में कैबिनेट की मीटिंग के बाद अलवर में शाम को वोट डालने आए केंद्रीय मंत्री ने अलवर में खुद के हसन खां स्थित आवास के पास ही आर्य कन्या स्कूल मतदान केंद्र पर वोट डाला। इस दौरान आसपास के लोगों से भी मिले। वोट डालने के बाद केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि स्पष्ट बहुमत से बीजेपी चुनाव जीत रही है। अलवर के वार्ड 33 में महिला को फर्जी वोट डालने की शिकायत पर पकड़ा। पुलिस आकर महिला को अपने साथ लेकर गई। वार्ड के प्रत्याशी के भाई विपिन कुमार ने बताया कि यही महिला दो बार पहले वोट कर चुकी है। अब पुलिस जांच कर रही है। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, मां, पत्नी, बेटे सहित अन्य परिवार के सदस्यों के साथ वोट डालने आए। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने पूरे परिवार के साथ वोट डाले। उनकी बुजुर्ग मां भी साथ आई। पत्नी व बच्चों ने अलवर शहर के पुराना ओवरब्रिज के निकट एचीवर्स एकेडमी बूथ पर वोट डाला। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि नगर निगम, वार्ड की दिशा को तय करने की चाह रखने वाले को 100 प्रतिशत मतदान करना चाहिए। ताकि अच्छे प्रत्याशी जीतकर आएं। अलवर शहर में घर घर वोट डालने गए हैं। 65 में से करीब 55 वार्डों में खुद भी गया हूं। सरकार के विकास के कार्यों को लेकर विशेष रुझान हैं। 14 सितंबर को दो तिहाई बहुमत आने का अनुमान है। केंद्र व राज्य में बीजेपी की सरकार है। इसलिए अलवर में भी जनता को फायदा मिलेगा। कुछ जगह ईवीएम खराब होने पर उनको बदला गया है। वोट के लिए झगड़ा नहीं करे। सबको वोट के अधिकार को काम लेना चाहिए। जितेंद्र सिंह ने कहा - मुख्यमंत्री के आने से कांग्रेस को फायदा हुआ, रिजल्ट बड़ा अच्छा आएगा । पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा - एक-एक वोट डल रहा है। जनता कांग्रेस सरकार को याद कर रही है। अलवर के लिए बड़ी-बड़ी योजना कांग्रेस लेकर आई थी।

भर्ती दफ्तर बने। पैरामिलिट्री के ऑफिस आए। बीजेपी के आने के बाद कुछ नहीं हुआ। सीएम के रोड शो में 500 लोग आए। किसी ने भाषण तक नहीं सुना। सरकारी कर्मचारियों ने ही सीएम का भाषण सुना।

कांस के सफेद फूल से धरती बनी चांदी की चादर

कांस के सफेद फूल मानो धरती पर बिछी चांदी की चादर नजर आ रहे है।

■ **पहाडों की हरियाली के बीच दूर-दूर तक खिले कांस ने बदला मौसम**

उदयपुर, 9 सितंबर। मानसून अब विदाई की ओर है आसमान में बादलों की आवाजाही भले जारी हो, लेकिन प्रकृति ने मौसम बदलने का अपना संदेश दे दिया है। जयपुर-कूकस रोड के आसपास इन दिनों दूर तक फैले कांस के सफेद फूल मानो धरती पर बिछी चांदी की चादर नजर आ रहे हैं। पहाडियों की हरी पृष्ठभूमि के बीच सफेद कांस का यह विस्तार ऐसा दृश्य रच रहा है, जिसे देखते ही निगाहें ठहर जाती हैं।

कांस के फूलों का खिलना भारतीय लोक-परंपरा में लंबे समय से वर्षा ऋतु की विदाई और शरद ऋतु के आगमन से जोडा जाता रहा है। इसकी खूबसूरती का वर्णन गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में भी किया है। विगत शरद रितु आई, देखहूं लक्ष्मण परम सुहाई। फूले कास सकल मही छाई, जनु बरसा कृत प्रकट बुढ ाई।। अर्थात शरद ऋतु आ गई है। कांस के फूलों से पूरी धरती ढ क गई है। ऐसा लगता है जैसे वर्षा ऋतु अब बूढ ी हो चुकी है और अपनी विदाई का संकेत दे रही है।

कांस की खासियत यह है कि यह सामान्यत: किसी खेत की तरह व्यवस्थित तरीके से नहीं उगता। खाली पडी जमीन, सडक किनारे की जगह, नदी-नालों के आसपास या नम मिट्टी वाले खुले क्षेत्रों में यह स्वत: उगने वाला घास कुल का पौधा है। सामान्य परिस्थितियों में इसके पौधे छोटे-छोटे समूहों में दिखाई देते हैं। लेकिन कूकस रोड के आसपास का दृश्य कुछ अलग है। यहां कई स्थानों पर कांस इतनी बडी संख्या में फैला हुआ है कि पहली नजर में लगता है मानो किसी ने इसकी बाकायदा खेती कर दी हो। कई जगह सफेद फूलों का विस्तार दूर तक नजर आता है और हरी पहाडियों के बीच यह पूरा क्षेत्र एक प्राकृतिक लैंडस्केप जैसा दिखाई देता है। कांस को जंगली गन्ना कहा जाता है। यह (घास कुल) का पौधा है और गन्ने की ही वंशावली से संबंधित है। हालांकि इसे सामान्य गन्ने की तरह मीठे रस या चीनी उत्पादन के लिए नहीं उगाया जाता। यह एक बहुवर्षीय घास है, जो भूमिगत तनों यानी राइजोम के माध्यम से फैल सकती है। अनुकूल परिस्थितियां मिलने पर यह खाली जमीन पर तेजी से अपना विस्तार कर लेती है। कांस की एक खास विशेषता यह भी है कि यह कई तरह के चरने वाले पशुओं के लिए पसंदीदा चारा नहीं है। इसी कारण जहां दूसरी वनस्पतियां चराई के कारण कम हो जाती हैं, वहां कांस को फैलने का अवसर मिल सकता है । कांस के फूल भले ऊपर दिखाई देते हों, लेकिन इसकी असली ताकत जमीन के नीचे होती है। इसके राइजोम मिट्टी के भीतर फैलते हैं और उनसे नए पौधे निकलते रहते हैं।

वायुसेना व जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स का संयुक्त हवाई अभ्यास शुरू

संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन 2026' बुधवार से जोधपुर में शुरू हो गया

■ **भारत और जापान की वायु सेनाएं साथ मिलकर अलग-अलग हवाई अभियानों और ऑपरेशनल गतिविधियों में हिस्सा लेंगी**

जोधपुर, (कासं)। भारतीय वायुसेना और जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन 2026' बुधवार से जोधपुर में शुरू हो गया। आज से शुरू हुआ यह अभ्यास 22 सितंबर तक चलेगा। दोनों देशों के बीच होने वाले इस संयुक्त अभ्यास का मुख्य उद्देश्य रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है। इस दौरान भारत और जापान की वायु सेनाएं साथ मिलकर अलग-अलग हवाई अभियानों और ऑपरेशनल गतिविधियों में हिस्सा लेंगी। 'वीर गार्जियन 2026' में शामिल होने के लिए जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स की टुकड़ी पहले ही जोधपुर पहुंच चुकी थी। जापानी दल के पहुंचने के साथ ही अभ्यास की तैयारियों को आगे बढ़ाया गया। जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के दो सी-2 परिवहन विमान जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर उतरे। इन विमानों के जरिए जापानी दल अभ्यास में अपनी भागीदारी के लिए जोधपुर पहुंचा है। इस बार के अभ्यास में जापान के एफ-2 लड़ाकू विमान भी हिस्सा ले रहे हैं। जापानी एफ-2 विमानों की भागीदारी इस संयुक्त अभ्यास को खास बनाती है। जोधपुर में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के साथ जापानी विमान भी हवाई अभियानों का अभ्यास करेंगे। दोनों देशों के वायु योद्धाओं को एक साथ काम करने और अलग-अलग ऑपरेशनल परिस्थितियों में तालमेल बनाने का मौका मिलेगा भारतीय वायुसेना के मुताबिक, 'वीर गार्जियन 2026' का एक उद्देश्य दोनों वायु सेनाओं के बीच ऑपरेशनल तालमेल को बढ़ाना है।

रामदेवरा मेला शुरू होने के साथ बढ़ी चोरियां

रामदेवरा मेला अब चरम पर है, ऐसे में अब जातरूओं का आने का सिलसिला भी तेजी से बढ़ा

■ **रात को परिवार की मौजूदगी में पीछे की खिड़की तोड़कर प्रवेश करती है गैंग**

■ **मथानिया थाना क्षेत्र के सिंधियो की ढाणी, हरिसागर बेरा में चोरों ने एक ही रात में तीन मकानों को निशाना बनाया**

जोधपुर, (कासं)। रामदेवरा मेला अब चरम पर है। ऐसे में अब जातरूओं का आने का सिलसिला भी तेजी से बढ़ा है। हर साल की तरह की इस बार भी जातरूओं की आड़ में चोरों की गैंग आने लगी है। कमिश्नरेट के जिला पूर्व में गुजरी रात एक साथ पांच घरों में चोरी हो गई। डांगियावास, मथानिया और करवड़ थाना क्षेत्र से चोरों ने लाखों के माल पर हाथ साफ किया। सभी चोरियों में एक समानता देखने को मिली कि चोर परिवार की मौजूदगी में पीछे की खिड़की तोड़ कर प्रवेश करते है और वारदात को अंजाम देते है।

डांगियावास थाना क्षेत्र के काकेलाव गांव में एक मजदूर के घर में रात के समय चोरी की वारदात सामने आई है। पीड़ित ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 7- 8 सितंबर की रात करीब 11 बजे से सुबह 3 बजे के बीच अज्ञात चोर घर के पीछे की ओर से घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

पीड़ित नैनाराम पुत्र गोबरराम मेघवाल, निवासी मेघवालों का बास, काकेलाव ने बताया कि परिवार के सदस्य घर के बाहर चौक में सो रहे थे। तब चोरों ने पीछे से दरवाजे के पास की खिड़की तोड़कर घर में प्रवेश किया। सुबह उठने पर घर में चोरी होने का पता चला। रिपोर्ट के अनुसार चोर 3 तोला सोने की टूसी, 3 तोला रकड़ी सेट, 2 सोने की अंगुठियां, 2 सोने के लूंग तथा 2 चांदी की छड़ा की जोड़ियां चोरी कर ले गए। पीड़ित मजदूरी करता है।

इसी प्रकार मथानिया थाना क्षेत्र के सिंधियो की ढाणी, हरिसागर बेरा में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में तीन मकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की नकदी और सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। चोर एक मोटरसाइकिल भी अपने साथ ले गए।

परिवादी मूलाराम पुत्र लाबूराम, निवासी हरिसागर बेरा ने रिपोर्ट में बताया कि कल मध्यरात्रि करीब 12 बजे से 2 बजे के बीच अज्ञात चोर घर की पीछे की खिड़की के लोहे के सरिये तोडक़र अंदर घुसे। चोरों ने पेटी और अलमारी के ताले-कुंडे तोड़कर करीब 7.50 लाख रुपये नकद, करीब डेढ़ तोला सोने का मंगलसूत्र, 40 तोला चांदी का कंदोरा, 7 तोला चांदी की हाथ की चेन सहित चांदी की बिछियां चोरी कर लीं।

इसके अलावा पड़ौस में रखी एक बाइक भी चोरी कर ली गई। रिपोर्ट के अनुसार, चोरों ने पड़ोसी खेमसिंह के मकान के पीछे की खिडक़ी से अंदर घुसकर करीब 20 हजार रुपये नकद, आधा तोला सोने की बिटी, नाक की फीणी, चांदी के छड़े, हाथ का ब्रेसलेट और करीब 50 तोला चांदी की अंगूठियां भी ले ली।

तीसरा प्रकरण करवड़ पुलिस थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार श्रीराम नगर बाडिया पुरोहितान लाछा बासनी निवासी हीरालाल पुत्र घीसूराम माली के घर में भी सितंबर की रात को चोरों ने सैंध लगाकर लाखों के जेवरात और नगदी चुरा ले गए। उसके द्वारा करवड़ थाने में रिपोर्ट दी गई।

कृषि आयुक्त गोयल केशवाना पहुंचे

जालोर, (कासं)। कृषि विभाग के आयुक्त नरेश कुमार गोयल बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र, केशवना पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस दौरान उन्होंने केंद्र की विभिन्न गतिविधियों, प्रदर्शन इकाइयों एवं कृषि प्रसार कार्यों का अवलोकन कर टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने 'खजूर की खेती' एवं 'बाजरा मूल्य संवर्धन' विषयक पुस्तिकाओं का विमोचन किया। पुस्तिकाओं में किसानों के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों एवं मूल्य संवर्धन से संबंधित उपयोगी वैज्ञानिक जानकारी दी गई है। उन्होंने प्रदर्शन इकाइयों का अवलोकन करने के साथ ही कृषि फील्ड के विद्यार्थियों से संवाद कर उनके क्षेत्रीय अनुभवों, किसानों के साथ किए जा रहे कार्य एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण की जानकारी ली तथा उन्हें कृषि क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त निदेशक कृषि मुकेश कुमार शर्मा सहित कृषि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शेखावत व बेनीवाल गर्मजोशी से मिले

■ **मुलाक़ात भले ही अचानक थी, लेकिन दोनों नेता इस दौरान गर्मजोशी से मिले**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान की राजनीति के दो विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं के बीच औचक मुलाक़ात आज बुधवार को चर्चा का विषय रही। वाकया नगरीय निकाय चुनाव के प्रथम चरण के वोटिंग दिवस बुधवार 9 सितंबर को जोधपुर के मंडोर का है। यहां राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की मुलाक़ात केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गजेंद्र सिंह शेखावत से हुई। मुलाक़ात भले ही अचानक थी, लेकिन दोनों नेता इस दौरान गर्मजोशी से मिले।

जानकारी के मुताबिक़ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल अपनी-अपनी पार्टियों के पक्ष में प्रचार करने के सिलसिले में जोधपुर पहुंचे हुए थे। इस दौरान मंडोर क्षेत्र से गुजरते समय दोनों नेता अचानक आमने-सामने आ गए।

राजनीतिक हलकों में हनुमान बेनीवाल और गजेंद्र सिंह शेखावत को धुर विरोधी माना जाता है। हाल ही में संसद के भीतर मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित करने के मुद्दे पर भी दोनों के बीच तीखी बहस देखने को मिली थी।

लेकिन बुधवार को जब ताज़ा मुलाक़ात हुई, तब दोनों नेताओं ने राजनीतिक मतभेदों को पीछे छोड़ दिया। दोनों ऐसे गर्मजोशी से गले मिले जैसे दो मित्र मिल रहे हों।

दोनों नेताओं के बीच ज़्यादा देर के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ 15 सेकंड तक की ही मुलाक़ात हुई और गिने-चुने शब्दों का आदान-प्रदान हुआ। इस बीच आरएलपी की एक प्रत्याशी ने मंत्री शेखावत का अभिवादन किया और आशीर्वाद माँगा। बेनीवाल और शेखावत के बीच इस मुलाक़ात के वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं चुनावों के इस गर्म माहौल के बीच राजस्थान के दो कद्दावर नेताओं की यह सौहार्दपूर्ण मुलाकात सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं।

एक करोड़ के जेवर चोरी, तीन आरोपी पकड़े

उदयपुर। शहर के पंचवटी स्थित नवीन ज्वेलर्स से एक करोड़ के जेवरात चोरी करने वाली गैंग का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से साठ लाख का माल बराम किया। नवीन सरूपरिया प्रोपराईटर नवीज ज्वलर्स ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 29 जुलाई 2026 रात में अज्ञात चोर पंचवटी स्थित नवीन ज्वेलर्स को शटर उंचा कर कॉच का गेट तोड़ कर 22 लाख के हिरे के जेवरात, 390 ठााम सोने के आभूषण, 12 किलों चांदी के जेवरात और बर्तन तथा 9 लाख 75 हजार रूपये नकदी चोरी की वारदात हुई थी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा,पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव के सुपरविजन में हाथीपोल थानाधिकारी राजूदेवी मय टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर चोरी की वारदात का खुलासा किया। अन्तर्राज्यी गैंग के धनपोल आगरा युपी, मुख्य सरगना आनन्द आगरा यूपी, गुड्डू पुत्र राजाराम राठौड़ निवासी नगला मुक्ता शमशाबाद आगरा यूपी को गिरफ्तार किया।

अंतिम दिन केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने चुनाव प्रचार में झोंकी ताकत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर नगर निगम चुनाव प्रचार अभियान के अंतिम दिन केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में विभिन्न वार्डों में सघन जनसंपर्क किया। उन्होंने पैदल मार्च, वाहन रैली और चुनावी सभाओं के माध्यम से मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। प्रचार अभियान के दौरान शेखावत ने उम्मेद चौक, अजय चौक और बागर चौक क्षेत्र में पैदल मार्च कर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आठाह किया। विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं और आमजन ने उनका साफा पहनाकर एवं फूल मालाओं से स्वागत-अभिनंदन किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री रातानाडा की सांसी बस्ती पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा वार्ड संख्या 76 की प्रत्याशी मानशी पोपावत के समर्थन में आयोजित रैली में हिस्सा लिया। शेखावत खुली गाड़ी में सवार होकर रैली के रूप में बस्ती में पहुंचे। इसके पश्चात आयोजित चुनावी सभा में उन्होंने आमजन से संवाद किया और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन मांगा। शेखावत ने स्वागत-अभिनंदन के लिए क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बस्ती के विकास के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना है। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भाजपा के साथ खड़े रहने और क्षेत्र के विकास में सहयोग का भरोसा दिलाया। इसके बाद शेखावत नागोरी गेट होते हुए अजय चौक, माली नागोरिया बास, उम्मेद चौक और बागर चौक क्षेत्रों में पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा की वार्ड संख्या 85 से प्रत्याशी श्रीमती गीता रणजीत निर्वाण के समर्थन में पैदल मार्च कर जनसमर्थन मांगा। मार्ग में अनेक स्थानों पर केंद्रीय मंत्री का साफा पहनाकर स्वागत किया ।

लम्बित छात्रवृति आवेदनों की नियमानुसार जांच कर 15 दिवस में अग्रेषित करें

सीकर, 9 सितम्बर। उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग प्रियंका पारीक ने बताया कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत शैक्षिणक सत्र 2025-26 के शिक्षण संस्थान स्तर पर लगभग 3,500 छात्रवृति आवेदन पत्र लम्बित हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षण संस्थान स्तर पर लम्बित छात्रवृति आवेदन पत्रों की नियमानुसार जांच कर पात्र विद्यार्थियों के आवेदन पत्र 15 दिवस में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कार्यालय को अग्रेषित करवाए जाएं।

कार्यालय पंचायत समिति धवा, जिला जोधपुर

क्रमांक : 06 दिनांक: 05.09.2026

E- TENDER NOTICE No. 2026-27/06

पंचायत समिति धवा में कार्यालय परिसर में प्रोटोटाइप आवास निर्माण के दो कार्य करवाये जाने है। अनुमानित लागत 7.65 लाख और 5.00 लाख अंतिम तिथी 11.09.2026 समय 18.00 बजे तक। इस हेतु राजस्थान सरकार / केन्द्र सरकार के निर्माण विभागों, राज्य व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों इत्यादि में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से जो कि निविदा की लागत के कार्य करने में सक्षम हो, से मुहरबंनद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण एवं शर्तों की जानकारी https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN- PDW2627WSOB00134 and PDW2627WSOB00135

विकास अधिकारी
पंचायत समिति धवा

DIPR/C/15815/2026

OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER PWD ZON E KOTA

No.1527 Dated 01.09.2026

NIT No. 19/2026-27
Notice Inviting Bid
NIB No. PWD2627A2592

Bids for PWD Zone Kota are invited Budget Announcement 2026-27 Road Work in District Baran from interested bidders upto 6.00 pm, 28.09.2026 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan and http://pwd.rajasthan.gov.in website. The approximate value of the procurement is Rs. 402.98 lacs. (1 Works)

UBN No. PWD2627WSOB11522

Addl. Chief Engineer
PWD Zone Kota

DIPR/C/15678/2026

घर से निकली नाबालिग ट्रेन में सुरक्षित बरामद

कोटा, (निसं)। ट्रेन नम्बर 20452 में घर से निकली नाबालिग लड़की के होने की सूचना पर ट्रेन में कार्यरत टीटीई ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेन में यात्रा कर रही नाबालिग को ट्रेन के जनरल कोच से सुरक्षित बरामद किया, जिसे ट्रेन के सवाई माधोपुर पहुंचने पर रेलवे सुरक्षा बल को सौंपा गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि नियंत्रण कक्ष से ट्रेन नम्बर 20452 में कार्यरत टीटीई धर्मेंद्र खंगार को सूचना दी गई कि घर से बिना बताए निकली एक नाबालिग लड़की के इसी ट्रेन में यात्रा करने की संभावना है। सूचना मिलते ही धर्मेंद्र खंगार ने साथी टीटीई अजय कुमार के साथ ट्रेन के कोचों में उसकी तलाश शुरू कर दी।

चित्तौडगढ़ में आबकारी दल की कार्रवाई में एथेनॉल से भरा टेंकर जब्त

उदयपुर, 9 सितंबर। आबकारी आयुक्त के निर्देशानुसार प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के तहत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधात्मक गतिविधियों के तहत चित्तौडगढ में आबकारी दल की कार्रवाई के तहत एथेनॉल से भरा टेंकर जब्त किया। टेंकर के वॉल्व बॉक्स की सील टूटी मिली है। प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। चित्तौडगढ जिला आबकारी

एथेनॉल से भरे टैंकर को सीज करते हुए चालक को गिरफ्तार किया ।

अधिकारी लोकेश जोशी के अनुसार सूचना के आधार पर एथेनॉल से भरे टेंकर की जांच करने पर उसके वॉल्व बॉक्स की सील टूटी हुई मिली। टेंकर में 215 किलोग्राम वजन में कमी सहित 33 एमएम गेज भी कम था। उक्त संदेहास्पद स्थिति के तहत 39 हजार 900 लीटर एथेनॉल से भरे टैंकर को सीज कर चालक बच्चूसिंह को गिरफ्तार किया । इस प्रकार आबकारी एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। कार्रवाई में एईओ महिपाल

■ **39 हजार 900 लीटर एथेनॉल से भरे टैंकर को सीज कर चालक बच्चूसिंह को गिरफ्तार किया**

सिंह, एईओ शुभम सोनी, सीआई दिगंबर दयाल एवं पीओ धोलाराम शामिल रहे। अलवर में टोयाटा कार से 196 पव्वे आईएमएफएल एवं देशी शराब के जब्त किए साथ ही आरपीएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई में 24 बोतल अंग्रेजी शराब फोर सेल इन चंडीगढ बरामद करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पाली में ईपीएफ टीम ने 6 कार्टन में भरी देशी मदिरा जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। बैंक में कंप्यूटर ऑपरेटर पद पर सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर धोखाधड़ी कर लाखों रूपये हडपने के दर्ज मामले में नयापुरा पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि फरियादी दुर्गालाल मेघवाल ने नयापुरा थाने मे रिपोर्ट दी।

फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसके लड़के को सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर 19 सितम्बर 2024 को मनोज कुमार नाम के व्यक्ति ने 4,50,000 रूपया का एक चेक चेक प्राप्त किया व दूसरा चेक 13 हजार रूपया का प्राप्त किया तथा उसके पोत्र हर्षवर्धन से 1,50,000 रूपया नकद प्राप्त किये तथा उक्त चेको का भी भुगतान प्राप्त कर लिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड, मेडतासिटी

कमांक :- अअमे / निविदा/2026-27/2358-60 दिनांक:-31/8/2026

निविदा सूचना सं. 08-20/2026-2027

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अधीन जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण कार्य उपर्युक्त श्रेणी में जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिक विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूरसंचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए, ए, बी, सी डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म दिनांक 10.09.2026 को 18.00 बजे तक डाउनलोड किए जा सकेंगे। निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि दिनांक 10.09.2026 को दोपहर 18:00 बजे तक खण्डीय कार्यालय अथवा अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय में जमा करवाई जा सकेंगी। निविदाएं दिनांक 11.09.2026 को 15:00 बजे खण्डीय कार्यालय में खोली जावेगी।

निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं ।

क्रम सं.	निविदा सूचना संख्या	एसपीपी यूबीआई नम्बर
1	08/2026-27	PHE2627WSRCO3832
2	09/2026-27	PHE2627WSRCO3834
3	10/2026-27	PHE2627WSRCO3845
4	11/2026-27	PHE2627WSRCO3846
5	12/2026-27	PHE2627WSRCO3848
6	13/2026-27	PHE2627WSRCO3862
7	14/2026-27	PHE2627WSRCO3866
8	15/2026-27	PHE2627WSRCO3867
9	16/2026-27	PHE2627WSRCO3869
10	17/2026-27	PHE2627WSRCO3873
11	18/2026-27	PHE2627WSRCO3875
12	19/2026-27	PHE2627WSRCO3877
13	20/2026-27	PHE2627WSRCO3881

(त्रिप्त रास मीना)
अधिशाषी अभियन्ता,
जन स्वा.अभि. विभाग
खण्ड, मेडतासिटी
मोबाईल नं. 9460211021

DIPR/C/15630/2026

जेन-ज़ी की ताकत के आगे झुकी सत्ता : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जयपुर में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया एवं डिजिटल मंच विभाग द्वारा आयोजित बदलाव के लिए जेन-ज़ी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी वर्षों से युवाओं, छात्रों और आम जन के अधिकारों के लिए सड़क से संसद तक लगातार संघर्षरत रहे हैं और आज देश के युवाओं की आवाज और उनके दिलों की धड़कन बन चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अब सत्ता पक्ष भी केवल राजनीतिक विवशता में जेन-ज़ी से संपर्क साधने का ढोंग कर रहा है।

खोया पाया

मेरे प्लॉट नम्बर-78, केदार विहार, गाँव- कोडर, सांगानेर, जयपुर का ओरिजनल अलाटमेंट लेटर + कब्जा पत्र कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें। सुदर्शन अरोड़ा-8385041199

मैं विनोद कुमार शर्मा S/o शिव नारायण शर्मा हुं की मेरी प्रॉपर्टी पटेल नगर योजना ग्राम पंचायत सिवार भूखंड संख्या A-55 प्रकाश पुत्र घांसी लाल बागड़ा के नाम से मूल पट्टा था जो कही गुम हो गए है। मिलने पर सूचित करे -9785277838

नाम परिवर्तन

मैं कल्पना कुमारी/कल्पना (वरिष्ठ अध्यापिका) राकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बालापुरा ग्राम पंचायत दसूक, ब्लॉक-अराई (अजमेर) में कार्यरत हूं मैंने अपना नाम कल्पना कुमारी/कल्पना से बदलकर कल्पना मौर्य रख लिया है, अतः भविष्य में मुझे कल्पना मौर्य के नाम से ही जाना एवं पहचाना जाए।

I have changed my daughter name from Vrinda to Vrinda Gautam D/0 Karan Sharma for all purpose. Resi.:- M-14, Anandpuri, Near Delhi Eye Hospital, Adarsh Nagar, Jaipur. Karan Sharma (Father).

I army no 14515148P Ex HONORARY NAIB SUBEDAR Ranveer singh shekhawat resident of 56-B shri narayan nagar vistar dadi ka phatak jhotwara jaipur that i want to change name of my spouse from BAWAR KANWAR to BHANWAR KANWAR vide affidavit dated 2 sep 26 before sub divisional magistrate jaipur city south

I Naveen kulhari S/O Ramesh Chandra resident of churu (Raj asthan) that my son name is wrong entered in education documents VIJIT but correct name is VIJIT KULHARI. in future called him VIJIT KULHARI for all purposes.

I naveen kulhari S/O ramesh chandra resident of churu (Rajasthan) that my son name is wrong entered in education documents VAIBHAV but correct is VAIBHAV KULHARI . in future called him VAIBHAV KULHARI for all purposes

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री अजय फौजदार पुत्र श्री हरेन्द्र सिंह फौजदार, निवासी 404, आदित्य रेजीडेंसी, जगतपुरा, जयपुर ने एक पुरानी कार ऑडी (AUDI), रजिस्ट्रेशन नंबर RJ 19 CK 6215, श्री यशवर्धन विजयवर्गीय पुत्र श्री ललित विजयवर्गीय, निवासी 117, बजाज नगर, गांधीनगर, जयपुर, राजस्थान से कुल विक्रय प्रतिफल रू. 11,00,000/- (ग्यारह लाख रूपये) का पूर्ण भुगतान कर, माह जनवरी 2025 में निष्पादित लिखित एग्रीमेंट (विक्रय अनुबंध) के द्वारा क्रय किया था।
परन्तु अब यशवर्धन विजयवर्गीय की नीयत में खोट आने के कारण उक्त वाहन को वह पुनः रीफाईनेन्स कराने या किसी अन्य को बेचने पर उतारू है। इसके संदर्भ में एफआईआर क्रमांक 0406 दिनांक 13.08.2026, थाना रामनगरिया, जयपुर शहर (पूर्व), में मेरे अभिभाष्य द्वारा कराई गई है। इस आम सूचना के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति उक्त वाहन संख्या RJ19 CK 6215 का क्रय करता है, तो उसके द्वारा किया गया लेन-देन शून्य एवं अमान्य माना जाएगा, जिसका जिम्मेदार वह व्यक्ति स्वयं होगा। मेरे अभिभाष्य की इसमें कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
अधिवक्ता
दिनांक: 08-09-2026 RMA & Associates, जयपुर
राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर, मो. 9829011299

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती अमीना पत्नि श्री पप्पू निवासी-मकान नं.37 मिलन कॉलोनी, पुलिया नं.2 चारदरवाजा जयपुर का पुत्र सलमान उनके कहने में नहीं है, सलमान मेरी अभिभाष्या का कहना नहीं मानता है एवं लडाई झगडा करता है। इसलिये मेरी अभिभाष्या व उसके पति अपने पुत्र सलमान से दुःखी है, इसलिये मेरी अभिभाष्या ने अपने पुत्र सलमान को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल करते हुए सलमान से अपने सम्बन्ध समाप्त कर लिये है। भविष्य में कोई भी व्यक्ति एवं संस्था मेरी अभिभाष्या के पुत्र सलमान से कोई भी लेन देन संव्यवहार करेगा तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहें।
जयपुर (सय्यद शकील अहमद) एडवोकेट
दिनांक-8/9/26 मो.-9413418056, 9024792334

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक :- 2603 दिनांक : 29/07/2026

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास / फ्लैट संख्या 267/57 (MIG-B) का आवंटन श्री अरविन्द कुमार सेठ पुत्र श्री देव प्रकाश सेठ को किया गया था। तत्पश्चात सुश्री नीना सेठ पुत्री स्व. श्री डी. पी. सेठ द्वारा आवासन मण्डल मे नजदिकी रिश्तेदार के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर मण्डल रिकार्ड मेइस कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 85 दिनांक 12.04.1990 के द्वारा इनका नाम दर्ज किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 5264 दिनांक 28.01.2009 को जारी किया गया। सुश्री नीना सेठ द्वारा श्री उमेश चन्द गुप्ता पुत्र स्व. श्री मनोहरी लाल गुप्ता को दिनांक 09.09.2009 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री उमेश चन्द गुप्ता द्वारा सुश्री नीना सेठ के पक्ष मे पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 26.11.2009 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री उमेश चन्द गुप्ता द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र श्री योगेश उपाध्याय पुत्र श्री शिव चरण लाल उपाध्याय को दिनांक 29.12.2009 विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम जयपुर मे पंजीकृत करवाया गया गया। क्रेता श्री योगेश उपाध्याय पुत्र श्री शिव चरण लाल उपाध्याय द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती होतो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री योगेश उपाध्याय पुत्र श्री शिव चरण लाल उपाध्याय का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भगवान विष्णु की प्राचीन मूर्ति को सोने की बताकर बेचने की कोशिश करने वाला पकड़ा

सीआईडी ने ''ऑपरेशन भगवान विष्णु'' चलाकर शातिर ठग को गिरफ्तार किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के गलता गेट थाना क्षेत्र में सीआईडी (सीबी) और पुलिस की संयुक्त टीम ने ''ऑपरेशन भगवान विष्णु'' के तहत कार्रवाई करते हुए भगवान की प्राचीन दुर्लभ मूर्ति को सोने की बताकर बेचने की कोशिश करने वाले एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 21 इंच लंबा अष्टधातु का विग्रह बरामद किए हैं। समय रहते की गई इस कार्रवाई से दोनों धर्मों के लोगों के बीच सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास विफल हो गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि सीआईडी-सीबी की स्पेशल टीम के सहायक उपनिरीक्षक दुष्यन्त सिंह और हेड कांस्टेबल शाहिद अली को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कार्रवाई की शुरुआत करीब 15 दिन पूर्व हुई, जब सीआईडी (सीबी) के हैड कांस्टेबल शाहिद अली को गुप्त मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहजाद नामक व्यक्ति के पास एक पुरानी सोने की मूर्ति उपलब्ध है और वह उसे बेचने की कोशिश कर रहा है। सूचना को विकसित करने के बाद टीम ने आरोपी की पहचान और गतिविधियों पर नजर रखी। इसके बाद दोनों पुलिसकर्मियों ने बोगस ग्राहक बनकर आरोपी से संपर्क किया। आरोपियों ने शुरुआत में मूर्ति की कीमत 10 लाख रुपये मांगी, लेकिन बोगस ग्राहक बने शाहिद अली से मोलभाव के बाद सौदा 3 लाख 10 हजार रुपये नगद में तय हुआ। इसके बाद गलतागेट थाना क्षेत्र में आरोपी से सौदे की रकम 3 लाख 10 हजार रुपये भी सौंप दी गई। इस रकम में

भगवान का विग्रह

आरोपी अब्दुल समद

ऊपर नीचे के दोनों असली थे, बाकी सभी नोट भारतीय मनोरंजन बैंक के थे। जिसे बाद में थाना पुलिस ने आरोपी के पास से बरामद कर लिए। मूर्ति को देखने पर उसके सोने की नहीं होने का संदेह स्पष्ट हुआ। इसके बाद टीम ने तत्काल आरोपी को मौके पर ही दस्तयाब कर लिया। संबंधित पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा के समन्वय से गलतागेट थानाधिकारी धर्मेन्द्र शर्मा को सूचना दी गई। गलतागेट थाना पुलिस के जाप्ते की मदद से सूरजपोल अनाज मंडी के सामने आरोपी अब्दुल समद निवासी सलेमपुर, करौली को पकड़कर गिरफ्तार करवाया गया और आगे की कार्रवाई के लिए थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ में अब्दुल कादिर ने बताया कि सौदा पक्का होने के बाद मंगलवार 8 सितंबर की रात शहजाद के कहने पर अब्दुल समद ने अब्दुल कादिर को मूर्ति की डिलीवरी देने जयपुर भेजा और इस काम के बदले उसे 10 हजार रुपये मिलने थे।

बरामद भगवान की मूर्ति को पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञों से परीक्षण कराया जाएगा। परीक्षण के बाद यह स्पष्ट होगा कि मूर्ति कितनी पुरानी है, किस धातु की बनी है और इसका कोई ऐतिहासिक अथवा पुरातात्विक महत्व है या नहीं। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ के आधार पर यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि मूर्ति उसे कहां से मिली और क्या इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह या नेटवर्क सक्रिय है। साथ ही मूर्ति की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 21 इंच लंबा अष्टधातु का विग्रह बरामद किया। समय रहते की गई इस कार्रवाई से दोनों धर्मों के लोगों के बीच सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास विफल हो गया।
- बरामद मूर्ति को पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञों से परीक्षण कराया जाएगा, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मूर्ति कितनी पुरानी है, किस धातु की बनी है और इसका कोई ऐतिहासिक अथवा पुरातात्विक महत्व है या नहीं।

इस सम्पूर्ण कार्रवाई में सीआईडी (सीबी) के उप निरीक्षक शैलेन्द्र शर्मा कुशल नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक दुष्यन्त सिंह और हेड कांस्टेबल शाहिद अली की विशेष भूमिका रही। हेड कांस्टेबल बृजेश कुमार, कृष्ण गोपाल और कुलदीप सिंह का भी सराहनीय योगदान रहा। गलतागेट थाना पुलिस की ओर से थानाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक बलबीर सिंह, हेड कांस्टेबल प्रदीप, कांस्टेबल विजय और राजू सिंह ने सहयोग किया।

राजस्थान संपर्क पर अब होगी ई-जनसुनवाई

जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क हैल्पलाइन (181) में परिवादियों से वीडियो कॉल पर संवाद कर उनकी समस्याएं जानी।

जयपुर (कासं)। राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन को और अधिक मजबूत करने के लिये अब ई-जनसुनवाई प्रक्रिया को अपनाया गया है। बुधवार को जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क हैल्पलाइन (181) पहुंचकर इस पहल की शुरूआत की और परिवादियों से वीडियो कॉल पर संवाद कर उनकी समस्याएं जानी तथा समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ई-जनसुनवाई के माध्यम से परिवादी भागचंद यादव और मुकेश प्रजापत की समस्या को सुना, समझा और विभाग के अधिकारियों से वीडियो वार्तालाप कर समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। एसीएस अभय कुमार ने बताया कि वीडियो सुनवाई से परिवादी अपनी समस्या को बेहतर तरीके से समझा सकता है, मौके पर ही पता लगाया जा सकता है कि उसकी समस्या को संबंधित अधिकारी ने ठीक से समझा या नहीं। उम्मीद है कि इस प्रयोग से समस्या समाधान और संतुष्टि स्तर में काफी सुधार होगा। कुमार ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रकरणों के निस्तारण की औसत अवधि, लंबित मामलों, कम संतुष्टि प्राप्त श्रेणियों तथा

- अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने हैल्पलाइन पहुंचकर परिवादियों से वीडियो कॉल पर बात की

जल संसाधन विभाग से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवादी की समस्या का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही राजस्थान संपर्क पोर्टल की कार्यक्षमता को बढ़ाने, डेटा का विश्लेषण करने के लिए पोर्टल को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इनेबल्ड किया जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने संपर्क पोर्टल को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सक्षम किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि इससे आमजन की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाया जा सकेगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय अपनाने, विभागीय अधिकारियों को परिवादियों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए।

मोतीडूंगरी गणेशजी को अर्पित किए विशाल मोदक

251 किलो के दो विशाल मोदक रहे आकर्षण का केन्द्र

जयपुर। गणेश जन्मोत्सव के अवसर पर मोती डूंगरी गणेश मंदिर में बुधवार को मोदकों की भव्य झांकी सजाई गई। इसमें 251-251 किलो के दो विशाल मोदक, 51-51 किलो के पांच और 21-21 किलो के 21 मोदक शामिल रहे। इसके अलावा 1.25 किलो वजन के 1100 मोदक और हजारों छोटे मोदक भी झांकी में सजाए गए।

मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मोदक तैयार करने में करीब 3000 किलो घी, 3000 किलो बेसन, 9000 किलो शक्कर और 1000 किलो सूखे मेवों का उपयोग किया गया। भक्तों के लिए सुबह 5 बजे से मोदक झांकी के दर्शन शुरू हुए, जो देर रात तक जारी रहे। इस दिन मंदिर में बाहर से लाया गया प्रसाद न तो चढ़ाया गया और न ही स्वीकार किया गया। भगवान गणेश को 21, 108 और 1008 मोदक अर्पित किए गए।

वहीं शाम 6 बजे सुगम संगीत और कथक की प्रस्तुति हुई, जबकि शाम 7 बजे श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क प्रसाद वितरण किया गया।महंत शर्मा ने बताया कि मंदिर में 10 सितंबर को फलों, 11 सितंबर को सब्जियों और 12 सितंबर को फूलों की विशेष झांकी सजाई जाएगी।

इन झांकियों में प्रकृति और भक्ति का संगम देखने को मिलेगा। तीनों दिन शाम 6 बजे कथक की

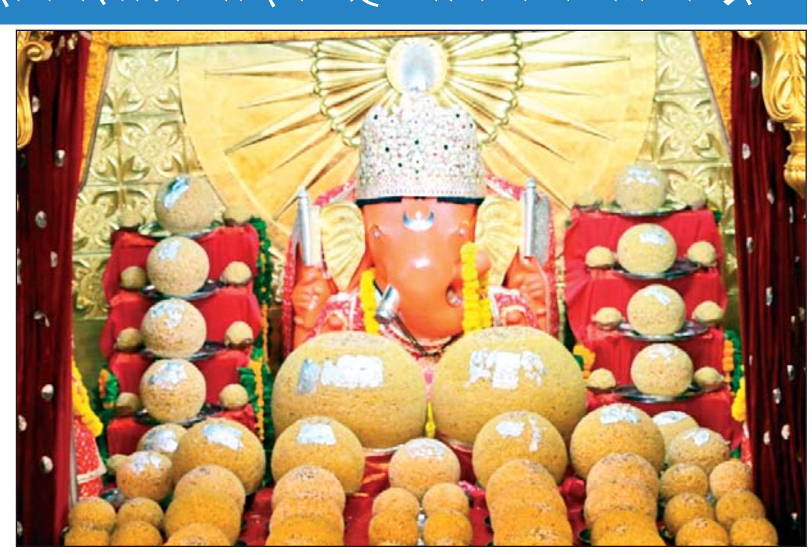

प्रस्तुति होगी। इसके अलावा ध्रुपद, सुगम संगीत और कथक के कलाकार अपनी कला भगवान गणेश को समर्पित करेंगे।

गौरतलब है कि 13 सितंबर को मेहंदी पूजन और सिंजारा होगा। 14 सितंबर को गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन सुबह 5 बजे मंगला आरती से रात 11:40 बजे शयन आरती तक श्रद्धालुओं को दर्शन होंगे। विशेष पूजन सुबह 11:20 बजे, श्रृंगार आरती 11:30 बजे, भोग आरती दोपहर 2:15 बजे और संध्या आरती शाम 7 बजे होगी। भोग के दौरान दोपहर 1:30 से 2 बजे तक मंदिर के पट मंगल रहेंगे। 15 सितंबर को गणेश जी का नगर भ्रमण होगा।

जयपुर की बदहाली पर रोड शो भारी : खाचरियावास

जयपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जयपुर में हुए रोड शो पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बिना अनुमति रोड शो के कारण शहर में करीब पांच घंटे तक जाम की स्थिति रही। इससे आमजन, व्यापारी, कर्मचारी और जरूरी काम से निकले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

खाचरियावास ने कहा कि जो मुख्यमंत्री चुनाव के दौरान प्रतिबंधित वॉल सिटी में बिना अनुमति रोड शो कर जनता को घंटों जाम में फंसा सकते हैं, वे जयपुर और राजस्थान का भला कैसे करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई साल से जयपुर और प्रदेश की जनता समस्याओं से परेशान है। मुख्यमंत्री खुद जयपुर से विधायक हैं और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भी जयपुर से विधायक हैं, इसके बावजूद शहर की सड़कों के गड्ढे तक नहीं भरे जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय बनी सड़कों के गड्ढे भरने में भी भाजपा सरकार विफल रही है।

15 हजार का इनामी हथियार तस्कर 15 माह बाद गिरफ्तार

जयपुर। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के मामले में 15 माह से फरार चल रहे 15 हजार रुपए के इनामी आरोपी मुनेन्द्र सिंह उर्फ मन्नू (35) निवासी लखनपुर जिला भरतपुर हाल मानसरोवर जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार, चोरी और मारपीट के छह मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसे मानसरोवर स्थित किराए के फ्लैट से पकड़ा। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 21 मई 2025 को उनियारों के रास्ते स्थित एक मकान में हथियार होने की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी थी। जहां मौके से राहुल मीणा और राहुल साहू को गिरफ्तार कर एक देशी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। इस संबंध में आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

पूछताछ में राहुल मीणा ने बताया था कि जेल में रहने के दौरान उसकी दोस्ती भरतपुर निवासी मुनेन्द्र सिंह से हुई थी। मुनेन्द्र ने खुद को हथियार सप्लायर बताते हुए जेल से बाहर आने पर संपर्क करने को कहा था। बाद में राहुल भरतपुर गया, जहां मुनेन्द्र ने उसे एक देशी कट्टा और आठ कारतूस दिए थे। मामला दर्ज होने के बाद से मुनेन्द्र फरार था।आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थानाधिकारी भंवर सिंह राठौड़ की अगुवाई में विशेष टीम गठित की गई।

उत्तर पश्चिम रेलवे

शुद्धि पत्र संख्या 2

ई-बिडिंग प्रक्रिया की समय-सारणी में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है: **क्र. सं.:** 1। **घटना का विवरण:** बोली शुरू होने की तिथि। **वर्तमान तिथियां:** 09.09.2026। **संशोधित तिथियां:** 16.09.2026। **क्र. सं.:** 2। **घटना का विवरण:** निविदा बंद होने की तिथि। **वर्तमान तिथियां:** 23.09.2026। **संशोधित तिथियां:** 30.09.2026। **क्र. सं.:** 3। **घटना का विवरण:** RFP के क्लॉज संख्या 2.11.2 में सूचीबद्ध सभी दस्तावेजों का भौतिक जमा (+ 3 कार्य दिवस)। **वर्तमान तिथियां:** 26.09.2026। **संशोधित तिथियां:** 05.10.2026 15:00 बजे तक। **क्र. सं.:** 4। **घटना का विवरण:** बोली खोलने की तिथि और समय (+ 3 कार्य दिवस)। **वर्तमान तिथियां:** 26.09.2026 को 15:00 बजे। **संशोधित तिथियां:** 05.10.2026 को 15:30 बजे। **नोट:**- 1. बोलीदाताओं को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल (www.ireps.gov.in) पर पंजीकरण करने के बाद तथा ई-बिड ऑनलाइन डाउनलोड करने की अंतिम तिथि और समय से पहले निविदा प्रसंस्करण शुल्क और बिड दस्तावेज शुल्क का भुगतान करके दस्तावेज डाउनलोड करने होंगे। 2. सभी बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे ई-बिड जमा करने से पहले RFP के संशोधन और/या शुद्धिपत्र (यदि कोई हो) अवश्य देख लें। यदि बोलीदाता संशोधित बिड/संशोधन जमा नहीं करता है, तो यह माना जाएगा कि बोलीदाता ने संशोधन/शुद्धिपत्र देख लिया है और बिड तथा ई-बिड का मूल्यांकन उसी अनुसार किया जाएगा। रेलवे का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा। 3. इस RFP सूचना का शुद्धिपत्र उपर्युक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित होगा। यह दस्तावेज निविदा दस्तावेज का एक हिस्सा बनेगा। मूल निविदा दस्तावेज के अन्य सभी विवरण अपरिवर्तित रहेंगे।

मुख्य अभियंता/निर्माण/मुख्यालय

1310-MG/26

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

पोस्टर-बैनर उतारने को लेकर निगम कर्मचारियों और समर्थकों में विवाद

जयपुर। निकाय चुनाव के माहौल के बीच मानसरोवर क्षेत्र के पत्रकार कॉलोनी थाना इलाके में चुनावी पोस्टर-बैनर हटाने को लेकर नगर निगम कर्मचारियों और दो पक्षों के समर्थकों के बीच विवाद हो गया। मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से समझाइश कर मामला शांत कराया।

जानकारी के अनुसार नगर निगम कर्मचारियों की टीम चुनावी पोस्टर-बैनर हटाने की कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान कर्मचारियों ने मुकेश काका का एक पोस्टर हटाया। इसके बाद कर्मचारियों द्वारा धर्मसिंह सिंघानिया के तीन से चार पोस्टर भी हटाए गए। इसे लेकर धर्मसिंह के समर्थक नाराज हो गए और मौके पर विवाद की स्थिति बन गई।मामले की जानकारी मिलते ही धर्मसिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने निगम कर्मचारियों से चुनावी पोस्टर-बैनर हटाने में नियमों के अनुसार समान रूप से कार्रवाई करने की बात कही।

6 माह से कम समय में रीको ने जारी की 2800 करोड़ रुपए की 250 से अधिक स्वीकृतियां

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और उद्यमियों को आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में रीको द्वारा लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत की निर्बाध उपलब्धता, सड़कों के निर्माण एवं सुधार तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के आधुनिक

- 15 नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए 1100 करोड़ रु. प्रशासनिक मंजूरी जारी की

एवं सुदृढ़ विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम छमाही पूरी होने से पहले ही रीको द्वारा 2800 करोड़ रुपये से अधिक की 250 से ज्यादा वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी की जा चुकी हैं।

इसके साथ ही विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास एवं उन्नयन के लिए 1460 कार्यादेश जारी किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 1000 करोड़ रुपये से अधिक है। ये कार्यादेश औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों, विद्युत, जल निकासी सहित अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विकास एवं सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राज्य में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार करने के उद्देश्य से रीको द्वारा 15 नए औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना एवं विकास के लिए 1100 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी की गई हैं। इनमें स्टोन मंडी, बडनूर (अजमेर), औद्योगिक क्षेत्र देरोली (कोटा), औद्योगिक क्षेत्र सांकरिया (भीलवाड़ा), औद्योगिक क्षेत्र देवनगर, तहसील फागी (जयपुर), स्टोन मंडी, दौसा, औद्योगिक क्षेत्र हाजी सागर (मंडौर) तथा औद्योगिक क्षेत्र राजूखेड़ा, तहसील रामगंजमंडी (कोटा) सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्र सम्मिलित हैं।

चंबल अभयारण्य में अवैध खनन पर सरकार का शिकंजा

40 संवेदनशील स्थलों पर हाईटेक निगरानी की जाएगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में अवैध बालू-बजरी खनन और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार ने निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी है। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों तथा केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों के तहत सरकार ने अधिकांश महत्वपूर्ण अनुपालन पूरे कर लिए हैं। बुधवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में हुई बैठक में अब तक की कार्रवाई और आगामी न्यायालयीन सुनवाई की तैयारियों की समीक्षा की गई। सरकार ने अभयारण्य क्षेत्र में 40 अत्यधिक संवेदनशील स्थलों की पहचान की है। इन स्थानों पर अवैध खनन और परिवहन पर नजर रखने के लिए हाई-मास्ट टावर, ऑप्टिकल फाइबर तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तापीय रात्रि-दृष्टि वाले कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही नदी के बदलते स्वरूप और नए रास्तों की पहचान के लिए मानसून के बाद नियमित ड्रोन सर्वे भी कराया जाएगा। तकनीकी निगरानी के साथ मौके पर सुरक्षा भी बढ़ाई जा रही है।

चंबल अभयारण्य में अवैध बालू-बजरी खनन और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा को लेकर बुधवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक हुई।

धौलपुर, सवाई माधोपुर, बूंदी, करौली और कोटा जिलों में चिन्हित 40 संवेदनशील स्थलों पर पांच-पांच सशस्त्र होमगार्ड जवानों की तैनाती के लिए बजट स्वीकृत और आवंटित किया जा चुका है। यानी इन स्थानों पर कुल 200 सशस्त्र जवान तैनात किए जाने की व्यवस्था की गई है।

राजस्व, पुलिस, वन और खनन विभाग की संयुक्त टीमें उपखंड स्तर पर सप्ताह में दो बार आकस्मिक निरीक्षण करेंगी। इन टीमों के पास जीपीएस और शरीर पर लगाए जाने वाले कैमरे होंगे, ताकि कार्रवाई की निगरानी और रिकॉर्डिंग भी की जा सके। अवैध खनन की सूचना आमजन भी दे सकें, इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ऑनलाइन सार्वजनिक सूचना पट और राजस्थान संपर्क-181 पर क्यूआर कोड आधारित शिकायत व्यवस्था तैयार की जा रही है। इसके माध्यम से लोग स्थान की जानकारी के साथ फोटो और वीडियो भी गोपनीय रूप से भेज सकेंगे। सरकार वैध बालू के विकल्प के रूप में एम-सैंड इकाइयों को बढ़ावा देने की दिशा में भी काम कर रही है। वहीं अभयारण्य सीमा से जुड़े राजस्व क्षेत्रों को वन क्षेत्र के रूप में अधिसूचित करने की संभावनाओं की जांच के लिए जिला स्तरीय समितियां बनाई गई हैं।

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और संबंधित विभागीय अधिकारियों को 31 अगस्त तक की कार्रवाई का अद्यतन विवरण तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसमें अवैध खनन के मामलों, जब्त वाहनों और मशीनरी तथा विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति की स्थिति शामिल होगी।

उन्होंने कहा कि चंबल अभयारण्य की जैव विविधता, घड़ियालों और जलीय जीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार न्यायालय के निर्देशों की पूरी तरह पालना सुनिश्चित करने के लिए शून्य-सहनशीलता की नीति पर काम कर रही है।

उच्चतम न्यायालय के निर्देशों की समयबद्ध पालना और विभागों के बीच बेहतर समन्वय के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय एवं निगरानी समिति का गठन किया गया है। समिति में खान, वन, गृह, राजस्व, वित्त, परिवहन और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के उच्चाधिकारी तथा संबंधित पांच जिलों के जिला कलेक्टर शामिल होंगे। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक समिति के सदस्य सचिव होंगे। यह समिति अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई, निगरानी तंत्र और मासिक प्रगति की नियमित समीक्षा करेगी। चंबल में अब अवैध खनन पर नजर सिर्फ गश्ती दल की नहीं, बल्कि कैमरों, ड्रोन और बहु-विभागीय निगरानी तंत्र की भी होगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर आम सूचना

रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जे एल एन मार्ग, जयपुर
क्रमांक: F-JDA/Zone 24/2026/D-118

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 313040 दिनांक 08/07/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of [Lease/Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं

क्र. स.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	ग्र.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Ashok kumar Meena S/o Kanhaiya Lal Meena एवं Kailashi Devi W/o Kana Ram एवं Sanu Meena D/o Kanhaiya Lal Meena	श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री रामजी लाल	27	45-00 Sq. Meter	JDA	KALPNA NAGAR Sector/ Block-A	Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta)	जविप्रा की आवासीय योजना कल्पना नगर के भूखण्ड सं. ए-27 क्षे. 45.00 व.मी. का आवंटन पत्र श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री रामजी लाल को दिनांक 15.05.2006 जारी कर

दिया गया। श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री रामजी लाल की मृत्यु दिनांक 04.12.2005 को हो गई। श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री रामजी लाल की सजरा- वंशावली 1. श्रीमती कैलाशी देवी पत्नी स्व. श्री कन्हैया लाल, 2. श्री अशोक कुमार पुत्र स्व. श्री कन्हैया लाल, 3. सुश्री सनु मीणा पुत्री स्व. श्री कन्हैया लाल उपरोक्तानुसार हैं। आवेदनकर्ता श्रीमती कैलाशी देवी पत्नी स्व. श्री कन्हैया लाल, श्री अशोक कुमार पुत्र स्व. श्री कन्हैया लाल, सुश्री सनु मीणा पुत्री स्व. श्री कन्हैया लाल द्वारा उक्त भूखण्ड की लीजडीड/ फ्री होल्ड पट्टा हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of [Lease/Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन- 24 जविप्रा जयपुर

उनतीसवीं पुण्यतिथि

27.9.1928 - 10.9.1997

स्व. श्री सतीश चन्द्र जी अग्रवाल

- सदस्य: राजस्थान विधान सभा–1957-1972
- सांसद सदस्य: लोक सभा–1977-1984
- वित्त राज्य मंत्री, भारत सरकार –1977-1979
- सांसद एवं उपनेता: भाजपा, राज्य सभा–1994-1997
- वरिष्ठ अधिवक्ता

शत –शत नमन

RA&SS

सतीश चन्द्र अग्रवाल मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट

डे्रसिंग रूम में धोनी की परीक्षा में ही शांति और सकारात्मकता का पता चलता है। सीएसके और एमआई की लगातार सफलता का श्रेय मुख्य लीडर एमएस धोनी और रोहित शर्मा को देता हूं।
- आकाश मधवाल

उत्तराखंड के एसोसिएट्स, रोहित और धोनी के शांत स्वभाव को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सुनील गावस्कर

सुनील गावस्कर ने एशियाई खेलों में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए जापान में संभावित कठिन परिस्थितियों और कम सुविधाओं को एक चुनौती बताया है, जिसे पार कर जीतना और भी खास होगा। उन्होंने भारत की मजबूत बल्लेबाजी और बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी पर भरोसा जताते हुए कहा कि श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम जोरदार प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है, हालांकि बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसी टीमें कड़ी टक्कर देंगी। गावस्कर ने कहा कि यह कोई आम क्रिकेट खेलने वाला देश नहीं है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पुरुष हॉकी एशिया कप इतिहास में अब तक कुल 4 बार खिताब जीता है (2003, 2007, 2017 और 2025)।

बीसीसीआई और राज्य संघ खेल प्रशासन अधिनियम के तहत क्यों नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 9 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) और प्रदेश क्रिकेट संघों से पूछा है कि वे राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम 2025 के दायरे में क्यो नहीं आ सकते। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और वी मोहना ने मंगलवार को बीसीसीआई के मामले में कुछ क्रिकेट ईकाइयों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। पीठ ने बीसीसीआई और प्रदेश संघों के वकीलों से यह भी कहा कि वे इस बारे में निर्देश लें कि उनके पदाधिकारियों की सेवा की शर्तें 2025 के उस अधिनियम के तहत क्यो नहीं आनी चाहिये जो अब लागू हो चुका है।

न्यायालय 2014 में दायर बीसीसीआई से जुड़ीएक याचिका पर सुनवाई कर रहा है और समय समय पर इस मामले में कई आवेदन दाखिल हो चुके हैं। इससे पहले न्यायालय ने सुधार के उपाय सुझाने के लिए पूर्व सीजेआई जस्टिस आर एम लोढ़ा की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। समिति को दी गई जिम्मेदारियों में बीसीसीआई के लिए संविधान तैयार करना भी शामिल था।

न्यायालय ने बीसीसीआई के ढांचे, संगठन और कामकाज में सुधार से जुड़ी समिति की अनुशंसाओं को स्वीकार कर लिया था। न्यायालय ने सितंबर 2022 में बीसीसीआई के संविधान में बदलाव की मंजूरी दी थी और कहा था कि कोई पदाधिकारी लगातार 12 साल तक पद पर रह सकता है। इसमें तीन साल के कूलिंग ऑफ पीरियड (अनिवार्य ब्रेक) से पहले राज्य संघ में छह साल और बीसीसीआई में छह साल का कार्यकाल शामिल है।

इसमें कहा गया था कि कोई पदाधिकारी किसी पद पर लगातार दो कार्यकाल पूरे कर सकता है जिसमें बीसीसीआई और प्रदेश संघ स्तर पर कार्यकाल शामिल है। इसके बाद उसे तीन साल का अनिवार्य ब्रेक लेना होगा।

जो रूट ने तोड़ा स्टीव वॉ का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 9 सितंबर। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट सबसे ज़्यादा टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। बुधवार, 9 सितंबर को उन्होंने स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया और सचिन तेंदुलकर व जेम्स एंडरसन के और करीब पहुँच गए। खास बात यह है कि पाकिस्तान के खिलाफ़ खेलते हुए रूट के टेस्ट मैचों की संख्या 169 हो गई। तेंदुलकर 200 मैचों के साथ इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं, जबकि इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन ने अपने करियर में 188 टेस्ट मैच खेले हैं। दूसरी ओर, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज़्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में रूट अभी दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इस फ़ॉर्मेट में 50.38 की औसत से 14,208 रन बनाए हैं, जिसमें 41 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। एजबेस्टन में पाकिस्तान के खिलाफ़ तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि पिच बल्लेबाजों के लिए अच्छी थी, फिर भी मेहमान टीम ने पहले दिन के शुरुआती सेशन में ही 100 रन पर सात विकेट गंवा दिए।

जूनियर एशिया कप : अनमोल एक्का के छह गोल से भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से रौंदा, सेमीफाइनल में पहुंचा

मोकी (चीन), 9 सितंबर। गत चैंपियन भारत ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को पूल-ए के अपने आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे को 15-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल दागकर भारत की धमाकेदार जीत में अहम भूमिका निभाई।

भारत ने शुरुआती क्वार्टर में गोलरहित रहने के बाद अगले तीन क्वार्टर में पूरी तरह दबदबा बनाया। अनमोल के सभी छह गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने तीन जीत और एक ड्रॉ से 10 अंक हासिल कर पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। दक्षिण कोरिया ने जापान को 3-2 से हराकर नौ अंकों के साथ पूल में दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जापान, इंडोनेशिया और चीनी ताइपे की टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं और अब वर्गीकरण मुकाबले खेलेंगी। आर्यन एक्सेस ने 17वें मिनट में भारत का खाता खोला, जबकि एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। गुरसेवक सिंह ने 22वें मिनट में तीसरा गोल किया। इसके बाद अनमोल एक्का ने 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपना पहला गोल किया। अर्जुन संतोष हरगुड़े ने 28वें मिनट में पांचवां गोल किया और अगले ही मिनट अनमोल ने फिर पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर दिया।

भारत ने मध्यांतर तक 6-0 की बढ़त बना ली थी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत ने लगातार आक्रमण जारी रखा। अनमोल ने शुरुआती तीन मिनट में मिले दोनों पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की और फिर एक और गोल कर व्यक्तिगत संख्या चार पहुंचा दी। अजीत यादव ने 35वें मिनट में शानदार मैदानी गोल कर भारत की बढ़त बढ़ाई। इसके बाद अनमोल ने 45वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपना पांचवां गोल किया और भारत को 10-0 की बढ़त दिला दी। अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने आक्रामक रवैया बनाए रखा। हरपाल ने 48वें मिनट में मैदानी गोल किया, जबकि अनमोल ने 51वें मिनट में अपना छठा पेनल्टी कॉर्नर गोल कर व्यक्तिगत छह गोल पूरे किए। हरपाल ने इसके बाद अपना दूसरा गोल किया। आर्यन एक्सेस ने भी दो गोल दागे और भारत ने 15-0 की शानदार जीत दर्ज की।

अनमोल के छह गोल भारत के लिए मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहे, लेकिन यह जीत पूरी टीम के शानदार प्रदर्शन का नतीजा रही। भारतीय टीम ने पेनल्टी कॉर्नर का बेहतरीन इस्तेमाल करने के साथ लगातार आक्रामक दबाव बनाए रखा और पूल चरण का अंत शानदार अंदाज में किया।

बैलन डी 2026 के लिये मेसी, एमबापे, यामाल और केन समेत 30 खिलाड़ी नामित

पेरिस, 9 सितंबर। फ्रांस की फुटबॉल पत्रिका ''फ्रांस फुटबॉल'' ने मंगलवार को बैलन डी'ओर 2026 पुरस्कारों के लिए विभिन्न श्रेणियों में नामित खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की सूची जारी कर दी। पुरुष वर्ग में फ्रांस के किलियन एमबापे, स्पेन के लामिन यामाल, इंग्लैंड के हैरी केन और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी समेत 30 खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। पुरुष बैलन डी'ओर के नामांकन में फीफा विश्व कप विजेता स्पेन और यूईएफए चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। पिछले साल के विजेता उस्मान डेम्बेले को भी लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। डेम्बेले ने पेरिस सेंट-जर्मेन के साथ लगातार दूसरा चैंपियंस लीग खिताब जीता है। एमबापे, लामिन यामाल और हैरी केन को प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा है। वहीं, लियोनेल मेसी ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर नामांकन हासिल किया है।

महिला जूनियर एशिया कप में भारत ने चीन को गोलरहित रोका, एलीट पूल में शीर्ष पर क्वार्टरफाइनल में पाक से टक्कर

मोकी (चीन), 9 सितंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बुधवार को महिला जूनियर एशिया कप के एलीट पूल के अंतिम मुकाबले में मेजबान चीन को गोलरहित बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम के साथ भारत तीन जीत और एक ड्रॉ से 10 अंक जुटाकर पूल में शीर्ष पर रहा। बेहतर गोल अंतर के आधार पर भारत ने चीन को पीछे छोड़ा।

चीन ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और भारतीय रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया। मेजबान टीम को शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार बचाव किया। पहले क्वार्टर में चीन को पेनल्टी स्ट्रोक भी मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर निधि ने बेहतरीन बचाव करते हुए खतरा टाल दिया।

इसके बाद भारत ने भी आक्रमण तेज किया और कई मौके बनाए। हालांकि, चीन की संगठित रक्षापंक्ति ने भारतीय हमलों को रोक दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन कोई भी उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा।

तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों के बीच बराबरी का मुकाबला देखने को मिला। भारत की रक्षा पंक्ति ने चीन के हमलों को प्रभावी ढंग से रोका, जबकि भारतीय टीम ने भी जवाबी हमलों के जरिए मौके बनाए। अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने निर्णायक गोल के लिए प्रयास किए, लेकिन कोई भी रक्षा को भेदने में सफल नहीं रही। ड्रॉ के साथ भारत और चीन दोनों के खाते में एक-एक अंक जुड़ा और दोनों के 10 अंक रहे। बेहतर गोल अंतर के कारण भारत ने शीर्ष स्थान हासिल किया। अब भारतीय टीम 10 सितंबर को क्वार्टर फाइनल-1 में पाकिस्तान से भिड़ेगी। पाकिस्तान चैलेंजर पूल में चार मैचों से सात अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन की खिताब पर मजबूत पकड़, 584 रन की बढ़त

चेन्नई, 9 सितंबर। कप्तान ईशान किशन और शिखर मोहन के अर्धशतकों की बदौलत ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी फाइनल में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। बुधवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 212 रन बनाकर साउथ जोन के खिलाफ कुल 584 रन की विशाल बढ़त हासिल कर ली। ईशान किशन ने मैच में कुल 350 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी में 80 रन की पारी खेली और शतक से 20 रन दूर रह गए। इससे पहले तिलक वर्मा भी सुबह के सत्र में अपने शतक से महज एक रन से चूक गए और 99 रन पर आउट हुए।

चौथे दिन सुबह ईस्ट जोन ने अपने बाकी चार विकेट के लिए 94 रन जोड़े। नाबाद अर्धशतक के साथ दिन की शुरुआत करने वाले तिलक वर्मा ने नई गेंद से मोहम्मद शमी के पहले ही ओवर में लगातार दो चौके लगाए। दूसरे छोर पर सीवी मिलिंद ने मुकेश कुमार के खिलाफ शानदार कवर

ड्राइव के साथ अपनी पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने नई गेंद के खिलाफ तेजी से रन बनाए। साउथ जोन ने इसके बाद दोनों छोर से स्पिनरों को गेंदबाजी पर लगाया और यह रणनीति काम आई। मिलिंद का विकेट गिरने के बाद साउथ जोन को वापसी का मौका मिला। तिलक के स्ट्राइक बचाने के प्रयास में त्रिपुराना विजय रन आउट हो गए। इसके बाद मोहम्मद सिराज को मुकेश कुमार के सामने लाया गया और मुकेश ने उन्हें पगबाधा आउट कर दिया। अगले ओवर में तिलक वर्मा 99 रन पर गेंदबाज को कैच देकर पवेलियन लौट गए और उनका शानदार शतक एक रन से छूट गया।

चाय के बाद ईशान ने आक्रामक रुख अपना लिया। अर्धशतक पूरा करने के बाद उन्होंने अगले ही ओवर में त्रिपुराना विजय के खिलाफ लगातार चार गेंदों पर 4, 6, 6, 4 रन बटोरे। ऐसा लग रहा था कि ईशान एक और शतक की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन श्रेयस गोपाल और एमडी निहीद ने रन गति पर अंकुश लगाया। इसके बाद बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में ईशान कैच दे बैठे और 80 रन पर पवेलियन लौट गए।

ईशान के आउट होने के बाद शिखर मोहन को शेख रशीद ने पगबाधा आउट किया, जबकि सुदीप घरामी रन आउट होकर जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद कुमार कुशाग्र और एमडी कौनेन कुरैशी ने दिन का बाकी खेल संभाला और अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की।

यूएस ओपन में बेन शेल्टन ने किया बड़ा उलटफेर, सात बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन कार्लोस अल्काराज को हराया

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर। बेन शेल्टन ने बुधवार तड़के बड़ा उलटफेर करते हुए गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-7(5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6(10-7) से हराकर यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही अमेरिकी खिलाड़ी ने फ्रांसेस टियाफोए के खिलाफ ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल तय कर दिया।

शेल्टन और अल्कराज के बीच मुकाबला चार घंटे 28 मिनट चला और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे देर से समाप्त होने वाला मुकाबला बन गया। मैच मंगलवार रात 11 बजकर पांच मिनट पर शुरू हुआ और बुधवार सुबह 3 बजकर 33 मिनट पर समाप्त हुआ। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ का ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में अमेरिकी पुरुष खिलाड़ियों के खिलाफ

रिकॉर्ड 13-0 था, लेकिन शेल्टन ने इस सिलसिले को तोड़ दिया। स्पेनिश खिलाड़ी ने पहला सेट कड़े टाईब्रेक में जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरे सेट में उनकी गलतियों का फायदा उठाते हुए शेल्टन ने 6-1 से सेट अपने नाम कर लिया।

जेसिका पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया, सेमीफाइनल में सबालेंका से होगी भिड़ंत: तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने मंगलवार को यूएस ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में हमवतन एम्मा नवारो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना दो बार की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा।

पेगुला ने दो घंटे 20 मिनट चले मुकाबले में शुरुआती सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की। तीसरे सेट में शुरुआती ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद उन्होंने वापसी की और कड़े बेसलाइन मुकाबले में जीत हासिल की। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में कुल नौ बार सर्विस ब्रेक हुई।

पेगुला और सबालेंका के बीच यूएस ओपन में यह लगातार तीसरा मुकाबला होगा। दोनों के बीच गुरुवार को होने वाला सेमीफाइनल हालांकि विश्व रैंकिंग के शीर्ष स्थान की तस्वीर बदलने से पहले ही अपना महत्व खो सकता है। दूसरे स्थान पर काबिज एलेना राइबाकिना बुधवार को चीन की झेंग छिनवेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जीतते ही अन्य नतीजों की परवाह किए बिना विश्व नंबर एक बन जाएंगी।

फ्रांसेस टियाफोए ने एलेक्स माइकलसन को हराया, सेमीफाइनल में पहुंचे : फ्रांसेस टियाफोए ने शानदार जुझारूपन का परिचय देते हुए यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 11वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी ने मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में एलेक्स माइकलसन को 5-7, 3-6, 7-5, 6-3, 7-6 (10-6) से हराया। टियाफोए ने मुकाबले में पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी की। वह निर्णायक पांचवें सेट में भी 0-3 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने लगातार वापसी करते हुए चार घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

राज्य स्तरीय अंडर-19 डूंगरपुर ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच : जयपुर, बाड़मेर, सीकर, अजमेर जीती

जयपुर, 9 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी व राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम :-अभय शर्मा का दोहरा शतक लगाया। भव्य शर्मा शतक से चुके, वाहिद, दर्शन, आशिक, दीपेश के अर्धशतक बनाया। सुमित सैनी, अविनाश यादव, सुमित शर्मा, लखन गुर्जर,अनुराग लखन की शानदार गेंदबाजी रही।

राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी क्वाटर फाइनल मैच :-

जयपुर -झुंझनू मैच (जयपुर के जीत में अभय शर्मा शर्मा का दोहरा शतक), अजमेर - भरतपुर मैच (अजमेर जीती), सीकर - अलवर मैच (सीकर जीती), जोधपुर - बाड़मेर मैच (बाड़मेर जीती),

राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता (झुंझनू, कोटा जीती) राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता (झुंझनू, कोटा जीती) यजत चौधरी ,आदित्य शर्मा, आदित्य चांवरिया, विवेक बागड़ी, माधव गोपाल गौतम, आदित्य राज चमके।

बूंदी - झुंझनूमैच (झुंझनू जीती), कोटा - राजसमंद (कोटा जीती)।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत-ए टीम घोषित

पडिक्कल और गायकवाड़ को मिली कप्तानी

नई दिल्ली, 9 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। पुडुचेरी में होने वाली इस सीरीज में दो बहुदिवसीय और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए भारत ए टीम में अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), नचिकेत भुटे और वी. व्यासक को शामिल किया गया है। एकदिवसीय टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल उपकप्तान होंगे। टीम में प्रियंश आर्या, साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अर्शद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह और यश ठाकुर शामिल हैं। हार्दिक पांड्या और वी. व्यासक का चयन फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन है। भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच पहला बहुदिवसीय मुकाबला 22 से 25 सितंबर तक पुडुचेरी में खेला जाएगा। दूसरा बहुदिवसीय मैच 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होगा। इसके बाद तीन एकदिवसीय मुकाबले 6, 9 और 11

अक्टूबर को पुडुचेरी में खेले जाएंगे।

भारत ए बहुदिवसीय टीम: अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), नचिकेत भुटे, वी. व्यासक।

भारत ए एकदिवसीय टीम: प्रियांश आर्या, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अर्शद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेट कीपर), गुरजपनीत सिंह, यश ठाकुर।

पांड्या की इंडिया-ए टीम में वापसी

हार्दिक पांड्या अगले महीने (अक्टूबर में) कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। 32 साल के इस ऑलराउंडर को, जो आखिरी बार इंडियन प्रीमियर लीग के 2026 सीज़न में खेलते दिखे थे, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ़ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए इंडिया ए की टीम में शामिल किया गया है।

आज फिर फ्लडलाइट्स में होगा नाइट पोलो का रोमांच, राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर होंगे दो मुकाबले

टूर्नामेंट के दूसरे दिन मुकाबलों में टीम जयपुर और टीम ऑल स्टार्स रही विजेता

जयपुर, 9 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत बुधवार से सीजन के दूसरे टूर्नामेंट आरपीसी कप- (4 गोल्स) के लिए दो मुकाबले आयोजित हुए। पहला मुकाबला राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम मेफेयर पोलो एस्टेट और टीम जयपुर के बीच हुआ। वहीं, दूसरा मैच पीपीसी ग्राउंड पर टीम वी पोलो और टीम ऑल स्टार्स के बीच खेला गया।

टीम मेफेयर पोलो एस्टेट और टीम जयपुर के बीच एकतरफा टक्कर

राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम मेफेयर पोलो एस्टेट और टीम जयपुर के बीच एकतरफा मुकाबला देखा गया। इस टक्कर में टीम जयपुर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए टीम मेफेयर पोलो एस्टेट को 13-2 के स्कोर से शिकस्त दी। विजेता टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 5 गोल और अक्षय मलिक ने टीम के लिए 4 गोल दागे। टीम से कुलदीप सिंह राठौड़ और रुशिल नरूला ने 2-2 गोल हासिल किए। वहीं, टीम मेफेयर पोलो एस्टेट से एलन शॉन माइकल और रणशेय पुरोहित ने 1-1 गोल हासिल किए। टीम की ओर से जयवीरसिंह गोहिल और तरुण बिलवाल भी खेले।

टीम वी पोलो और टीम ऑल स्टार्स का मुकाबला

पीपीसी ग्राउंड पर टीम वी पोलो और टीम ऑल स्टार्स के बीच खेले गए मैच में टीम ऑल स्टार्स विजेता बनकर उभरी। टीम ऑल स्टार्स ने टीम वी पोलो को 9.5 - 5 के स्कोर से हराया। विजेता टीम ऑल स्टार्स की ओर से जुआन जोस अल्बर्डी ने अकेले 7 गोल हासिल किए। वहीं, अशोक चांदना ने 2 गोल किए। टीम में डॉ. शिवांगी सिंह और डीनो धनखड़ भी शामिल रहे। यहां टीम को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ। दूसरी तरफ, टीम वी पोलो से निमित मेहता ने 3 गोल, विशाल सिंह राठौड़ और गोंजालो यांजों ने 1-1 गोल किया। टीम से महेंद्र सिंह भी खेले।

10 सितंबर (कल) के मुकाबले

10 सितंबर को फिर से दर्शकों को नाइट पोलो का रोमांच देखने को मिलेगा। फ्लडलाइट्स की रोशनी में कल राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दो मुकाबले खेले जाएंगे। पहले शाम 7 बजे टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो मैच का मुकाबला टीम जयपुर के साथ होगा। जिसके बाद, रात 8 बजे टीम ऑल स्टार्स और टीम आरपीसी-सीएवी के बीच टक्कर होगी। नाइट पोलो को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

नेशनल गोल्फ चैम्पियनशिप

चेन्नई ओपन में प्रखर असावा 23वें नंबर पर

जयपुर, 9 सितम्बर। राजस्थान के नंबर 1 गोल्फ खिलाड़ी, रामबाग गोल्फ क्लब के प्रखर असावा ने पहले दिन 5 बर्डी और 2 बोगी के साथ 3 अंडर पार का शानदार राउंड खेला और 5 बर्डी, 3 बोगी और एक डबल बोगी के साथ लेवल पार का राउंड खेला, जिससे वे चेन्नई ओपन नेशनल गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे दिन के आखिर में 23वें नंबर पर रहे। यह चैंपियनशिप 8 से 11 सितंबर 2026 तक चेन्नई के कॉस्मो गोल्फ कोर्स में हो रही है। कॉस्मो गोल्फ कोर्स एक छोटा लेकिन मुश्किल टेस्ट है, जिसमें टूर्नामेंट में पार-72 लेआउट लगभग 6,225 यार्ड का है। इसकी चुनौती लंबाई में कम और सटीकता, पोजिशनिंग और स्मार्ट कोर्स मैनेजमेंट में ज़्यादा है।

फिरोजा पर मैच फीस का जुर्माना

दुबई, 9 सितंबर। पाकिस्तान की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज गुल फिरोजा पर हांगकांग के खिलाफ महिला टी20 एशिया कप मुकाबले के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के पांचवें ओवर में हुई। बाएं हाथ की कलाई की स्पिन गेंदबाज कैरी चान की उछाल लेती गेंद पर फिरोजा ने स्वीप शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले से नहीं लगी और स्टंप के सामने उनके पैड से जा टकराई। मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट दे दिया।

एशियाई खेलों की तैयारी के लिए भारतीय महिला रग्बी टीम का कोलकाता में लगा राष्ट्रीय शिविर

कोलकाता, 9 सितंबर। भारतीय सीनियर महिला रग्बी सेवन्स टीम ने आइची-नागोया एशियाई खेलों की तैयारियों के अहम चरण में प्रवेश कर लिया है। टीम का राष्ट्रीय शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण के नेताजी सुभाष ईस्टर्न सेंटर, साल्ट लेक, कोलकाता में लगाया गया है। बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले यह केंद्र भारतीय रग्बी टीम का प्रमुख अभ्यास केंद्र रहा है। भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में महिला रग्बी सेवन्स स्पर्धा में एक से तीन अक्टूबर तक नागोया के पालोमा मिजुहो रग्बी स्टेडियम में हिस्सा लेगी। भारत को पूल-बी में गत चैंपियन चीन, हांगकांग चीन और मलेशिया के साथ रखा गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में मुख्य कोच टेरेंस जोसेफ ने जापान में टीम के प्रदर्शन को लेकर भरोसा जताया।

तन्वी ने रेचल चैन को सीधे गेमों में हराया, अगले दौर में पहुंची

हो ची मिन्ह सिटी, 9 सितंबर। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बुधवार को वियतनाम ओपन 2026 के महिला एकल के अंतिम-32 मुकाबले में कनाडा की रेचल चैन को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली। बीएफडब्ल्यू विश्व टूर सुपर 100 प्रतियोगिता में तन्वी ने 36 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय किशोरी ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और लगातार दो गेम जीतकर अंतिम-16 में प्रवेश किया।

मुख्यमंत्री के रोड शो ने जयपुर में चुनावी माहौल बनाया

रोड शो का फूल बरसा कर स्वागत हुआ व मोदी-शाह-भजनलाल के नारे लगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 9 सितम्बर। नगर निगम चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जयपुर में सांगानेरी गेट से त्रिपोलिया गेट तक भव्य रोड शो किया। रोड शो में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के झंडे लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री के काफिले के आगे और दोनों ओर कार्यकर्ताओं की भीड़ नजर आई। पूरे मार्ग पर प्रधानमंत्री

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में ''लव जिहाद'' और ''जबरन धर्मांतरण'' से निपटने के लिए कानून लाया गया। अब किसी को डरने की जरूरत नहीं। आमजन को परेशान करने वालों के खिलाफ कार्यवाही होगी।

नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समर्थन में नारे गूंजते रहे और माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रँगा नजर आया।

रोड शो के मार्ग में जगह-जगह स्वागत मंच और स्वागत द्वार बनाए गए थे। मुख्यमंत्री का काफिला पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। कई स्थानों पर फूल बरसाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जयपुर में सांगानेरी गेट से त्रिपोलिया गेट तक भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में भव्य रोड शो किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। स्वागत और नारेबाजी का सिलसिला सांगानेरी गेट से त्रिपोलिया गेट तक लगातार चलता रहा।

रोड शो शुरू होने से पहले ही परकोटे में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटने लगी थी। बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता भी पार्टी के झंडे लेकर काफिले के साथ चलते दिखाई दिए।

कार्यकर्ताओं की नारेबाजी, झंडों की कतार और जगह-जगह हुए स्वागत से पूरे मार्ग पर भाजपा के पक्ष में उत्साहपूर्ण माहौल नजर आया। प्रचार के अंतिम दौर में हुए इस रोड शो को भाजपा के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा गया।

रोड शो के बाद आमजन को संबोधित करते हुए, कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने लूट और झूठ की राजनीति की, इसलिए उसके कार्यकाल के अधिकारी और मंत्री आज जेल में हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने तुष्टिकरण के आधार पर जयपुर, जोधपुर और कोटा में दो-दो नगर निगम बनाए थे, जबकि भाजपा सरकार ने फिर से तीनों शहरों में ''एक शहर-एक नगर निगम'' की व्यवस्था लागू की है। राजस्थान में ''लव जिहाद'' और ''जबरन धर्मांतरण'' की समस्या से निपटने के लिए कानून लाया गया है। परकोटे में जबरन पलायन रोकने के लिए ''डिस्टर्ब एरिया बिल'' भी लाया गया है। उन्होंने कहा कि अब किसी को डरने की जरूरत नहीं है और आमजन को परेशान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में निकाय चुनाव को लेकर उत्साह और उमंग का वातावरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और भाजपा सरकार ने ढाई वर्ष में ऐसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जो पिछले कई दशकों में नहीं हो पाए।

हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकी कश्मीर में पकड़ा गया

श्रीनगर, 09 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों ने एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि हंदवाडा पुलिस को हंदवाडा-कुपवाड़ा क्षेत्र में

■ विश्वसनीय जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों ने हंदवाडा कस्बे में त्वरित कार्यवाही की।

प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) मॉड्यूल के तहत एक हाइब्रिड आतंकवादी के सक्रिय होने की विश्वसनीय सूचना मिली थी। हाइब्रिड आतंकवादी से तात्पर्य ऐसे गैरसूचीबद्ध, कट्टरपंथी व्यक्ति से है, जो अपने आका के इशारे पर किसी विशिष्ट विध्वंसक या हिंसक कार्य को अंजाम देता है और फिर सामान्य जीवन में लौट जाता है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने हंदवाडा कस्बे में चिन्हित स्थान पर त्वरित कार्रवाई की। गहन सुरक्षा जांच के बाद, हंदवाडा के क्रुहमुरा निवासी मंजूर अहमद भट को गिरफ्तार कर लिया गया।

मिडिल ईस्ट के तनाव से क्रूड ऑयल के दाम ने 100 डॉलर की सीमा पार की

'जहाजों पर हमले बढ़े तो कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है'

नई दिल्ली, 09 सितंबर। कच्चा तेल आखिरकार आज 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। 24 जुलाई के बाद पहली बार क्रूड इस मनोवैज्ञानिक स्तर के पार पहुंचा है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से उस क्षेत्र से तेल की सप्लाई को लेकर दुनिया की चिंता बढ़ गई है। इसी कारण हाल में इसकी कीमत में भारी तेजी आई है। गोल्डमैन सैश ने चेतावनी दी है कि अगर मिडिल ईस्ट में जहाजों पर हमले और बढ़ते हैं, तो कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है।

■ कच्चे तेल की कीमत में एक डॉलर की बढ़ोतरी से भारत का सालाना आयात बिल 18 हजार करोड़ रुपये बढ़ जाता है।

इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स आज कारोबार के दौरान 2.15 डॉलर, यानी 2.2 प्रतिशत बढ़कर 100.07 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया, जबकि यूएस का बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 1.70 डॉलर या 1.83 प्रतिशत बढ़कर 94.73 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले महीने की शुरुआत से ब्रेंट की कीमतों में एक-चौथाई की बढ़ोतरी हुई है।

भारत के लिए तो और भी मुश्किल है, क्योंकि इंडियन बास्केट दो दिन पहले ही 5 फीसदी से ज्यादा उछलकर 106 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुका है। तेल महंगा होने से भारत का आयात बिल बढ़ेगा, जिससे रुपये पर भी दबाव बढ़ेगा। बुधवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के पार पहुंच गया। तेल की बढ़ती कीमतों ने करेंसी को सहारा देने के लिए सेंट्रल बैंक की हालिया कोशिशों पर पानी फेर दिया।

गोल्डमैन सैश में ग्लोबल कमोडिटीज रिसर्च के को-हेड डान स्ट्रुवेन ने एक इंटरव्यू में कहा कि हाल की घटनाओं से संकेत मिलता है कि जहाजों की आवाजाही में बड़े पैमाने पर और गंभीर रुकावट का खतरा एक बड़ी चिंता बन गया है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में अच्छी-खासी बढ़ोतरी की आशंका है।

जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि ब्रेंट की कीमतों में हर महीने प्रति बैरल लगभग 7 डॉलर से 8 डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है। अगर यह रुकावट तीन महीने तक चलती है तो ब्रेंट की कीमत 114 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच जाएंगी। कच्चे तेल की कीमत में 1 डॉलर की बढ़ोतरी से भारत का सालाना आयात बिल 18,000 करोड़ रुपये बढ़ जाता है। इससे आने वाले दिनों में सरकार पर पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी का दबाव भी बन सकता है।

पंजाब में भाजपा का 2022 में वोट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकास, और नशे, गैंगस्टरवाद, बेराज़गारी और शासन के मुद्दों पर आप सरकार के रिकॉर्ड की आलोचना शामिल है। केन्द्र के नेताओं के पंजाब दौरे बढ़ गए हैं और विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के जरिए ''डबल इंजन'' सरकार की सोच को सामने रखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई दौरे किए हैं। इनमें 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान चुनावी रैलियां और 2026 में फरवरी का गुरु रविदास से जुड़े कार्यक्रमों के लिए दौरा शामिल है। इसके अलावा, 17 जुलाई को जालंधर में एक बड़े कार्यक्रम में उन्होंने 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उम्मीद है कि मोदी आगे भी पंजाब के कई दौरे करेंगे। इनमें अक्टूबर में तीन दिन का संभावित दौरा शामिल है, जिसमें अमृतसर, लुधियाना और पटियाला जैसे स्थानों पर रैलियां या रोड शो हो सकते हैं।

भाजपा की पंजाब रणनीति का मुख्य उद्देश्य, 2024 के लोकसभा चुनाव में मिले बेहतर वोट शेयर (जो 2022 के विधानसभा चुनावों के 6.6 प्रतिशत से काफी बढ़कर लगभग 18-19 प्रतिशत हो गया था) को अपने पारंपरिक शहरी हिंदू आधार से आगे बढ़ाकर एक व्यापक सामाजिक गठबंधन में बदलना है।

चुनावी नज़रिए से देखें तो भाजपा के पास गति और संसाधन तो हैं, लेकिन सिख बहुल राज्य में उसके सामने कई बड़ी संरचनात्मक चुनौतियां हैं, जहां क्षेत्रीय और पहचान से जुड़े मुद्दे गहरी पैठ जमाए हुए हैं। भाजपा खुद को एक गंभीर तीसरी ताकत के रूप में पेश कर रही है, जो आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच मुकाबले को प्रभावित कर सकती है। अगर वह गैर-जाट, दलित और शहरी मतदाताओं को अपने साथ जोड़ने में सफल रहती है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी थोड़ी पैठ बना लेती है, तो वह एक बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभर सकती है।

पूरे वंदे मातरम् के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर कांग्रेस की आपत्ति को लेकर उस पर हमला बोला। भाजपा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पूरे संस्करण को गाने पर कांग्रेस की आपत्ति से यह साफ हो गया है कि वह 21वीं सदी की नई मुस्लिम लीग बन गई है।

त्रिवेदी ने कहा कि इस मुद्दे पर कांग्रेस ''पूरी तरह अलग-थलग'' पड़ गई है। भाजपा के राज्यसभा सांसद ने कहा, ''इससे स्पष्ट हो जाता है कि ''दिमागी नक्सल'' कांग्रेस अब ''मुस्लिम लीग कांग्रेस'' में बदल गई है और कट्टरपंथी ताकतों के सामने पूरी तरह समर्पण कर चुकी है।''

भाजपा नेता आरएस पठानिया ने भी पूरे वंदे मातरम् पर आपत्ति जताने को लेकर कांग्रेस पर हमला किया और कहा कि ''घाटी में अलगाववादियों ने भी राष्ट्रगीत पर आपत्ति नहीं जताई थी।''

कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने पिछले महीने ''वंदे मातरम्'' पर अपनी सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था के 1937 के प्रस्ताव का पालन करने का फैसला किया था और कहा था कि पार्टी के सभी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल दो अंतरे गाए जाएंगे।

कांग्रेस ने यह निर्णय उस समय लिया, जब भाजपा ने कांग्रेस नेताओं पर आरोप लगाया कि वे पार्टी के कार्यक्रमों में पूरा ''वन्दे मातरम् न गाकर उसका अपमान कर रहे हैं।

केन्द्र ने इस साल की शुरुआत में यह अनिवार्य कर दिया था कि सभी सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों और आधिकारिक समारोहों में जन गण मन से पहले वंदे मातरम् के सभी छह अंतरे बजाए जाएं।

श्री महावीर जी विवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महान संत और भगवान को क्यों परेशान कर रहे हैं जिन्होंने इस धरती को शांति का संदेश दिया। क्या आपको लगता है कि इस बेवजह की मुकदमेबाजी और आपसी लड़ाई से भगवान महावीर प्रसन्न हो रहे होंगे। क्या आप उम्मीद करते हैं कि सुबह श्वेतांबर संप्रदाय अपने तरीके से पूजा-अर्चना करे और शाम को दिगंबर संप्रदाय भगवान के वस्त्र बदलकर अपने तरीके से अनुष्ठान करे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर फर्जी बाढ़ के वीडियो पर 63 सोशल मीडिया हैंडल पर एफआईआर

आरोप है कि दुबई एयरपोर्ट के पुराने वीडियो को दिल्ली एयरपोर्ट का बताकर वायरल किया

नई दिल्ली, 09 सितंबर। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर जलभराव का भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में 63 सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस में शिकायत दी है। आरोप है कि इन हैंडल से एयरपोर्ट पर जलभराव और परिचालन प्रभावित होने का गलत दावा करते हुए वीडियो एवं पोस्ट प्रसारित किए गए।

■ डीआईएएल का कहना है कि 4 सितम्बर को एयरपोर्ट क्षेत्र में 3 घंटे में 72 मिलीमीटर वर्षा हुई। इससे टर्मिनल -3 के आगमन क्षेत्र में कुछ समय के लिये पानी जमा हो गया जिसे 20 मिनट में साफ कर दिया गया।

डीआईएएल के अनुसार, एक सोशल मीडिया पोस्ट में दुबई एयरपोर्ट पर जलभराव का पुराना वीडियो दिल्ली एयरपोर्ट का बताकर वायरल किया गया। कंपनी का कहना है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री एयरपोर्ट की वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाती थी। इस तरह की भ्रामक पोस्ट से यात्रियों में अनावश्यक भ्रम और चिंता पैदा हुई तथा महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया।

चार सितंबर को दिल्ली में हुई तेज बारिश के दौरान, एयरपोर्ट क्षेत्र में भी भारी वर्षा हुई थी। दोपहर 2:30 से शाम 5:30 बजे के बीच एयरपोर्ट क्षेत्र में करीब 72.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके कारण टर्मिनल-3 के आगमन क्षेत्र में कुछ समय के लिए पानी जमा हो गया था।

डीआईएएल ने कहा कि एयरपोर्ट टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए करीब 20 मिनट के भीतर जमा पानी को साफ कर दिया। इसके बाद एयरपोर्ट का परिचालन निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सामान्य और सुरक्षित रूप से जारी रहा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि जलभराव की इस अस्थायी स्थिति से एयरपोर्ट के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा।

असिस्टेंट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने 18 दिसंबर को कॉलेज शिक्षा के असिस्टेंट प्रोफेसर के तीस पदों के लिए भर्ती निकाली थी। याचिकाकर्ता ने अंग्रेजी विषय के लिए आवेदन कर लिखित परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा के बाद आरपीएससी की ओर से मॉडल उत्तर कुंजी जारी की गई, जिसमें याचिकाकर्ता ने अंग्रेजी भाषा के प्रश्न पत्र सहित सामान्य ज्ञान प्रश्न पत्र के पन्द्रह प्रश्नों को लेकर आरपीएससी के समक्ष अपनी आपत्ति पेश की। आयोग ने याचिकाकर्ता की आपत्ति पर ध्यान नहीं दिया और बिना अंतिम कुंजी जारी किए अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि सामान्य ज्ञान का प्रश्न पत्र सभी विषयों के अभ्यर्थियों के लिए एक समान था। ऐसे में इसके विवादित प्रश्नों के चलते सभी विषयों का परीक्षा परिणाम प्रभावित हो गया है। एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए भर्ती का अंतिम परिणाम जारी करने पर अंतरिम रोक लगा दी है।

'वकील को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पालना नहीं होने की सूरत में पुलिस कमिश्नर को हाजिर होने के आदेश दिए हैं।

निकाय चुनावों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शाह का मौन समर्थन हासिल था। जयपुर में यह बात सबको पता है कि शाह का प्रभाव राजनीति से कहीं आगे, नौकरशाही तक फैला हुआ है।

जयपुर से दिल्ली तक उनका प्रभाव केवल मुख्यमंत्री पर ही नहीं, बल्कि नौकरशाही पर भी पड़ता है।

अब उनके दो भरोसेमंद सहयोगी प्रभावी रूप से राज्य का कामकाज संभाल रहे हैं। 1989 बैच के आईएएस अधिकारी वी. श्रीनिवास, जिनका केन्द्र में लंबे समय का अनुभव है, को 17 नवंबर 2025 को मुख्य सचिव बनाया गया था और उन्हें फरवरी 2027 तक का सेवा विस्तार भी मिल चुका है। 1993 बैच के ''ट्रबल शूटर'' (समस्या सुलझाने में माहिर) अखिल अरोड़ा मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं, जो नौकरशाही का दूसरा सबसे शक्तिशाली पद है।

दोनों मिलकर शासन की मजबूत धुरी बन गए हैं। दो वर्षों में प्रशासनिक ढांचे को चुपचाप नए सिरे से तैयार किया गया है। पुराने गुटों को खत्म किया गया, अनुभवी अधिकारियों को नई जगहों पर तैनात किया गया और तेज़ी से कामकाज पूरा करने, निवेश तथा नियंत्रण पर केन्द्रित एक नई व्यवस्था तैयार की गई। श्रीनिवास और अरोड़ा की साझेदारी सरकार की असली ताकत बन गई है। अब परीक्षा की घड़ी है।

सभी 309 शहरी स्थानीय निकायों, 10 नगर निगमों, 47 नगर परिषदों और 252 नगर पालिकाओं के चुनाव चल रहे हैं। मतदान 9 और 11 सितंबर 2026 को है। इसी दौरान, ओबीसी आयोग के नए सर्वे में इस समुदाय की अनुमानित हिस्सेदारी को लंबे समय से बताए जा रहे 52 प्रतिशत से घटाकर 43-45 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, आरक्षण लगभग 19 प्रतिशत रहने की संभावना है, जबकि 21 प्रतिशत की उम्मीद की जा रही थी। लोगों में नाराज़गी बढ़ रही है और पूरी रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं की गई है। भजन लाल अधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री बने हुए हैं। हालांकि सत्ता के गलियारों में वास्तविक ताकत अमित शाह और उनके दो भरोसेमंद सहयोगियों के पास है। स्थानीय निकाय चुनाव यह बताएंगे कि यह व्यवस्था कायम रहती है या नहीं।

क्या राजस्थान में भाजपा नए सिरे से शुरुआत कर रही है?

क्या ये तीनों इस समय चल रहे चुनावों में जीत दिला पाएंगे?

युद्धपोत पर मिसाइल हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के 5 तेल टैंकर नष्ट किये

ईरान- अमेरिका युद्ध ने समूचे मध्य पूर्व को संकट में डाला, हूती ने सऊदी अरब पर हमला किया

तेहरान/वाशिंगटन/रियाद/अम्मान, 09 सितंबर। होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर फरवरी अंत से छिड़ी जंग ने समूचे मध्य पूर्व को संकट में धकेल दिया है। ईरान हमले के जवाब में अमेरिका के सहयोगी देशों को बेखौफ होकर निशाने पर ले रहा है। अमेरिकी सेना का कहना है कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद, उसने तेहरान के कच्चे तेल ले जाने वाले पांच टैंकरों को नष्ट कर दिया है। अमेरिकी हमलों के जवाब में आईआरजीसी ने कहा कि उसने जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों वाले एक बेस पर हमला किया। इस बीच हूती ने सऊदी अरब पर हमला किया है। अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

■ अमेरिका का आरोप है कि नष्ट किये गये जहाज ईरान की शैडो फ्लीट (गुप्त बेड़े) का हिस्सा थे। टैंकरों पर हमला करने से पहले चालक दल को टैंकर छोड़ने के निर्देश दिये गये थे।

रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी की नौसेना ने कुवैत और बहरीन में तेल टैंकरों के क्रू को अपने जहाज छोड़ने की चेतावनी भी दी। साथ ही, ऐसा न करने पर जहाजों पर हमला करने की धमकी दी गई। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने तेहरान को चेतावनी दी है कि अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले की कोशिश के जवाब में वाशिंगटन ईरानी तेल टैंकरों पर हमले जारी रखेगा।

सेंटकॉम के अनुसार, चार टैंकरों पर ओमान की खाड़ी और पांचवें टैंकर को खार्ग द्वीप के पास निशाना बनाया गया। खार्ग द्वीप फारस की खाड़ी में स्थित है और कच्चे तेल के निर्यात के लिए ईरान का मुख्य टर्मिनल है। आरोप है कि ये जहाज ईरान के शैडो फ्लीट (गुप्त बेड़े) का हिस्सा थे। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने टैंकरों पर हमला करने से पहले उनके चालक दल को टैंकर छोड़ने का निर्देश दिया था।

आईआरजीसी ने दावा किया है कि अमेरिका के हालिया हमलों का जवाब दिया गया है। जॉर्डन में अमेरिकी डिस्ट्रॉयर (युद्धपोतों) को निशाना बनाया गया। यह युद्धपोत बैलिस्टिक मिसाइलें ले जा रहे थे। अमेरिका ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। जॉर्डन का कहना है कि उसने ईरान से दागी गई 20 में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को रोककर नष्ट कर दिया। जॉर्डन के सशस्त्र बलों के प्रवक्ता का कहना है कि पिछले कुछ घंटों में देश पर ईरानी क्षेत्र से मिसाइल हमला हुआ है।

ईरान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की मजबूती से रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बीच अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कहा कि जुलाई की शुरुआत से अब तक यूएस सेना के 26 और जवान घायल हुए हैं।

कर्नाटक के पीडब्ल्यूडी मंत्री व उनकी सांसद पुत्री पर ईडी का छापा

नई दिल्ली, 09 सितंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कर्नाटक में 18 स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दायरे में राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सतीश जारकीहोली, उनकी पुत्री और सांसद प्रियंका जारकीहोली के आवास समेत अन्य ठिकाने शामिल हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में की जा रही है।

■ ईडी के अनुसार, यह कार्यवाही मनी लॉन्डरिंग से जुड़े मामले में की गई

ईडी की टीमों ने एक साथ कई स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया।

जांच एजेंसी धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामले में वित्तीय लेनदेन और धन के कथित प्रवाह की जांच कर रही है। सतीश जारकीहोली के आवासों के अलावा, उनकी पुत्री प्रियंका जारकीहोली के परिसरों को भी तलाशी के दायरे में लिया गया है। एजेंसी कथित तौर पर विदेशों में धन हस्तांतरण से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि सतीश जारकीहोली के खिलाफ की जा रही यह कार्रवाई एक अलग मामले से संबंधित है और इसका संबंध उनके रिश्तेदार व आबकारी विभाग के अधिकारी वाई मंजूनाथ के खिलाफ पहले के दर्ज मामले से नहीं है। हालांकि तलाशी अभियान में मंजूनाथ से जुड़े कुछ परिसरों को भी शामिल किया गया है।

तेलंगाना, बीआरएस के 22 सदस्य शेष मानसून सत्र के लिये निलंबित

हैदराबाद, 09 सितंबर। तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने बुधवार को, सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के कारण, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 22 विधायकों को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया। निलंबित विधायकों में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव भी शामिल हैं।

बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही वैल में मौजूद बीआरएस सदस्यों ने ''हमें न्याय चाहिए'' जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए।

राहुल गांधी ने रायबरेली में जनता दरबार लगा कर लोगों की समस्यायें सुनीं

जनता दरबार में राहुल गांधी से मिलने वाले स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधी शामिल थे

रायबरेली, 09 सितम्बर। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दो दिवसीय रायबरेली प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को भुएमऊ आवास में जनता दरबार लगाया। इस दौरान सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं और मांगें लेकर पहुंचे।

जनता दरबार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अलावा, आम लोगों और विभिन्न संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों ने राहुल गांधी से मुलाकात की और स्थानीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष लक्ष्मी सिन्हा ने राहुल गांधी से मुलाकात कर उन्हें राखी बांधी और कहा कि 2029 में उन्हें प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प महिलाओं ने लिया है।

■ लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सर्राफा व्यापारियों के जीएसटी के मुद्दे को संसद में उठाने का आश्वासन दिया।

सुल्तानपुर कांग्रेस के उपाध्यक्ष जनार्दन शुक्ल भी राहुल से मिले और उन्हें संगठन को मजबूत करने का भरोसा दिया। इसके अलावा, मनोवैज्ञानिक रूमा प्रवीण ने राहुल से मिलकर रायबरेली की खस्ताहाल सड़कों का मुद्दा उठाया। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता अखिलेश माही ने भी राहुल से मिलकर रायबरेली के सपा कार्यकर्ताओं का समर्थन जताया और कारगिल शहीद राजेन्द्र यादव के नाम से एक चौराहे का नामकरण करने की मांग की।

रायबरेली ट्रांसपोर्ट यूनियन के अध्यक्ष राममोहन श्रीवास्तव ने रायबरेली में ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित करने की मांग की। इसके पहले राहुल गांधी ने सर्राफा व्यापारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और जीएसटी के मुद्दे को लोकसभा में उठाने का भरोसा दिया।

जल जीवन मिशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विभाग के शाहपुरा खंड में अधिशाषी अभियंता के तौर पर कार्यरत था। अतिरिक्त मुख्य अभियंता ने 4 अप्रैल, 2023 को पत्र लिखकर उसे ठेका फर्म के अनुभव प्रमाण पत्र का सत्यापन करने को कहा गया। जिसकी पालना में उसने केरल के विभिन्न स्थानों पर जाकर इरकोन इंटरनेशनल की ओर से गणपति ट्यूबवेल कंपनी के पक्ष में जारी अनुभव प्रमाण पत्र का सत्यापन कर रिपोर्ट दी थी। विशेष लोक अभियोजक मंजुला जैन ने कहा कि आरोपी ने दूसरे लोगों से मिलीभगत कर अपने पद का दुरुपयोग किया और फर्जी प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालय:**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय:**-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालय:**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालय:**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :**- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :**- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय:** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908